डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

एनएएसी द्वारा बी+ ग्रेड प्रत्यायित

सूचना बुलेटिन

स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम

2019-20

भविष्य का प्रेरक.....

"शिक्षा ऐसी वस्तु है जिसे प्रत्येक व्यक्ति की पहुंच के अंदर लाया जाना चाहिए ..... शिक्षा को सभी संभव तरीकों से और अधिकतम संभव तक सस्ता बनाया जाना चाहिए....."

(डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, बॉम्बे विधान सभा डिबेट्स, खंड VI दिनांक 28 अगस्त, 1939, पृष्ठ संया 1033-37)

कॉलेजों में कट ऑफ सूचियों, दस्तावेजों के सत्यापन, दाखिले के अनुमोदन तथा दाखिला शुल्क* के ऑनलाइन भुगतान की घोषणा का कार्यक्रम		
क्रियाकलाप	**तारीख**	**समय***
ऑनलाइन पंजीकरण का प्रारंभण	30 मई, 2019 (बृहस्पतिवार) से 22 जून, 2019 (शनिवार) तक	
कॉलेजों द्वारा पहली विच्छेदन सूची की अधिसूचना	28 जून, 2019 (शुक्रवार)	
दस्तावेज़ों का सत्यापन और दाखिले का अनुमोदन तथा शुल्क का भुगतान	28 जून, 2019 (शुक्रवार) से 01 जुलाई, 2019 (सोमवार) तक (रविवार को छोड़कर)	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.30 अपराह्न
कॉलेजों द्वारा दूसरी विच्छेदन सूची की अधिसूचना	04 जुलाई, 2019 (बृहस्पतिवार) तक	
दस्तावेज़ों का सत्यापन और दाखिले का अनुमोदन तथा शुल्क का भुगतान	04 जुलाई, 2019 (बृहस्पतिवार) से 06 जुलाई, 2019 (शनिवार) तक	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.30 अपराह्न
कॉलेजों द्वारा तीसरी विच्छेदन सूची (यदि कोई है) की अधिसूचना	09 जुलाई, 2019 (मंगलवार)	
दस्तावेज़ों का सत्यापन और दाखिले का अनुमोदन तथा शुल्क का भुगतान	09 जुलाई, 2019 (मंगलवार) से 11 जुलाई, 2019 (बृहस्पतिवार) तक	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.30 अपराह्न
कॉलेजों द्वारा चौथी विच्छेदन सूची (यदि कोई है) की अधिसूचना	15 जुलाई, 2019 (सोमवार)	

दस्तावेज़ों का सत्यापन और दाखिले का अनुमोदन तथा शुल्क का भुगतान	15 जुलाई, 2019 (सोमवार) से 17 जुलाई, 2019 (बुधवार) तक	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.30 अपराह्न
कॉलेजों द्वारा पांचवीं विच्छेदन सूची (यदि कोई है) की अधिसूचना	20 जुलाई, 2019 (शनिवार)	
दस्तावेज़ों का सत्यापन और दाखिले का अनुमोदन तथा शुल्क का भुगतान	20 जुलाई, 2019 (शनिवार) से 23 जुलाई, 2019 (मंगलवार) तक (रविवार को छोड़कर)	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.30 अपराह्न
संदर्भ : *दिल्ली विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन 1920-20 (संशोधित) के अनुसार। दाखिले यथालागू विश्वविद्यालय दिशानिर्देशों के अनुसार किए जाएंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in देखें। **टिप्पणी**: (क) सारणी में दिया गया समय, कॉलेज में दस्तावेज़ों के सत्यापन और दाखिले के अनुमोदन के लिए है। कॉलेज द्वारा दाखिले का अनुमोदन कर दिए जाने पर, अभ्यर्थी को, उस विच्छेदन सूची, जिसमें आवेदक दाखिला ले रहा/रही है, **ऑनलाइन दाखिला शुल्क का भुगतान अगले दिन 15.00 बजे तक करने की अनुमति है**। दाखिले के समय प्रस्तुत किए जाने वाले मूल अनिवार्य दस्तावेजों का सत्यापन ऑनलाइन किया जाएगा। ऐसे दस्तावेज़ जिनका सत्यापन ऑनलाइन नहीं किया जा सकता, फारेंसिक सत्यापन के लिए स्नातक-पूर्व दाखिले के अंतिम दिन के एक सप्ताह के अंदर मूल प्रति में प्रस्तुत किए जाएंगे। (ख) अगली सूचियां और अन्य पिछड़ा वर्ग सीटों का रूपांतरण, यदि आवश्यक हो, बाद में दाखिले की अंतिम तारीख के साथ अधिसूचित किया जाएगा।		

(i) प्राचार्य का स्वागत संबोधन	19 जुलाई, 2019 को पूर्वाह्न 10.00 बजे
(ii) संबंधित विभागों के अभिमुखीकरण कार्यक्रम	19 जुलाई, 2019 को पूर्वाह्न 11.30 बजे

शैक्षिक कैलेंडर (2019-20*		
क्रियाकलाप	**सेमेस्टर I/III/V**	**सेमेस्टर II/IV/VI**
कक्षाओं का प्रारंभण	20 जुलाई, 2019 (शनिवार)	01 जनवरी, 2020 (बुधवार)
मध्यावधि सेमेस्टर विराम	07 अक्तूबर, 2019 (सोमवार) से 13 अक्तूबर, 2019(रविवार) टिप्पणी: 08.10.2019 (मंगलवार) को दशहरा	09 मार्च, 2020 (सोमवार) से 15 मार्च, 2020 (रविवार) टिप्पणी: 10.03.2020 (मंगलवार) को होली
मध्यावधि सेमेस्टर विराम के पश्चात कक्षाओं का प्रारंभण	14 अक्तूबर, 2019 (सोमवार)	16 मार्च 2020 (सोमवार)
कक्षाओं का भंग, तैयारी छुट्टी और प्रयोगात्मक परीक्षाओं का प्रारंभण	16 नवंबर, 2019 (शनिवार)	28 अप्रैल, 2020 (मंगलवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का प्रारंभण	30 नवंबर, 2019 (शनिवार)	11 मई, 2020 (सोमवार)
शीतकालीन विराम/ ग्रीष्मकालीन अवकाश	17 दिसंबर, 2019 (मंगलवार) से 31 दिसंबर, 2019 (मंगलवार)	26 मई, 2020 (मंगलवार) से 19 जुलाई, 2020 (रविवार)
टिप्पणी : *दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना संख्या एकेड.I/299/एकेडेमिक कैलेंडर/60 दिनांक 25 मार्च, 2019 के अनुसार।		

प्रोस्पैक्टस समिति : डॉ. इंदिवर मिश्रा (संचालक), डॉ. सुनीता मलिक (सह-संचालक), सभी प्रभारी अध्यापक, सदस्य, श्री कनिष्क नौटियाल, गैर-अध्यापन वर्ग से।

विषय-वस्तु

पृष्ठ संख्या

अध्यक्ष महोदय का संदेश

प्राचार्य का संदेश

I. कॉलेज के बारे में 10

II. प्रस्तावित पाठ्यक्रम 11

III. दाखिला सूचना 12

IV. विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) 28

V. व्यावसायिक पाठ्यक्रम 30

VI. शुल्कों और देय राशियों की अनुसूची 71

VII. कॉलेज अवसंरचना 81

VIII. आंतरिक जनोपयोगी सेवाएं 84

IX. क्लास रूम से परे ज्ञानार्जन : एक हॉलिस्टिक विकास की ओर 86

X. परिसर जीवन : सूचना और दिशानिर्देश 97

XI. अनुशासन 101

XII. शैक्षिक और खेलकूद के क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियां 106

XIII. प्रत्येक पाठ्यक्रम के वर्ष-वार परिणाम (2014-2018) 108

XIV. कॉलेज प्रशासन 110

XV. 2019-20 के लिए कॉलेज समिति 111

अध्यक्ष महोदय का संदेश

प्रिय छात्रगण,

मैं, भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर - भारतीय संविधान समिति के निर्माण, एक विचारक और अति उत्कृष्ट समाज सुधारक के नाम पर स्थापित डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज में दाखिला प्राप्त करने वाले सभी छात्रों का हार्दिक और आशीर्वादपूर्ण स्वागत करता हूं। हम, उनकी उपलब्धियों के साथ-साथ उनके योगदान और जीवन के तरीके तथा मिशन को नमन करते हैं। वह सदैव, भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और ज्ञान का स्रोत बने रहेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक संघटक कॉलेज के रूप में, यह संस्थान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णत: सहायताप्राप्त संस्थान है। पिछले वर्षों में, यह कॉलेज, विविध दृष्टिकोण से ज्ञानार्जन और ज्ञान का एक बड़ा संस्थान बन गया है। इसकी एक उत्कृष्ट अवसंरचना है, जिसमें पुस्तकालय, एक सभागार, स्वास्थ्य केंद्र, विस्तृत कैंटीन, बैंक, एटीएम आदि शामिल हैं। इस कॉलेज में अर्हताप्राप्त अध्यापक और प्रशिक्षित कार्यालय स्टाफ है। कॉलेज में, योग्यताप्राप्त अध्यापकों और प्रशिक्षित कार्यालय स्टाफ की दृष्टि से उत्कृष्ट मानव संसाधन हैं। पूरा परिसर वाई-फाई समर्थकारी है। यह, सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येत्तर क्रियाकलापों की एक रेंज प्रदान करता है, जो इनमें भाग लेने के लिए आपको प्रोत्साहित करता है। कॉलेज के कुछ अनूठे छात्र अनुकूल कार्यक्रमों में, 'अर्न वाइल लर्न स्कीम', योग एवं ध्यान कुटीर, खुली व्यायामशाला, अनुचिंतन पथ, पेपर रिसाइक्लिंग इकाई, क्रिकेट एकेडेमी आदि शामिल हैं, जो आय के हॉलिस्टिक विकास को सुसाध्य बनाने और सभी आवश्यक जीवन कौशलों से युक्त बनाने का वातावरण उपलब्ध कराते हैं।

मेरी सभी छात्रों के लिए हार्दिक कामना है कि उन्हें, अपनी शैक्षिक यात्रा को सार्थक और गतिशील बनाने के लिए कॉलेज द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों से लाभान्वित होना चाहिए। आपके समर्पित प्रयासों, समर्थन और अनुशासन के होते हुए, मैं आशा करता हूं कि यह कॉलेज, दिल्ली में गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा के एक केंद्र के रूप में विकसित होगा।

प्रोफेसर मदल लाल

अध्यक्ष, शासी निकाय

प्राचार्य की कलम से*

प्रिय छात्रगण,

हार्दिक स्वागत ! हमारा कॉलेज, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान 1991 में अस्तित्व में आया। दिल्ली विश्वविद्यालय का एक संघटक सह-शिक्षा कॉलेज, यह जीएनसीटीडी द्वारा पूर्ण वित्तपोषित है। यह कॉलेज अपेक्षाकृत नया है और इसने हाल ही में अपने घटनापूर्ण अस्तित्व के 25 वर्ष पूरे किए हैं।

कॉलेज का आदर्श-वाक्य "आत्म दीपो भव" जिसका अर्थ है "अपना प्रकाश स्वयं बनें" हमें सदैव, स्वयं को प्रबुद्ध बनाने और समाज के कल्याण के प्रति योगदान करने के लिए समर्पण और निष्ठा के साथ परिश्रम करने के लिए प्रेरित करता है। हम बाबा साहेब की शिक्षाओं और मिशन से प्रेरणा प्राप्त करते हैं, जिन्होंने कमजोर वर्गों के कल्याण और राष्ट्र निर्माण के लिए पूरे जीवन निरंतर परिश्रम किया।

यह कॉलेज, छात्रों की रुचि के अनुकूल, शैक्षिक, अनुसंधान और उनकी रुचि के अनुकूल खेलकूद, संस्कृति, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य अन्य पाठयेत्तर क्रियाकलापों में सम्मिलित होने के लिए छात्रों को पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। इन क्रियाकलापों में आपकी सहभागिता, कॉलेज और सामुदायिक विकास दोनों के प्रति दल कार्य, परस्पर सम्मान, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मन में बैठाने में सहायता करेगी। यह कॉलेज, इसकी प्राकृतिक देखभाल और पर्यावरण अनुकूल पहलों के लिए जाना जाता है। इसके गुलाब और हर्बल बगीचे, पेपर रिसाइक्लिंग इकाई और सौर जल हीटर आदि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए

---

* *यह कॉलेज, इस सूचना बुलेटिन के प्रकाशन के लिए प्रोस्पेक्टस समिति के, विशेष रूप से निरंतर परिश्रम कर रहे श्री कनिष्क नौटियाल द्वारा सहायता प्रदत्त इंदिवर मिश्रा के प्रयास की सराहना करता है।*

उठाए गए अनूठे कदम हैं। इन सभी वर्षों के दौरान हमारे छात्रों की भूमिका सराहनीय रही है।

प्राचार्य के रूप में मेरे एक दशक के कार्यकाल के दौरान अनेक विषम परिस्थितियों के बावजूद यह कॉलेज ज्ञान और संस्था निर्माण की नई सीमाओं के पथ पर पहुंचा है। कॉलेज का पुस्तकालय, ई-संसाधन की प्राप्ति, खेल का मैदान, कैंटीन, सभागार, सूचना प्रौद्योगिकी समर्थकारी वाई-फाई, पूर्ण सीसीटीवी निगरानी, खुली व्यायामशाला और कंप्यूटर प्रयोगशाला सर्वोत्तम हैं। आपको इस बात से प्रसन्नता होगी कि हमारे छात्रों की सृजनात्मकता, स्टाफ द्वारा सुसाध्य बनाई गई है और यह हमारी प्रशासनिक पद्धतियों में परिलक्षित होती है। विश्वविद्यालय द्वारा इसकी सराहना की गई है और कॉलेज को 'अंतरध्वनि' 2015 में कुलपति महोदय का प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। कॉलेज को 2017 में एनएएएसीबी+ प्रदान किया गया था। यह कॉलेज, छात्रों का ज्ञान अद्यतन बनाए रखने और जीवन की ज़मीनी हकीकत के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है, कार्यशालाएं आयोजित करता है और औद्योगिक दौरे तथा ग्रामीण दौरे आयोजित करता है।

मुझे पूरा विश्वास है कि शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के अलावा आपको अपनी प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। अध्यापन संकाय सदस्य, स्टाफ, विद्यार्थी और शासी निकाय, आपके द्वारा चुने गए क्षेत्रों में आपकी चहुंमुखी प्रगति और विकास के लिए सदैव प्रयास कर रहे हैं। कृपया कॉलेज जीवन का सर्वोत्तम उपयोग करें और कक्षाओं तथा छात्र केंद्रित क्रियाकलापों में पूरी तरह भाग लें। आपको अल्पकालिक कौशल आधारित रोज़गारोन्मुखी अतिरिक्त और भाषा पाठ्यक्रमों में भाग लेने और अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हम उन्हें अनुसंधान आरंभ करने के लिए भी प्रेरित करते हैं। यह कॉलेज, क्लास रूम में और बाहर एक अनुकूल वातावरण सृजित करने का प्रयास करता है। यह निश्चित रूप से आपके कॅरियर निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कृपया याद रखें

कि एक समावेशी और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण करने की आपकी संभाव्यता को केवल तभी साकार किया जा सकता है, यदि आप अपने देश से प्रेम करें और समर्पण, ईमानदारी तथा अनुशासन के साथ परिश्रम करें। यह एक निरूत्साहित करने वाली चुनौती है क्योंकि विश्व उत्तरोत्तर प्रतियोगितात्मक बन रहा है और रोज़गार के अवसर प्रचुर मात्रा में नहीं हैं।

मैं अपने कॉलेज में आपको देखने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं और आगे सभी सफलता और अच्छे भविष्य की कामना करता हूं।

आप info@drbrambedkarcollege.ac.in या principal@drbrambedkarcollege.ac.in पर प्रचार्य तक पहुंच सकते हैं या वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री राम कुमार के माध्यम से मुझसे संपर्क कर सकते हैं।

सर्वोत्तम शुभकामनाओं के साथ

डॉ. जी.के. अरोड़ा, प्राचार्य

I. कॉलेज के बारे में

डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज (बीआरएसी), संस्थापक प्राचार्य के रूप में डॉ. पी.सी. पतंजलि के साथ, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जन्म शताब्दी के दौरान 08 फरवरी, 1991 को अस्तित्व में आया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय का एक संघटक सह-शिक्षा कॉलेज है और दिल्ली सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्तपोषित है। अपने आरंभ से ही इसने, शैक्षिक और पाठ्येत्तर दोनों क्षेत्रों में प्रगति के पथ पर अपनी निरंतर गति बनाए रखी है। इस कॉलेज को एनएएसी मान्यता में बी+ ग्रेड प्रदान किया गया है। प्राचार्य, अध्यापन एवं गैर-अध्यापन स्टाफ ने हॉलिस्टिक और समावेशी ज्ञानार्जन, हितकर और जिम्मेदार भविष्य निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित करने का वातावरण सृजित करने के प्रति स्वयं को समर्पित कर दिया है। इस कॉलेज ने 2016 में अपनी रजत जयंती पूरी की और यह वर्ष अनेक शैक्षिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के साथ मनाया गया।

इस कॉलेज में, तीन वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों के अंतर्गत शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का एक अनूठा समायोजन है। प्रमुख शैक्षिक कार्यक्रमों में, बी.कॉम और बी.कॉम (ऑनर्स), बी.ए. (ऑनर्स), भूगोल, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास और सदाबहार बी.ए. (कार्यक्रम) शामिल हैं। इस कॉलेज के पास, विश्वविद्यालय के चार व्यावसायिक पाठ्यक्रम नामत: बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार, जो 1994-95 में आरंभ किया गया था और बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य और बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र, जो 1995-96 में आरंभ किए गए थे, और बी.ए. (ऑनर्स) (अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान) जो 2007-08 में आरंभ किया गया था, आरंभ करने में अग्रणी होने की अनूठी विशिष्टता है। सत्र 2017-18 में दो नए पाठ्यक्रम, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र और बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी भी आरंभ किए गए। इस कॉलेज के पास बी.ए. (कार्यक्रम) के छात्रों को कार्यात्मक हिंदी (एफएच) जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अलावा, मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) और कार्यक्रम प्रबंधन एवं

सचिवालयीय पद्धति (ओएमएसपी) जैसे कुछ वाणिज्य आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करने की विशिष्टता है। इस कॉलेज को, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों और अपने कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा आवश्यकताओं का ध्यान रखने के लिए इसके परिसर में डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र होने का गौरव प्राप्त है। यह कॉलेज दिल्ली मेट्रो मार्ग पर स्थित है और निकटतम मेट्रो स्टेशन गोकुलपुरी है जो कुछ कदम की दूरी पर है।

जीएनसीटीडी द्वारा आरंभ की गई क्षमता विस्तारण योजना के अंतर्गत, विश्वविद्यालय ने हमारे कॉलेज को, ओपन लर्निंग स्कूल (एसओएल) के छात्रों के लिए व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (पीसीपी) के अंतर्गत स्नातक-पूर्व अध्यापन को सुसाध्य बनाने के लिए और शासनेत्तर महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी), दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन छात्राओं को पढ़ाने के लिए भी क्षेत्रीय व अध्ययन केंद्रों में से एक के रूप में चुना है। हमारा कॉलेज, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, युवा कार्य एवं खेलकूद मंत्रालय, तमिलनाडु, जो डॉ. रविन्द्र सिंह की समन्वयता में युवा विकास में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करता है, द्वारा पूरे भारत में फैले 12 केंद्रों में से एक केंद्र के रूप में भी चुना गया है।

II. प्रस्तावित पाठ्यक्रम

अध्ययन के पाठ्यक्रम		प्रवेश क्षमता*
1.	बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान	43
2.	बी.ए. (ऑनर्स) कारोबार अर्थशास्त्र (प्रवेश परीक्षा के द्वारा)	68
3.	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल	68
4.	बी.ए. (ऑनर्स) हिदी पत्रकारिता और जन संचार	68
5.	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	51
6.	बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य	68
7.	बी.कॉम (ऑनर्स)	135
8.	बी.कॉम	204

9.	बी.ए. कार्यक्रम	355
10.	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	51
11.	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	51
	कुल सीटें	**1162**
*विश्वविद्यालय का पत्र संख्या एसीए.1/2009/802 दिनांक 23 दिसंबर, 2009ए एसीए.1/086/2017-18/68 दिनांक 25 मई, 2017 और एसीए.1/ईडब्ल्यूएस/2019/ 101 दिनांक 15.05.2019		

III. दाखिला सूचना

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के भिन्न-भिन्न कॉलेजों में मेरिट के आधार पर स्नातक-पूर्व (यूजी) पाठ्यक्रमों (जिनके लिए कोई प्रवेश परीक्षा नहीं है) में दाखिला लेने के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि वे स्नातक-पूर्व पोर्टल https://admission.du.ac.in पर ऑनलाइन पंजीकरण कराएं। 'विदेशी छात्र श्रेणी दाखिला' के अंतर्गत कृपया https://fsr.du.ac.in पर पंजीकरण कराएं।

विश्वविद्यालय हेल्प डेस्क फोन: 011-27667092 और 24116178, 27662602, 27006900

ई-मेल : du.ug.help2019@gmail.com

यह कॉलेज, स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम 2019-20 में दाखिले के लिए सूचना बुलेटिन में दी गई और समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा भी सूचित दाखिल प्रक्रिया का पालन करेगा। इसलिए रुचि रखने वाले छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस कॉलेज में किसी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन करने से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के सूचना बुलटिन 2019-20 और विश्वविद्यालय की वेबसाइट को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. सभी पाठ्यक्रमों में दाखिला, अर्हक परीक्षा, न्यूनतम पात्रता शर्तों और दाखिला प्रक्रिया के संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों पर आधारित और विश्वविद्यालय द्वारा पुष्टिकरण की शर्त के अधीन भी है।

2. दाखिला, विश्वविद्यालय के कार्यक्रम और दिशानिर्देशों के अनुसार कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित 'कट ऑफ' के जरिए मेरिट आधार पर होगा। कोई अलग-अलग सूचना नहीं भेजी जाएगी। कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह पिछली सूची का अधिक्रमण करते हुए सूची में कोई सुधार कर सके।

3. अभ्यर्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए यथाविनिर्दिष्ट न्यूनतम अंक प्राप्त करके सीबीएसई की उच्चतर माध्यमिक स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (कक्षा XII) या कोई परीक्षा या दाखिले के उद्देश्य के लिए विनिर्दिष्ट अर्हक परीक्षा के अनुसार इसके समतुल्य के रूप में कोई मान्यताप्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए। समतुल्यता मापदंड और ग्रेड रूपांतरण के आधार पर दाखिला प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के मामले पर, दाखिला विवरणिका 2019-20 में दर्शाए गए अनुसार विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार ही विचार किया जाएगा।

4. कोई अभ्यर्थी, किसी निश्चित समय पर एक कॉलेज में केवल एक ही पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकता है। यदि कोई छात्र किसी पाठ्यक्रम/कॉलेज में दाखिला वापस लेना/निरस्त करना चाहता है तो अभ्यर्थी को उस कॉलेज से निवेदन करना चाहिए, जहां दाखिला लिया गया है। कॉलेज द्वारा किसी अभ्यर्थी का दाखिला निरस्त कर दिए जाने के पश्चात ही अभ्यर्थी अन्य पाठ्यक्रम/ कॉलेज में दाखिला ले सकता है। अभ्यर्थी को दाखिला शुल्क, कॉलेज/ विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार लौटाया जाएगा।

5. **सीटों का आरक्षण (अन्य पिछड़ा वर्ग के अलावा)**

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों की श्रेणियों के अंतर्गत दाखिल [सीटों की कुल संख्या का 22½%, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों (अ.जा. के लिए 15% और अ.ज.जा. के लिए 7½%) से संबंधित अभ्यर्थियों

के लिए आरक्षित है]। एक दूसरे से अदला-बदली किए जाने योग्य है (यदि आवश्यक हो)। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों, विकलांग व्यक्तियों (न्यूनतम 40% शारीरिक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए 5%) के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना एक सांविधिक दायित्व है। अर्ध-सैनिक बल के कर्मियों, युद्ध में मारे गए/पूर्व सैनिकों/ विकलांगों सहित सशस्त्र बल के अधिकारियों/ पुरुषों के बच्चों/विधवाओं को दाखिले में 5% सीटें पाठ्यक्रम-वार सीडब्ल्यू अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। 5% सीटें पाठ्यक्रम-वार कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए और विदेशी छात्रों के लिए या विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सलाह के अनुसार आरक्षित हैं। ये सभी दाखिले, समय-समय पर यथालागू परिवर्तनों के अनुवर्तन के साथ सूचना बुलेटिन 2019-20 में प्रकाशित विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार किए जाएंगे।

कश्मीरी प्रवासियों/युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं के बच्चों की आरक्षित श्रेणियों के अंतर्गत दाखिले के लिए दाखिला प्रक्रिया केंद्रीयकृत बनी रहेगी और उप रजिस्ट्रार, शैक्षिक के कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के स्तर पर आयोजित की जाएगी। उन सभी अभ्यर्थियों, जो युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं/कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए आरक्षण की श्रेणियों में से किसी श्रेणी के अंतर्गत कवर किए गए हैं, को अलग से ऑनलाइन पंजीकरण कराना चाहिए, यदि वे चाहते हैं कि उनके मामले पर किसी अन्य श्रेणी (सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग) के लिए विचार किया जाए।

टिप्पणी: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग आदि के पात्र छात्रों को, हर वर्ष शैक्षिक वर्ष के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग व्यक्ति आदि को छात्रवृत्ति की प्रोसेसिंग के लिए अपने छात्रवृत्ति फार्म फरवरी तक प्रस्तुत कर देने चाहिए।

6. **अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण (गैर-क्रीमी लेयर) :** अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित अभ्यर्थियों के लिए 27% सीटें आरक्षित होंगी।

6.1 अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों को, दाखिल प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम पात्रता (यदि कोई है) और अर्हक परीक्षा में न्यूनतम पात्रता में छूट सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए विनिर्धारित न्यूनतम पात्रता अंकों के 10% की सीमा तक दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी के लिए पाठ्यक्रम में दाखिले हेतु न्यूनतम पात्रता 50% है तो अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी के लिए न्यूनतम पात्रता 45% (अर्थात् 50% में से 50% का 10% घटाकर) होगी।

6.2 ऐसे सभी अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थी, जो अर्हक परीक्षा में न्यूनतम पात्रता अंक और प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम पात्रता अंक (यदि कोई हैं) पूरे करते हैं, उनके लिए आरक्षित सीटों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, उनकी मेरिट के क्रम में दाखिले के पात्र होंगे।

6.3 उसके स्वयं के नाम में बने प्रमाणपत्र में यथाउल्लिखित 'गैर-क्रीमी लेयर' से संबंधित अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थी और जिसकी जाति केवल अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थी की केंद्रीय सूची में दर्शाई गई है, केवल उसी श्रेणी के लिए पात्र होगा/होगी, जिसमें उसके नाम पर अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत दाखिले के लिए विचार किया जाता।

टिप्पणी : सामान्य श्रेणी की सीटों के लिए मेरिट सूची में सभी अभ्यर्थी, मेरिट के क्रम में होंगे। किसी को भी इससे अलग नहीं रखा जाएगा। दूसरे शब्दों में, इसमें अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. अभ्यर्थी भी शामिल होंगे, यदि वे सामान्य मेरिट में आते हैं। किसी अभ्यर्थी को सामान्य श्रेणी मेरिट सूची से केवल इसलिए बाहर नहीं रखा जा सकता क्योंकि वह अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. से संबंधित है। ऐसा कोई अभ्यर्थी, सामान्य और आरक्षित श्रेणी के अंतर्गत विचार किए जाने का हकदार होगा। खुली श्रेणी की सीटों पर दाखिला,

अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. के अभ्यर्थियों को छोड़कर पूरी तरह मेरिट के क्रम में होगा।

अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. श्रेणी के अंतर्गत दाखिला प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के पास केवल उनके स्वयं के नाम में प्रमाणपत्र होना चाहिए।

7. आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति :

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना संदर्भ सं. एसीए.1/ईडब्ल्यूएस का आरक्षण/2019/63 दिनांक 28 मार्च, 2019 और संदर्भ संख्या एसीए.1/ईडब्ल्यूएस का आरक्षण/2019/101 दिनांक 15 मई, 2019 के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए आरक्षण हेतु विश्वविद्यालय विभागों/केंद्रों/कॉलेजों में इस शैक्षिक वर्ष 2019-20 से इसके लिए दाखिलों में 10% सीटें आरक्षित कर दी हैं। ऐसे आवेदकों की पात्रता, उपर्युक्त अधिसूचनाओं में विनिर्धारित मापदंड पूरा करने के आधार पर तय की जाएगी और अनुबंध-IV में उपलब्ध कराए गए फार्मेट पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए दस्तावेज़ों के प्रस्तुतीकरण की शर्त के अधीन होगी। विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक http://www.du.ac.in/du/uploads/Notofications/04042019-Notifications-EWS.pdf और http://www.du.ac.in/du/index-php?mact=News,cntnt01,detail/0&cntnt01articleid-23723&cntnt01returnid=83 का अवलोकन कर सकते हैं।

क. आय और परिसंपत्तियों का मापदंड

क-1 ऐसे व्यक्ति, जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण की योजना के अंतर्गत कवर नहीं होते और जिनके परिवार की सकल वार्षिक आय 8.00 लाख रुपए (आठ लाख रुपए) से कम है, को आरक्षण के लाभ के लिए ईडब्ल्यूएस के रूप में रखा जाएगा। आवेदन-पत्र के वर्ष से पहले के वित्तीय वर्ष के लिए इस आय में सभी स्रोतों अर्थात् वेतन, कृषि, व्यापार, व्यवसाय आदि से प्राप्त आय भी शामिल होगी। इसके अलावा, ऐसे व्यक्ति जिनके

परिवार के पास निम्नलिखित परिसंपत्तियों में से किसी परिसंपत्ति का स्वामित्व है, को ईडब्ल्यूएस के रूप में शामिल किए जाने से विवर्जित कर दिया जाएगा, चाहे परिवार की आय कितनी भी हो:

(i) पांच एकड़ और इससे अधिक कृषि भूमि

(ii) 1000 वर्ग फुट या इससे अधिक में आवास

(iii) अधिसूचित नगरपालिकाओं में 100 वर्ग गज या इससे अधिक का आवासीय भूखंड

(iv) अधिसूचित नगरपालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या इससे अधिक का आवासीय भूखंड

क-2 ईडब्ल्यूएस स्टेटस निर्धारित करने के लिए भूमि या संपत्ति धारिता कसौटी लागू करते समय भिन्न-भिन्न स्थानों/नगरों में "किसी परिवार" द्वारा धारित संपत्ति को एकसाथ जोड़ा जाएगा।

क-3 इस उद्देश्य के लिए 'परिवार' शब्द में ऐसा व्यक्ति, जो आरक्षण का लाभ चाहता है, उसके माता-पिता और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे तथा उसका पति/पत्नी और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे शामिल होंगे।

ख. आय और परिसंपत्ति प्रमाणपत्र जारी करने वाला प्राधिकारी और प्रमाणपत्र का सत्यापन

ख-1 ईडब्ल्यूएस के अंतर्गत आरक्षण का लाभ, किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए आय और परिसंपत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर प्राप्त किया जा सकता है। निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए आय और परिसंपत्ति प्रमाणपत्र को 'ईडब्ल्यूएस से संबंधित' के रूप में अभ्यर्थी के दावे के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा:

(i) जिला मेजिस्ट्रेट/अपर जिला मेजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अपर उपायुक्त/प्रथम श्रेणी स्टाइपेंडरी मेजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल

मेजिस्ट्रेट/तालुका मेजिस्ट्रेट/कार्यपालक मेजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा सहायक उपायुक्त;

(ii) मुख्य प्रेजिडेंसी मेजिस्ट्रेट/अपर मुख्य प्रेजिडेंसी मेजिस्ट्रेट/प्रेजिडेंसी मेजिस्ट्रेट;

(iii) राजस्व अधिकारी, जो तहसीलदार के रैंक से नीचे का न हो; और

(iv) उस क्षेत्र का सब-डिवीजनल अधिकारी, जहां अभ्यर्थी और/या उसका परिवार सामान्यत: रहता है।

ख-2 जो अधिकारी प्रमाणपत्र जारी करता है, वह संबंधित राज्य/संघ शासित क्षेत्र द्वारा यथाविनिर्धारित उचित प्रक्रिया अपनाकर सभी सुसंगत दस्तावेज़ों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करने के पश्चात यह कार्य करेगा।

ख-3 ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित होने का दावा करने वाले अभ्यर्थियों के दाखिला प्रस्ताव में उन प्राधिकारियों को निम्नलिखित खंड शामिल करना चाहिए:

"यह दाखिला अनंतिम है और उचित माध्यम से सत्यापित किए जाने वाले आय और परिसंपत्ति प्रमाणपत्र की शर्त के अधीन है और यदि सत्यापन में यह पता चलता है कि ईडब्ल्यूएस से संबंधित होने का दावा गलत है तो दाखिला कोई कारण बताए बिना और ऐसी किसी कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जो गलत प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के लिए भारतीय दंड संहिता के उपबंधों के अंतर्गत की जा सकती है, रद्द कर दिया जाएगा।"

दाखिला प्राधिकारी को प्रमाणपत्र जारी करने वाले प्राधिकारी के माध्यम से, अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए आय और परिसंपत्ति प्रमाणपत्र की सत्यतता का सत्यापन करना चाहिए।

8. खेलकूद और पाठयेत्तर क्रियाकलापों के आधार पर दाखिला (पूरी तरह विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार)

यह कॉलेज खेलकूद और पाठयेत्तर क्रियाकलापों की पृष्ठभूमि वाले छात्रों को प्रोत्साहित करता है। कुल सीटों में से अधिक से अधिक 5 प्रतिशत सीटें (खेलकूद के लिए 3 प्रतिशत और संस्कृति के लिए 2 प्रतिशत) इन दाखिलों (विषय-वार) के लिए उपलब्ध हैं, सिवाय ऐसे पाठ्यक्रमों में। जहां दाखिला परीक्षा है या केंद्रीकृत दाखिला है, कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह केवल उस विशेष खेलकूद और पाठयेत्तर क्रियाकलापों पर विचार कर सके जिसे वह प्रोत्साहित करना चाहता है।

8.1 खेलकूद कोटा के अंतर्गत दाखिला : अभ्यर्थियों को कॉलेज में श्रेणी को प्रमुखता से दर्शाते हुए आवेदन करना होगा।

दिशानिर्देशों में निम्नलिखित उपबंधित है:

I. सुपर श्रेणी : खेलकूद के परीक्षणों के बिना प्रत्यक्ष दाखिला

ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने निम्नलिखित प्रतियोगिता (प्रतियोगिताओं) में भाग लिया है/देश का प्रतिनिधित्व किया है:

1. अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा ओलंपिक खेल
2. अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसंघ (आईएसएफ) द्वारा विश्व चैंपियनशिप/ विश्व कप
3. राष्ट्रमंडल खेल परिसंघ (सीजीएफ) द्वारा राष्ट्रमंडल खेल
4. एशिया की ओलंपिक परिषद् (ओसीए) द्वारा एशियन खेल
5. अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद परिसंघ (आईएसएफ) द्वारा एशियन चैंपियनशिप
6. दक्षिण एशियाई खेलकूद परिषद् (एसएएससी) द्वारा दक्षिण एशियाई खेल (एसकेजी)
7. अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) द्वारा पैरालंपिक खेल

II. खेलकूद परीक्षणों के आधार पर दाखिला :

क. अधिकतम 40 अंक खेलकूद प्रमाणपत्रों के लिए हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय का सूचना बुलेटिन 2019-20 देखें।

ख. खेलकूद प्रमाणपत्रों की मार्किंग का मापदंड स्थानों के भिन्न-भन्न स्तरों और/या सहभागिता स्तरों के लिए अंकों के साथ निम्नलखित सारणी में प्रदर्शित किया गया है:

अधिकतम 40 अंकों में खेलकूद प्रमाणपत्र की मार्किंग का मापदंड						
श्रेणी	**प्रतियोगिता का स्तर**	**प्रमाणपत्र जारी करने वाला प्राधिकरण**	**40 में से अधिकतम अंक**			
			प्रथम स्थान	**द्वितीय स्थान**	**तृतीय स्थान**	**सहभागिता**
क	ओलंपिक खेलों/ विश्व चैंपियनशिप/ विश्व कप/ राट्रमंडल खेलों/ एशियाई खेलों/ एशियाई चैंपियनशिप/ दक्षिण एशियाई परिसंघ खेलों/ पैरालंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया	आईओसी/ आईएसएफ/ सीजीएफ/ ओसीए/ एसएएससी/ आईपीसी/ आईओए/ एनएसएफ द्वारा मान्यता प्राप्त और/या युवा मामले एवं खेलकूद मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा वित्तपोषित	**प्रत्यक्ष दाखिला**			
ख	अंतर्राष्ट्रीय युवा/ जूनियर प्रतियोगता/ राष्ट्रीय खेल/ फेडरेशन कप/ सीनियर नेशनल/ नेशनल/ इंटर-ज़ोनल नेशनल/अंडर 17/19/खेलो इंडिया स्कूल राष्ट्रीय स्कूल खेलकूद/ अंडर 17/21 यूथ खेलकूद/ यूथ/जूनियर नेशनल/ सब जूनियर/ ज़ोनल	आईएसएफ/आईओए/ एनएसएफ मान्यता प्राप्त और युवा मामले एवं खेलकूद मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा वितपोषित/यूथ गेम फेडरेशनल ऑफ इंडिया (एसजीएफआई)	40	36	32	28

	नेशनल प्रतियोगिता में स्थान और/या सहभागिता					
ग	राष्ट्रीय खेलों/परिसंघ कप/ सीनियर नेशनल/ इंटर जोनल नेशनल/ राष्ट्रीय प्रतियोगता में स्थान और/या सहभागिता	आईओए/ एनएसएफ द्वारा मान्यताप्राप्त और/या युवा मामले एवं खेलकूद मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा वित्तपोषित	24	20	16	पात्र नहीं
घ	अंडर-19/17 राष्ट्रीय स्कूल खेलों, अंडर-17 खेलो इंडिया राष्ट्रीय स्कूल खेलों/ युवा/ जूनियर राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय महिला खेलकूद प्रतियोगता/ सब जूनियर/ कैडेट राष्ट्रीय प्रतियोगिता/ ज़ोनल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्थान और/या सहभागिता।	स्कूल गेम फेडरेशन आफ इंडिया (एसजीएफआई)/ एनएसएफ द्वारा मान्यता प्राप्त और/या युवा मामले एवं खेलकूद मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा वित्तपोषित	12	08	04	पात्र नहीं

स्रोत: दिल्ली विश्वविद्यालय का सूचना बुलेटिन, अनुबंध सं. VIक

टिप्पणी :

1. आमंत्रण/ मेमोरियल/ ओपन/ प्राइज मनी लीग/ रैंकिंग प्रतियोगिताओं के खेलकूद प्रमाणपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. पिछले तीन वर्षों की मेरिट/ सहभागिता खेलकूद प्रमाणपत्र पर 01 मई, 2016 से लेकर 30 अप्रैल, 2019 तक विचार किया जाएगा।
3. आवेदकों के लिए यह आवश्यक है कि वे तीन मेरिट/ सहभागिता खेलकूद प्रमाणपत्र की स्वयं-साक्ष्यांकित प्रतियां अपलोड करें।
4. मार्किंग के लिए केवल उच्चतम मेरिट/सहभागिता खेलकूद पमाणपत्र पर विचार किया जाएगा।

डॉ. भीमराव अम्बडकर कॉलेज के लिए खेलों/ खेलकूद की सूची:					
1.	तीरंदाजी	4.	क्रिकेट	7.	शूटिंग
2.	बेसबाल	5.	वालीबाल		
3.	बास्केट बाल	6.	फुटबाल		

कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह दाखिले के किसी भी चरण में विशिष्ट खेल/खेलकूद की संख्या और स्वरूप तथा आवेदकों की उपलब्धता पर निर्भर करते हुए उनके संबंधित स्थान/कार्यक्रम/भार की श्रेणी में परिवर्तन कर सके।

अन्य विवरण और खेलकूद के परीक्षणों के लिए, छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय खेलकूद परिसर/कॉलेज की वेबसाइट देखें तथा डॉ. के.के. शर्मा (संचालक, खेलकूद समिति) से संपर्क करें।

टिप्पणी : अंतिम रूप से चुने गए खिलाड़ियों द्वारा दाखिले के समय 100/- रुपए के जुडिशियल स्टांप पेपर पर एक वचनपत्र दिया जाएगा कि "वह अपने स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम के दौरान पूरे तीन वर्ष तक कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए खेलेगा/खेलेगी।

8.2 पाठ्येत्तर क्रियाकलापों (ईसीए) के अंतर्गत दाखिला : पाठ्येतर क्रियाकलापों (ईसीए) के आधार पर विभिन्न स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए सभी संबंधितों द्वारा निम्नलिखित दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा:

1. ईसीए श्रेणी के अंतर्गत दाखिल प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थी दिल्ली विश्वविद्यालय के दाखिला पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराएंगे।

2. पंजीकरण के प्रभार, अनारक्षित/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग व्यक्ति पंजीकरण के लिए प्रभारों के अतिरिक्त 100/- रुपए होंगे।

3. **परीक्षण दो स्तरों पर किया जाएगा : (i) प्रारंभिक परीक्षण (ii) अंतिम परीक्षण।**

(i) प्रारंभिक/अंतिम परीक्षणों की तारीख/तारीखें विश्वविद्यालय/ कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित और प्रदर्शित की जाएंगी और ये कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएंगी।

(ii) किसी सहभागिता/प्रमाणपत्र जीतने का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थी को पिछले तीन वर्षों (01 मई, 2016 से 30 अप्रैल, 2019) के दौरान संबंधित क्रियाकलाप में भाग लेने का साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए।

(iii) अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य, जोनल और स्कूल स्तर पर भाग लेने वाले/प्रमाणपत्र जीतने वाले को भारांश दिया जाएगा तथा परीक्षण निम्नलिखित हैं: प्रमाणपत्र : 25 प्रतिशत परीक्षण : 75 प्रतिशत। इन प्रमाणपत्रों पर विचार किए जाने के लिए ये तीन वर्ष से अधिक पुराने नहीं होने चाहिए।

(iv) सभी अभ्यर्थियों को किसी एक क्रियाकलाप में केवल एक बार प्रारंभिक स्तर पर भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। दूसरे अवसर के किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

4. अंतिम परीक्षणों के लिए शॉर्ट लिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की सूची कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित की जाएगी और कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी।

5. विशिष्ट पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए (पाठ्यक्रम की न्यूनतम पात्रता की शर्त के अधीन) सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी की तुलना में शैक्षिक मेरिट में (अंतिम सुसंगत विच्छेदन सूची) 15 प्रतिशत से अधिक रियायत नहीं दी जाएगी।

6. कॉलेज प्रारंभिक और अंतिम परीक्षणों को वीडियोग्राफ करेगा और रिकार्ड रखेगा। इसीए श्रेणी के अंतर्गत दाखिले के लिए परीक्षण, ईसीए दाखिला समिति द्वारा किए जाएंगे।

7. इस प्रमाणपत्र का मूल्यांकन केवल उन्हीं छात्रों के लिए किया जाएगा जो अंतिम परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त करते है। उन्हें अंतिम परीक्षण के समय मूल्यांकन हेतु सभी सुसंगत मूल प्रमाणपत्र और उनकी स्वयं-साक्ष्यांकित फोटो प्रति रखनी होगी।

8. मिथ्या/जाली प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने वाले किसी अभ्यर्थी को तीन वर्ष के लिए किसी कॉलेज में किसी कार्यक्रम में दाखिले से विवर्जित कर दिया जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी मिथ्या/जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर दाखिला प्राप्त कर लेता है तो केवल उसका दाखिला निरस्त ही नहीं कर दिया जाएगा बल्कि उसके विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट भी दर्ज कराई जाएगी।

9. दाखिले के लिए अपेक्षित दस्तावेज़:

(i) अंक पत्र (कक्षा XII); (ii) मूल अनंतिम प्रमाणपत्र (कक्षा XII); (iii) जन्म तिथि (कक्षा X); (iv) अंक पत्र (कक्षा X); (v) आधार कार्ड (प्रति); (vi) पते का प्रमाण (राशन कार्ड/बिजली/ टेलीफोन बिल/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस); (vii)

पहचान का प्रमाण (मतदाता पहचानपत्र); (viii) जाति/विकलांगता/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडब्ल्यूएस का प्रमाणपत्र (जहां कहीं आवश्यक हो); (ix) वचनपत्र, यदि लागू हो; (x) ईसीए/खेलकूद प्रमाणपत्र; (xi) पासपोर्ट आकार के नवीनतम 5 फोटोग्राफ; (xii) 2 फोटोग्राफ (जिस अंतिम संस्थान में पढ़े हैं, उसके प्रमुख द्वारा और खेलकूद श्रेणी के लिए जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित); (xiii) कॉलेज का फार्म [(क) छात्र और (ख) माता-पिता का रैगिंग प्रतिरोधी शपथपत्र, दाखिला, पुस्तकालय, पहचानपत्र, वचनपत्र]; (xiv) छात्र के नाम में एक निरस्तीकृत चेक की प्रति।

टिप्पणी: दाखिले के समय मूल दस्तावेज़ों के साथ-साथ सभी प्रमाणपत्रों की स्वयं साक्ष्यांकित फोटो प्रतियों के दो सेट आवश्यक हैं। किसी छात्र का दाखिले के लिए कोई दावा नहीं होगा, यदि वह अपेक्षित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने या अधिसूचित समय सारणी के अनुसार शुल्क जमा करने में विफल रहता/रहती है।

कृपया नोट करें, यदि किसी भी चरण में कोई मिथ्या साक्ष्यांकन/जाली बनाए गए रिकार्डों का पता चलता है तो संबंधित छात्र को अगले पांच वर्षों के लिए कॉलेज में किसी पाठ्यक्रम में भाग लेने से विवर्जित कर दिया जाएगा और इसके अलावा, कानून के अनुसार अपेक्षित आपराधिक मुकदमा चलाने के लिए अभ्यर्थी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं (अर्थात् धारा 470, 471, 474 आदि) के अंतर्गत एक आपराधिक मामला आरंभ किया जाएगा।

10. **अंतरण :** प्रथम वर्ष में किसी भी कारण से अन्य संस्थानों से किसी अंतरण पर विचार नहीं किया जाएगा।

11. **अंतराल अवधि दाखिला :** स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों में दाखिले के उद्देश्य के लिए अंतराल वर्ष संबंधी कोई रोक नहीं होगी। यह कॉलेज अंतराल वर्ष की नीति के संबंध में पूरी तरह विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों का पालन करेगा। संबंधित

छात्र द्वारा अंतराल अवधि का शपथपत्र (अनुबंध 5) प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

12. **छात्राओं के लिए कट ऑफ प्रतिशत में छूट :** यह कॉलेज ऐसे व्यावसायिक या जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है, को छोड़कर किसी पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त करने की इच्छुक बालिका अभ्यर्थियों को दाखिले के लिए घोषित कट ऑफ में **1 प्रतिशत** की छूट प्रदान करता है। यह व्ववस्था विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार परिवर्तन की शर्त के अधीन है।

13. **"सर्वोत्तम चार" विषयों के प्रतिशत के परिकलन की प्रक्रिया :** विश्वविद्यालय की वेबसाइट: (https://ug.du.ac.in) या दाखिला विवरणिका 2019-20 देखें।

14. **केंद्रीय दाखिला समिति 2019-20 :** (1) डॉ. नलिन कुमार, संचालक - 9891463008; (2) डॉ. नरेंद्र ठाकुर, सह-संचालक - 9013715891; (3) सभी प्रभारी अध्यापक, 2019-20; (4) सभी विशेष श्रेणी संचालक 2019-20

15. **दाखिला शिकायत समिति 2018-19 :** (1) सुरजीत कुमार, सदस्य- 8802063375; (2) डॉ. आर.पी. द्विवेदी, सह संचालक - 8588922995; (3) डॉ. रामाश्रय प्रसाद, सदस्य - 9868593193; (4) डॉ. पूनम मित्तल, संचालक - 9811077565; (5) डॉ. अवतार सिंह, सदस्य - 9868113092; (6) डॉ. ओम मिश्रा, सदस्य - 8800270471; (7) डॉ. एन. विक्टोरिया चानू, सदस्य - 9891979365; (8) डॉ. रविंद्र सिंह, सदस्य - 9999570108; (9) डॉ. सरला भारद्वाज, सदस्य - 9810428322

16. **विशेष श्रेणी दाखिला समिति 2019-20 :** (1) डॉ. धनंजय कुमार (अनूसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) - 9968456688; (2) डॉ. रविन्द्र सिंह (अन्य पिछड़ा वर्ग) - 9999570108; (3) डॉ. ओम मिश्रा (ईओसी) - 8800270471;

(4) डॉ. एन. विक्टोरिया चानू (पूर्वोततर/विदेशी छात्र) - 9891979365; (5) डॉ. सरला भारद्वाज, सदस्य (ईडब्ल्यूएस) - 9810428322

17. **खेलकूद दाखिला समिति 2019-20 :** डॉ. के.के. शर्मा, संचालक - 9718964963

18. **ईसीए दाखिला समिति 2019-20 :** डॉ. तुलिका सनाध्य, संचालक - 9891013364; डॉ. के.एम. बंसल, सह-संचालक - 9810117278

19. **परिणाम/ दस्तावेज़ सत्यापन समिति 2019-20 :** (1) डॉ. रामाश्रय प्रसाद, संचालक - 9868593193 (2) डॉ. मोहनिश कुमार (सह-संचालक) - 9980848213; (3) डा. कुसुम नेहरा - 9868884998; (4) डॉ. रविन्द्र सिंह - 9999570108; (5) डॉ. दीपाली जैन - 9811949193; (6) डॉ. अरविंद यादव- 9810714856; डॉ. सरला भारद्वाज, सदस्य - 9810428322

20. **आंकड़ा प्रविष्टि :** (1) श्री पुरुषोत्तम, संचालक - 9910056690; (2) डॉ. एन.पी. मीणा, सह-संचालक - 9868651634

21. **विशेष सहायता डेस्क अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (दाखिला) :** (1) डॉ. अवतार सिंह, संचालक - 9650733567; (2) डॉ. राजबीर वत्स, सह-संचालक - 9968141409; (3) डॉ. बिजेंद्र कुमार - 9312403164; (4) डॉ. धनंजय कुमार - 9968456688; (5) डॉ. सरला भारद्वाज, सदस्य - 9810428322

22. **दाखिला सहायता डेस्क :** (1) डॉ. राजबीर वत्स, संचालक - 9968141409; (2) डॉ. रविन्द्र सिंह, सह-संचालक - 9999570108; (3) डॉ. निशि शर्मा, सह-संचालक - 9891377550; (4) डॉ. अरविंद यादव - 9810714856; (5) डॉ. रिचा चौधरी - 9868819799; (6) सुश्री कनिका - 9873645895

IV. विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस)

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2015-16 से स्नातक-पूर्व स्तर पर विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) आरंभ की है। यह सीबीसीएस छात्रों को यह अवसर प्रदान करती है कि वे विनिर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चुन सकें, जिनमें मुख्य, ऐच्छिक और कौशल आधारित पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जाएगा। किसी स्नातक-पूर्व डिग्री के लिए नामांकित प्रत्येक छात्र को मुख्य, ऐच्छिक (विधा विशिष्ट ऐच्छिक, जेनरिक ऐच्छिक, शोध-निबंध) योग्यता वर्धन और कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों जैसे पाठ्यक्रमों में अध्ययन करना होगा।

1. **मुख्य पाठ्यक्रम :** यह एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है और इसका अध्ययन प्रत्येक अभ्यर्थी को करना चाहिए, जिसमें किसी विशेष कार्यक्रम में दाखिला लिया है।

2. **ऐच्छिक पाठ्यक्रम** : यह पाठ्यक्रम कुछ अन्य विधा/विषय/अध्ययन क्षेत्र में अनुभव प्राप्त करने के लिए छात्र को समर्थ बनाकर एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है जिससे अभ्यर्थी की दक्षता और कौशल पोषित होता है। छात्र को इस बात की अनुमति है कि वह पाठ्यक्रमों के पूल में से एक पाठ्यक्रम चुन सके।

   (क) यदि यह ऐच्छिक पाठ्यक्रम अध्ययन की मुख्य विधा/अध्ययन के विषय द्वारा प्रस्तावित किया जाता है (जिसका स्वरूप अंतर-विधायी हो सकता है) तो इसे **विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)** पाठ्यक्रम कहा जाएगा।

   (ख) यदि यह किसी असंबद्ध विधा से है तो इसे **जेनरिक ऐच्छिक (जीई) या अंतर-विधायी ऐच्छिक पाठ्यक्रम** कहा जाता है।

(ग) **डिजर्टेशन/परियोजना**: विशेष/उन्नत ज्ञान प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया कोई ऐच्छिक पाठ्यक्रम जैसे अनुपूरक अध्ययन/किसी परियोजना कार्य का समर्थकारी अध्ययन और किसी अध्यापक/संकाय सदस्य द्वारा दी गई परामर्शी सहायता से कोई अभ्यर्थी अपनी ओर से ऐसे पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है तो इसे डिजर्टेशन/परियोजना कहा जाता है।

3. **योग्यता वर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) :** योग्यता वर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रमों (एईसीसी) का उद्देश्य ज्ञान वर्धन है, ऐसे पाठ्यक्रम अध्ययन के सभी कार्यक्रमों के लिए अनिवार्य हैं।

4. **कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) :** कौशल वर्धन पाठ्यक्रम एईसी पाठ्यक्रमों के प्रकार के ही हैं, परंतु इनका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, सक्षमताएं, कौशल प्रदान करना है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को मूल्य आधारित और/या कौशल आधारित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए तैयार किए गए पाठ्यक्रमों के पूल में से चुने जा सकते हैं।

कृपया नोट करें (1): सीबीसीएस प्रणाली समय-समय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संशोधन की शर्त के अधीन है और प्रत्येक कॉलेज की आवश्यकता के अनुसार है। यदि कोई छात्र सीबीसीएस के अंतर्गत भिन्न-भिन्न पाठ्यक्रमों में किसी समस्या या कठिनाई का सामना करता है तो वह अध्ययन के उसके कार्यक्रम के प्रभारी अध्यापक से संपर्क कर सकता/सकती है।

(2): प्रत्येक विभाग द्वारा प्रस्तावित जेनरिक ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची प्रत्येक सत्र के आरंभ में छात्रों के लिए नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी।

(3): किसी पृच्छा के मामले में छात्र **डॉ. सरला भारद्वाज**, सीबीसीएस समिति संचालक से संपर्क कर सकते हैं।

V. कॉलेज द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम

1. अध्ययन के व्यावसायिक पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान

श्री रवि शंकर रवि (शिक्षक प्रभारी)

यह पाठ्यक्रम हमारे कॉलेज में प्रदान किया जाता है और इसमें पढ़ने वाले छात्रों का उद्देश्य दिन-प्रतिदिन के जीवन में अनुप्रयुक्त मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के शैक्षिक और प्रयोगात्मक दृष्टिकोण को पोषित करना।

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान वास्तविक जीवन की स्थितियों में आने वाली समस्याओं पर काबू पाने के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का इस्तेमाल है। अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान के क्षेत्रों में से कुछ क्षेत्रों में नैदानिक मनोविज्ञान, परामर्शी मनोविज्ञान, विकासवादी मनोविज्ञान, औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान, विधिक मनोविज्ञान, तंत्रिका मनोविज्ञान, व्यावसायिक स्वास्थ्य मनोविज्ञान, फोरेंसिक मनोविज्ञान, इंजीनियरी मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेलकूद मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान शामिल हैं।

तीन वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार आबंटन

पेपेर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपेर (सेमेस्टर-2) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
अंग्रेजी/हिंदी भाषा	एईसीसी-1, अनिवार्य	पर्यावरणीय विज्ञान	एईसीसी-2, अनिवार्य

मनोविज्ञान का परिचय-1 (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी1, प्रमुख विधा	मनोविज्ञान का परिचय-2 (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी3, प्रमुख विधा
अनुसंधान पद्धति एवं मनोविज्ञान में आंकड़ा प्रोसेसिंग-1 (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)	सी2, प्रमुख विधा	अनुसंधान पद्धति एवं मनोविज्ञान में आंकड़ा प्रोसेसिंग-2 (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)	सी4, प्रमुख विधा
अन्य पाठ्यक्रमों/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों में से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी1, जेनरिक ऐच्छिक	अन्य पाठ्यक्रमों/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों में से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी2, जेनरिक ऐच्छिक
पेपर (सेमेस्टर-3) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-4) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान-1 (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी5, प्रमुख विधा	अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान-2 (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी8, प्रमुख विधा
जीवनकाल का विकास (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी6, प्रमुख विधा	स्वास्थ्य मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)	सी9, प्रमुख विधा
मनोविज्ञान में प्रणालियां (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)	सी7, प्रमुख विधा	परामर्शी मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी10, प्रमुख विधा
अन्य पाठ्यक्रमों/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों में से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी3, जेनरिक ऐच्छिक	अन्य पाठ्यक्रमों/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों में से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी4, जेनरिक ऐच्छिक
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक	एसईसी-I कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक	एसईसी-II, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम
पेपर (सेमेस्टर-5) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-6) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
मनोवैज्ञानिक विकृतियों	सी11, प्रमुख विधा	मनोवैज्ञानिक विकृतियों	सी13, प्रमुख विधा

की समझ-बूझ-I (सिद्धांत+ प्रयोगात्मक)		की समझ-बूझ-II (सिद्धांत+ प्रयोगात्मक)	
औद्योगिक/ संगठनात्मक मनोविज्ञान की नींव-II (सिद्धांत+ प्रयोगात्मक)	सी12, प्रमुख विधा	औद्योगिक/ संगठनात्मक मनोविज्ञान की नींव-II (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	सी14, प्रमुख विधा
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-I	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-III*
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-II	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-IV*
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (डीएससी) की सूची		**कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) की सूची**	
(कोई छात्र कोई चार पेपर चुनने के लिए स्वतंत्र होगा, सेमेस्टर-4 और 6 में से प्रत्येक में 2) 1. मनोविज्ञान की समझबूझ (सिद्धांत + प्रयोगात्मक) 2. युवा मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रयोगात्मक) 3. लिविंग इन मीडिया वर्ल्ड (सिद्धांत + प्रयोगात्मक) 4. कार्य पर मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रयोगात्मक) 5. परियोजना/ शोध निबंध 6. शांति का		निम्नलिखित में से कोई दो: क्रमश: एक प्रति सेमेस्टर 3 और 4 1. तनाव प्रबंधन (सिद्धांत + प्रयोगात्मक) 2. प्रभावी नेतृत्व (सिद्धांत + प्रयोगात्मक) 3. संसूचन सक्षमता (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)	

मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रयोगात्मक)			
* विधा ऐच्छिक पेपर (सेमेस्टर-6) में से एक के बदले परियोजना कार्य/ शोध-निबंध			
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।			

संकाय सदस्य:

1	डॉ. (श्रीमती) अनीता श्रीवास्तव	4	डॉ. इंदिवर मिश्रा
2	डॉ. नवीन कुमार (शिक्षक प्रभारी)	5	डॉ. (श्रीमती) मालिनी प्रिया
3	श्री रवि शंकर रवि		

बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र **डॉ. राकेश साहनी (शिक्षक प्रभारी)**

बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र का अंतर्निहित सिद्धांत व्यवसाय के वैश्वीकरण के बदलते परिदृश्य के साथ बने रहना और आधुनिक व्यवसाय के प्रति आर्थिक साधनों का अनुप्रयोग रहा है। यह कॉलेज छात्रों को व्यावसायिक साधनों और स्नातक स्तर पर भी प्रबंधन सिद्धांतों से लैस करने और अर्थशास्त्र, मात्रात्मक तकनीकों, वित्त, इकोनोमेट्रिक्स, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कंप्यूटर आदि की पर्याप्त जानकारी प्रदान करने का प्रयास करता है। यह कॉलेज छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेकर और अनुसंधान पेपर प्रस्तुत करके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच भी उपलब्ध कराता है। इस पाठ्यक्रम से स्नातक बनने के पश्चात छात्रों को प्राप्त रोज़गार के अवसरों में, कॉरपोरेट घरानों में प्रबंधन प्रशिक्षणार्थी, आंकड़ा विश्लेषक, वित्तीय बाज़ार विश्लेषक, प्रवेश स्तर पर प्रबंधन व्यवसायविद शामिल हैं। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को अर्थशास्त्र, प्रबंधन और वित्त में कुछ अध्ययन करने के लिए समर्थ बनाने की भी एक बड़ी गुंजाइश है।

पूरा कार्यक्रम तीन वर्षों में फैला एक एकीकृत 6 सेमेस्टर का मॉड्यूल है और इसमें दाखिला, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली सामूहिक दाखिला परीक्षा के जरिए केंद्रीयकृत है।

पाठ्यक्रम संरचना एवं सेमेस्टर-वार आबंटन

(पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार पाठ्यक्रम आबंटन जो जुलाई, 2019 से कार्यान्वित किया जाना है, संशोधनाधीन है और इसे विश्वविद्यालय प्राधिकारियों द्वारा पारित कर दिए जाने पर अलग से अधिसूचित किया जाएगा)

पेपर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेसमेस्टर-2) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
अंग्रेजी/हिंदी भाषा	एईसीसी-1, अनिवार्य	पर्यावरणीय विज्ञान	एईसीसी-2, अनिवार्य
सूक्ष्म अर्थशास्त्र और अनुप्रयुक्त-।	सी1, कोर विधा	सूक्ष्म अर्थशास्त्र और अनुप्रयुक्त-।।	सी3, प्रमुख विधा
प्रबंधकों के लिए लेखांकन प्रमुख विधा	सी2, प्रमुख विधा	व्यवसाय अर्थशास्त्र के लिए गणित	सी4, प्रमुख विधा
जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर्विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी1, जेनरिक ऐच्छिक	जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर्विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी2, जेनरिक ऐच्छिक
पेपर (सेमेस्टर-3) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेसमेस्टर-4) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
सूक्ष्म अर्थशास्त्र और अनुप्रयुक्त-।	सी5, प्रमुख विधा	सूक्ष्म अर्थशास्त्र और अनुप्रयुक्त-।।	सी8, प्रमुख विधा
व्यवसाय अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी	सी6, प्रमुख विधा	मौलिक इगनोमेट्रिक्स	सी9, प्रमुख विधा
कॉरपोरेट वित्त	सी7, प्रमुख विधा	विपणन प्रबंधन	सी10, प्रमुख विधा
जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर्विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी3, जेनरिक ऐच्छिक	जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर्विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी4, जेनरिक ऐच्छिक
कौशलवर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) सेट ए की सूची में से कोई एक	एसईसी-।, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशलवर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) सेट बी की सूची में से कोई एक	एसईसी-।।, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम

पेपर (सेमेस्टर-5) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपर (सेसमेस्टर-6) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
प्रबंधन के लिए मात्रात्मक तकनीकें	सी11, प्रमुख विधा	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	सी13, प्रमुख विधा
संगठन व्यवहार	सी12, प्रमुख विधा	व्यवसाय के कानूनी पहलू	सी14, प्रमुख विधा
समूह क विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-I	समूह ख* विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-III
समूह क विधि विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-II	समूह ख* विधि विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-IV

*समूह ख विधा ऐच्छिक पेपरों में से एक के बदले परियोजना कार्य/शोध निबंध

विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (डीएसई) की सूची

कोई छात्र कोई चार पेपर, समूह क और समूह ख में से प्रत्येक से दो-दो चुनने के लिए स्वतंत्र होगा।

समूह क

1. आर्थिक वृद्धि और विकास
2. औद्योगिक अर्थषास्त्र
3. निवेश और जोखिम प्रबंधन
4. व्यवसाय अर्थशास्त्र में अनुसंधान पद्धति

समूह ख

1. भारतीय अर्थव्यवस्था
2. पर्यावरणीय अर्थशास्त्र
3. भारतीय वित्तीय बाज़ार और सेवाएं
4. विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार

कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) की सूची

सेट क

1. उद्यमिता कौशल
2. आरंभिक अनुसंधान पद्धितयां

सेट ख

3. अनुप्रयुक्त इकोनोमेट्रिक्स
4. आंकड़ा आधार और सांख्यिकीय पैकेज

सामान्य ऐच्छिक पेपरों - अंतरविधा की सूची

जीई 1 - माइक्रो अर्थशास्त्र

जीई 2 - मेक्रो अर्थशास्त्र

जीई 3 - वित्त और इसके अनुप्रयोगों के मूलभूत सिद्धांत

जीई 4 - विपणन प्रबंधन का परिचय

टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों (जीई, डीएसई और एसईसी पेपरों के मामले में) में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।

व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग के क्रियाकलाप

- **संगोष्ठियां और कार्यशालाएं :** नियमित संगोष्ठियां और कार्यशालाएं विभाग का एक अभिन्न भाग है। यह विभाग समसामयिक मुद्दों और समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए उद्योग और शैक्षिक जगत के विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है।
- **औद्योगिक दौरे :** औद्योगिक वातावरण के वास्तविक कार्यचालन में छात्रों को अनुभव प्रदान करने की दृष्टि से यह विभाग स्थानीय और बाहर के स्थानों दोनों के औद्योगिक दौरे आयोजित करता है।
- **प्लेसमेंट और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण :** सेमेस्टर-IV के अंत में छात्रों को यह विकल्प प्राप्त है कि वे किसी व्यवसाय, वाणिज्यिक, आर्थिक या अनुसंधान संगठन में 6 से 8 सप्ताह की अवधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। इस विभाग में एक प्लेसमेंट दल है, जिसका कार्य प्लेसमेंट ब्रोशर तैयार करना और छात्रों को स्वीकार करने की इच्छुक कंपनियों की तलाश करना है।
- **छात्र परियोजनाओं के लिए अनुसंधान मार्गदर्शन :** छात्रों को अनुसंधान परियोजनाएं चलाने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अनुसंधान पेपर प्रस्तुत करने के लिए संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस विभाग के छात्रों ने अब तक सम्मेलनों में 50 से अधिक अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किए हैं, उनके क्रेडिट पर 35 प्रकाशन हैं और उन्होंने कॉलेज तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते हुए अनेक अनुसंधान पेपर अवार्ड जीते हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा

बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र कार्यक्रम में दाखिला, बीएमएस/बीबीए (एफआईए) और बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र पाठ्यक्रमों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम के लिए भारांश सभी श्रेणियों के लिए होगा: लिखित परीक्षा : 65 प्रतिशत

और 12वीं का परिणाम : 35 प्रतिशत। 12वीं कक्षा में चार विषयों में, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोस्पेक्टस में सारणी क से दो विषय और (क) गणित (ख) अंग्रेजी शामिल होने चाहिए।

बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत सूचना दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट: www.du.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

संकाय सदस्य

1.	डॉ. राकेश साहनी (शिक्षक प्रभारी)	3.	डॉ. ललित कुमार
2.	श्रीमती प्रतिभा वर्मा	4.	श्रीमती सुनीता चाकी (व्याख्याता)

बी.ए. (विशेष) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार **डॉ. विजेंद्र कुमार (शिक्षक प्रभारी, हिंदी विभाग)**

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में संचार माध्यमों का विशिष्ट महत्व है। निरंतर बढ़ रहे न्यूज़ चैनलों एवं समाचार पत्र-पत्रिकाओं तथा वेब पत्रकारिता के चलते इस क्षेत्र में रोज़गार की व्यापक संभावनाएं हैं। पत्रकारिता की स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात हमारे कई विद्यार्थी दूरदर्शन, लोक सभा टीवी, राज्य सभा टीवी, एबीपी न्यूज, इंडिया न्यूज, आकाशवाणी, बीबीसी एवं विविध एफएम चैनलों, नवभारत टाइम्स, दैनिक हिंदुस्तान, पंजाब केसरी, अमर उजाला, दैनिक जागरण और दैनिक भास्कर आदि में कार्यरत हैं।

तीन वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार आबंटन

पेपर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपर (सेमेस्टर-2) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
पर्यावरण विज्ञान	एईसीसी-1, अनिवार्य	हिंदी/अंग्रेजी भाषा	एईसीसी-2, अनिवार्य
जनसंचार माध्यम	(प्रमुख विधा-1)	जनसंचार माध्यमों की भाषा	(प्रमुख विधा-3)
हिंदी पत्रकारिता का	(प्रमुख विधा-2)	समाचार की अवधारणा	(प्रमुख विधा-4)

इतिहास		और रिपोर्टिंग	
(क) संस्कृति, साहित्य और मीडिया अथवा (ख) फोटो पत्रकारिता	(जेनरिक ऐच्छिक, कोई एक)	(क) फिल्म अध्ययन अथवा (ख) सोशल मीडिया	(जेनरिक ऐच्छिक, एक)
(सेमेस्टर-3) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-4) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
मध्यस्थता और आचार संहिता	(प्रमुख विधा-5)	न्यू मीडिया	(प्रमुख विधा-8)
संपादन	(प्रमुख विधा-6)	टेलीविज़न	(प्रमुख विधा-9)
रेडियो	(प्रमुख विधा-7)	विकास पत्रकारिता	(प्रमुख विधा-10)
(क) राजनीति, विचारधारा और हिंदी मीडिया अथवा (ख) मीडिया प्रोडक्शन	(जेनरिक ऐच्छिक, कोई एक)	(क) पटकथा लेखन अथवा (ख) संचार क्रांति, वैश्विक परिदृश्य और हिंदी मीडिया	(जेनरिक ऐच्छिक, एक)
(क) मुद्रित माध्यमों की पृष्ठसज्जा अथवा (ख) रेडियो कार्यक्रम और निर्माण	(कौशल वर्धन पाठ्यक्रम, कोई एक)	(क) डाक्यूमेंटरी निर्माण अथवा (ख) टेलीविजन कार्यक्रम: निर्माण की प्रक्रिया	(कौशल वर्धन पाठ्यक्रम, कोई एक)
पेपर (सेमेस्टर-5) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-6) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
मीडिया शोध	(प्रमुख विधा-11)	विज्ञापन और जनसंपर्क	(प्रमुख विधा-13)
मीडिया लेखन और समाचारपत्र निर्माण	(प्रमुख विधा-12)	परियोजना कार्य	(प्रमुख विधा-14)
हाशिये का समाज, अस्मिता विमार्श और हिंदी मीडिया	(विधा विशिष्ट ऐच्छिक-1)	मीडिया प्रबंधन	(विधा विशिष्ट ऐच्छिक-3)
जनमाध्यमों की सैद्धांतिकी	(विधा विशिष्ट ऐच्छिक-2)	हिंदी पत्रकारिता के आयाम	(विधा विशिष्ट ऐच्छिक-4)
• एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : आधुनिक भारतीय भाषा - संचार/अंग्रेजी • एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : पर्यावरण विज्ञान • कुल प्रश्नपत्र - 26			

टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके।

संकाय सदस्य :

1.	डॉ. एम.एस. वत्स	8.	डॉ. (श्रीमती) शशि रानी
2.	डॉ. (सुश्री) ममता वालिया	9.	डॉ. आर.पी. द्विवेदी (शिक्षक प्रभारी)
3.	डॉ. श्रीमती चित्रा रानी	10.	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह
4.	श्रीमती रजनी	11.	डॉ. (श्रीमती) कुसुम नेहरा
5.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	12.	डॉ. ओम मिश्रा
6.	डॉ. नीरव अदलजा	13.	डॉ. धनंजय कुमार
7.	डॉ. बिजेंद्र कुमार	14.	डॉ. राजबीर वत्स

बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य : डॉ. वी.पी. सिंह (शिक्षक प्रभारी)

सामाजिक कार्य 1995 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ किया गया एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है, हमारा कॉलेज इस पाठ्यक्रम को आरंभ करने वाला पहला कॉलेज है। सामाजिक कार्य की शिक्षा में क्लासरूम अध्यापन और फील्ड कार्य प्रैक्टिकम शामिल है। क्लासरूम अध्यापन छात्रों को सामाजिक कार्य में हस्तक्षेप के लिए अपेक्षित कौशल तथा सिद्धांतों से अवगत कराने और जनतांत्रिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने के जरिए छात्रों के व्यक्तित्व विकास के प्रति निर्देशित है। फील्ड कार्य प्रैक्टिकम में संगठनात्मक और सामुदायिक आधारित पद्धति शामिल है, जिसके द्वारा छात्र कल्याण, विकास और सशक्तीकरण उन्मुखी कार्यक्रमों के साथ कार्य करना सीखते हैं। यह पाठ्यक्रम युवा छात्रों को उभरते सामाजिक सरोकारों, असुरक्षित समूहों के मुद्दों, समुचित कार्यक्रम प्लानिंग तथा इसके कार्यान्वयन की गहन समझबूझ प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के पश्चात सामाजिक कार्य के छात्रों के पास स्कूलों, अस्पतालों, कॉरपोरेट, कानूनी प्रणाली जैसे पारिवारिक न्यायालयों, महिलाओं के विरुद्ध अपराध सेल जैसी विभिन्न व्यवस्थाओं में सरकारी और गैर-सरकारी सेक्टरों में रोज़गार के अवसर होंगे। छात्र, परिवार एवं बाल कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, युवा कल्याण, ग्रामीण और शहरी विकास, पर्यावरण एवं अनुसंधान में अपना कॅरियर चुन सकते हैं। यह उन छात्रों के लिए एक आदर्श पाठ्यक्रम है जो मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय की उनकी आवश्यकता का प्रत्युत्तर देते हुए समाज के सीमांतक वर्गों के जीवन में सुधार करने और विकास प्रक्रिया का एक भाग बनने की चुनौती स्वीकार करने के इच्छुक हैं।

दाखिला प्रक्रिया : इस पाठ्यक्रम में दाखिला दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार कॉलेज की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित कट ऑफ के जरिए मेरिट आधार पर किया जाएगा।

पाठ्यक्रम की अवधि : 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) (सीबीसीएस कार्यक्रम)

पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार पेपर आबंटन

पेपर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपर (सेमेस्टर-2) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
अंग्रेजी/हिंदी भाषा	एईसीसी-1, अनिवार्य	पर्यावरणीय विज्ञान	एईसीसी-2, अनिवार्य
एसडब्ल्यू 101, सामाजिक कार्य के मूलभूत सिद्धांत	सी-1, प्रमुख विधा	एसडब्ल्यू 201, समसामयिक सामाजिक सरोकार	सी-3, प्रमुख विधा
एसडब्ल्यू 101, सामाजिक कार्य के लिए समाज का परिचय	सी-2, प्रमुखा विधा	एसडब्ल्यू 102, सामाजिक कार्य के मनोविज्ञान की समझबूझ	सी-4, प्रमुख विधा
जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-1, जेनरिक ऐच्छिक	जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-2, जेनरिक ऐच्छिक

फील्ड कार्य	एफडब्ल्यू 1	फील्ड कार्य	एफडब्ल्यू 2
पेपर (सेमेस्टर-3) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-4) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
एसडब्ल्यू 301 व्यक्तियों के साथ कार्य करना	सी-5, प्रमुख विधा	एसडब्ल्यू 401 समुदायों के साथ कार्य करना	सी-8, प्रमुख विधा
एसडब्ल्यू 302 समूहों के साथ कार्य करना	सी-6, प्रमुख विधा	एसडब्ल्यू 402 सामाजिक कार्य का सामाजिक मनोविज्ञान	सी-9, प्रमुख विधा
एसडब्ल्यू 303 विशेष विपथन और सामाजिक समस्याएं	सी-7, प्रमुख विधा	एसडब्ल्यू 403 सामाजिक कार्य की पद्धति के क्षेत्र	सी-10, प्रमुख विधा
जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-3, जेनरिक ऐच्छिक	जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-4, जेनरिक ऐच्छिक
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक (क) विकास के लिए संसूचन (ख) सामाजिक कार्य में कार्यक्रम मीडिया	एसईसी-I, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक (क) कार्यक्रम मीडिया का अनुप्रयोग (ख) फील्ड कार्य पद्धति का कौशल और तकनीक	एसईसी-II, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम
फील्ड कार्य	एफडब्ल्यू-3	फील्ड कार्य	एफडब्ल्यू-4
पेपर (सेमेस्टर-5) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-6) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
एसडब्ल्यू 501 सामाजिक नीति और विकास	सी-11, प्रमुख विधा	एसडब्ल्यू 601 सामाजिक कल्याण प्रशासन	सी-13, प्रमुख विधा
एसडब्ल्यू 502 सामाजिक कार्य और अभियान	सी-12, प्रमुख विधा	एसडब्ल्यू 602 सामाजिक कार्य में अनुसंधान	सी-14, प्रमुख विधा

विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-I	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-III*
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-II	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-IV*
फील्ड कार्य	एफडब्ल्यू 5	फील्ड कार्य	एफडब्ल्यू 6
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (डीएसई) की सूची : कोई छात्र कोई चार पेपर चुनने के लिए स्वतंत्र होगा: 1. सामाजिक विधान और मानव अधिकार 2. स्वास्थ्य और सामाजिक कार्य 3. आपदा में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप 4. सामाजिक सरोकारों के प्रति सामाजिक कार्य प्रत्युत्तर 5. भिन्न-भिन्न स्थापनाओं में सामाजिक कार्य पद्धति 6. गैर-सरकारी संगठन प्रबंधन 7. सामाजिक कार्य पद्धति में परामर्श कौशल		**कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) की सूची:** (क) विकास के लिए संसूचन (ख) सामाजिक कार्य में कार्यक्रम मीरडिया (ग) कार्यक्रम मीडिया का अनुप्रयोग (घ) फील्ड कार्य पद्धति का कौशल और तकनीक	
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके।			

फील्ड कार्य प्रैक्टिकम के संघटक :

क. अभिमुखीकरण कार्यक्रम : सम्वर्ती फील्ड कार्य आरंभ करने से पहले सेमेस्टर-1, सेमेस्टर-3 और सेमेस्टर-5 के पाठ्यक्रम के प्रारंभ में तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कल्याण एजेंसियों/ समुदायों में अभिमुखीकरण दौरे, अभिमुखीकरण कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग होगा।

ख. अभिमुखीकरण दौरे : छात्रों को सामाजिक समस्याओं के प्रति सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहलों के बारे में जानने की दृष्टि से

विभिन्न एजेंसियों/ सामुदायिक स्थापनाओं के कार्यचालन का अवलोकन करने और उनके दौरे करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

ग. **सम्वर्ती फील्ड कार्य :** सम्वर्ती फील्ड, कार्य सभी तीन वर्षों के सभी सेमेस्टरों (सम और विषम दोनों में) के आरंभ से ही सिद्धांत के पेपरों के क्लासरूम अध्यापन के साथ-साथ किया जाना आवश्यक होगा और परीक्षाओं के आरंभ होने से पहले तैयारी की छुट्टी तक जारी रहेगा। सम्वर्ती फील्ड कार्य करने के लिए छात्रों को एक सप्ताह में दो दिन आबंटित किए जाएंगे। प्रत्येक छात्र के लिए न्यूनतम 15 घंटे (रिपोर्ट लेखन सहित) प्रति सप्ताह सम्वर्ती कार्य किया जाना आवश्यक होगा।

घ. **ग्रामीण शिविर :** सामाजिक-आर्थिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक स्थितियों तथा ग्रामीण जीवन की समस्याओं के बारे में छात्रों को अनुभव प्रदान करने के लिए तीसरे वर्ष के सेमेस्टर-5/6 (वरीयत: सेमेस्टर-5 के छात्रों को) के छात्रों के लिए पांच दिवसीय ग्रामीण शिविर आयोजित किया जाएगा।

ङ. **ब्लॉक फील्ड कार्य :** तीसरे वर्ष के सेमेस्टर-6 के अंत में छात्रों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे दिल्ली में या दिल्ली से बाहर किसी सामाजिक कल्याण एजेंसी में चार सप्ताह का ब्लॉक फील्ड कार्य प्रशिक्षण प्राप्त करें। इसे नियोजन-पूर्व अनुभव के रूप में अधिक माना जाता है। बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य डिग्री प्रदान किए जाने के लिए ब्लॉक फील्ड कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है।

च. **कौशल विकास कार्यशालाएं :** कौशल विकास कार्यशाला एक ऐसा मंच है, जिसमें मूल्यों, सिद्धांतों, पद्धतियों, तकनीकों, साधनों आदि को व्यावहारिक कौशलों में रूपांतरित किया जाता है अर्थात् 'कार्य करते हुए सीखना'।

टिप्पणी : सम्वर्ती फील्ड कार्य में 80% (अस्सी प्रतिशत) उपस्थिति और सिद्धांत की कक्षाओं में 75% (पचहत्तर प्रतिशत) उपस्थिति अनिवार्य है। यदि उस सेमेस्टर, जिसमें वह पढ़ रहा/रही है, के अंत तक किसी छात्र द्वारा फील्ड कार्य और उसके

संघटकों के अपेक्षित घंटे पूरे नहीं किए जाते हैं, तो कॉलेज पर्यवेक्षक/ अनुदेशक द्वारा छात्र के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन 'अनुत्तीर्ण' अनुशंसा के साथ किया जाएगा। फील्ड कार्य मूल्यांकन में 'अनुत्तीण' अनुशंसा प्राप्त करने के पश्चात छात्र को सिद्धांत और फील्ड कार्य दोनों में 'अनुत्तीर्ण हो गया' माना जाएगा।

संकाय सदस्य :

1.	डॉ. वी.पी. सिंह (शिक्षक प्रभारी)	5.	डॉ. अतुल प्रताप सिंह
2.	डॉ. अवतार सिंह	6.	डॉ. तुष्टि भारद्वाज
3.	डॉ. (श्रीमती) रिचा चौधरी	7.	डॉ. बिष्णु मोहदाश
4.	डॉ. संगीता शर्मा धाओर	8.	डॉ. रविन्द्र सिंह

2. अध्ययन के अन्य पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी **डॉ. बिजेंद्र कुमार (शिक्षक प्रभारी, हिंदी विभाग)**

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम सत्र 2017-18 में महाविद्यालय में प्रारंभ हुआ। हिंदी साहित्य और रचनात्मक लेखन (रेडियो, टेलीविजन, पत्र-पत्रिका, न्यू मीडिया एवं सिनेमा आदि) में अभिरुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम एक अवसर प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम हिंदी में शोध एवं अध्ययन का एक सोपान है।

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा:

पेपर (सेमेस्टर-1)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-2)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
	एईसीसी-1, अनिवार्य		एईसीसी-2, अनिवार्य
हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास	सी-1, प्रमुखा विधा	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि काल और मध्य काल)	सी-3, प्रमुख विधा
हिंदी कविता (आदि काल एवं भक्तिकालीन काव्य)	सी-2, प्रमुख विधा	हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)	सी-4, प्रमुख विधा
लोकप्रिय साहित्य अथवा हिंदी सिनेमा	जी-1, जेनरिक ऐच्छिक	रचनात्मक लेखन अथवा पटकथा तथा	जी-2, जेनरिक ऐच्छिक

और उसका अध्ययन		संवाद लेखन	
पेपर (सेमेस्टर-3)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-4)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	सी-5, प्रमुख विधा	भारतीय काव्य शास्त्र	सी-8, प्रमुख विधा
हिंदी कविता (आधुनिक काल छाया वाद तक्)	सी-6, प्रमुख विधा	हिंदी कविता (छायावाद के बाद)	सी-8, प्रमुख विधा
हिंदी कहानी	सी-7, प्रमुख विधा	हिंदी उपन्यास	सी-10, प्रमुख विधा
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद अथवा भाषा और समाज	जी-3, जेनरिक ऐच्छिक	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य अथवा भाषा शिक्षण	जी-4, जेनरिक ऐच्छिक
पेपर (सेमेस्टर-5)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-6)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
पाश्चात्य काव्य शास्त्र	सी-11, प्रमुख विधा	हिंदी आलोचना	सी-13, प्रमुख विधा
हिंदी नाटक/ एकांकी	सी-12, प्रमुख विधा	हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएं	सी-14, प्रमुख विधा
हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परम्परा अथवा अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य अथवा भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत	एचडीएसईसी	लोक नाट्य अथवा हिंदी की भाषिक विविधताएं अथवा भारतीय साहित्य पाठ-परक अध्ययन	एचडीएसईसी
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण अथवा कोश विज्ञान : शब्द कोश और विश्व कोश अथवा भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा	एचडीएसईसी	शोध प्रविधि अथवा अवधारणात्मक साहित्यिक पद अथवा रंगमंच	एचडीएसईसी
हिंदी कौशल-संवर्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम कोई 2 : क और ख वर्ग में से एक - एक का चयन			
सेमेस्टर-3 (क) 1. विज्ञान और हिंदी भाषा		सेमेस्टर 4 (ख) 1. कार्यालयीय हिंदी	

2. कंप्यूटर और हिंदी भाषा 3. सोशल मीडिया 4. अनुवाद कौशल	2. भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण 3. भाषा और समाज
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके।	

संकाय सदस्य : कृपया बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी देखें।

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल **डॉ. मोहम्मद रियाजुद्दीन खान (शिक्षक प्रभार)**

एक विषय के रूप में भूगोल को खगोल और समय पर मानव क्रियाकलाप और संसाधन वितरण में पैटर्न, पृथ्वी के धरातल के परिवर्तनीय स्वरूप की समझबूझ माना जाता है। भूगोल में मानचित्रकला, पृथ्वी सतह की विशेषता के व्यवस्थित निरूपण, दूरस्थ संवेदीकरण और भू-गर्भीय सूचना प्रणाली (जीआईएस), जिसमें मानचित्रण, परियोजना प्लानिंग, निर्णय लेने और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मानव एवं पर्यावरणीय मुद्दों तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में पर्याप्त अवसरों की गुंजाइश उपलब्ध कराता है, का अध्ययन किया जाता है। इन मुद्दों का अध्ययन छात्रों को स्थायी भविष्य के लिए कारणों, समस्याओं और संभावित समाधान की समझबूझ प्रदान करता है। इस विषय का गहन ज्ञान छात्रों को हॉलिस्टिक रूप में विचार करने में समर्थ बनाता है और महासागर-विज्ञान, दूरस्थ संवेदीकरण, मानचित्रण और सर्वेक्षणों, मौसम-विज्ञान, शहरी अध्ययनों, क्षेत्रीय आयोजना जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कॅरियर विकल्पों में विस्तार करता है। फील्ड कार्य और अनुसंधान पद्धति पर प्रयोगात्मक पेपर को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए भूगोल विभाग द्वारा एक अनिवार्य फील्ड दौरा आयोजित किया जाता है। यह फील्ड दौरा भूगोल में एक अभिन्न संघटक है। यह भौतिकी, सामाजिक-सांस्कृतिक और किसी स्थान पर चल रही आर्थिक प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष और गहन समझबूझ प्रदान करता है। भूगोल विभाग जियो क्विज, निबंध लेखन, पोस्टर बनाने, वाद-विवाद,

मानचित्र क्वाइंटिंग, स्किट आदि जैसे अनेक क्रियाकलाप आयोजित करके इस विषय की समझबूझ और जागरूकता प्रदर्शित करने हेतु छात्रों के लिए एक अंतर-कॉलेज भूगोल-फेस्ट 'भू-चेतना' भी आयोजित करता है। हर वर्ष वाद-विवाद वाले सर्वोत्तम दल को एक अंतर-कॉलेज ट्रॉफी 'आर्यभट्ट' प्रदान की जाती है। यह विभाग भूगोल के संबंधित क्षेत्रों में विशिष्ट विद्वानों द्वारा व्याख्यान और वार्ता भी आयोजित करता है।

इसके अलावा, छात्रों को कार्यक्षेत्र में तकनीकी समझबूझ और अनुभव प्रदान करने के लिए दूरस्थ संवेदीकरण और जीआईएस कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। इस विभाग ने सत्र 2018-19 के दौरान एक ऐलुमनाई क्लब भी बनाया है। भूगोल विभाग को अप्रैल, 2019 में आईआईआरएस आउटरीच नेटवर्क के नेटवर्क संस्थान के रूप में भी स्वीकार किया गया है। हमारे कॉलेज के छात्रों को दूरस्थ संवेदीकरण, जीआईएस और जीएनएसएस प्रौद्योगिकियों तथा उनके अनुप्रयोगों के क्षेत्र में आईआईआरएस का उत्प्रेरक ज्ञानार्जन अनुभव प्राप्त होगा।

भूगोल के अध्ययन में आयाम और दायरा

- **मानचित्रकला** : यह पृथ्वी के धरातल की विशेषताओं का एक व्यवस्थित प्रस्तुतीकरण है। छात्र प्राकृतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों को प्रदर्शित करते हुए मानचित्र बनाने की कला और विज्ञान सीखते हैं।
- **दूरस्थ संवेदीकरण और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)** : प्रौद्योगिकी में हुई वृद्धि ने आंकड़ा अधिग्रहण और विश्लेषण में भूगोलवेत्ताओं के कार्य में अत्यधिक सहायता पहुंचाई है। दूरस्थ संवेदीकरण और जीआईएस का अध्ययन, मानचित्रण, परियोजना प्लानिंग, निर्णय लेने और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अत्यधिक अवसरों की गुंजाइश उपलब्ध कराता है।
- **मानव और पर्यावरण :** मानव विकास के कारण पर्यावरण में निरंतर परिवर्तन हो रहा है। इनमें से अनेक परिवर्तन मानव तथा पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक हैं। इनमें से कुछ हैं: वैश्विक तापन, प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधन का

अवशेषण, अपशिष्ट निपटान, जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता की क्षति और खाद्य असुरक्षा। इन मुद्दों का अध्ययन छात्रों को एक स्थायी भविष्य के लिए कारणों, समस्याओं और संभावित समाधान की समझ प्रदान करता है।

- **आपदा प्रबंधन :** प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं का अध्ययन, विभिन्न खतरों और तैयारी की पद्धतियों, प्रत्युत्तर तथा प्रतिप्राप्त के बारे में सीखने में छात्रों को समर्थ बनाता है। छात्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय संकट और आपातकालिक उपायों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। यह उन्हें राहत एजेंसियों, आपदा प्रबंधन संस्थानों, आपातकालीन उपाय दलों, भारतीय मौसमविज्ञान विभाग, अग्निशमन विभाग आदि के साथ कार्य करने का अवसर प्रदान करता है।
- **क्षेत्रीय दौरे :** फील्ड दौरा किसी स्थान पर चल रही भौतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष और गहन समझ बूझ प्रदान करता है। छात्र केवल प्रश्नावली या साक्षात्कार अनुसूची जैसे साधनों का इस्तेमाल करके प्राथमिक सर्वेक्षण करने की तकनीक ही नहीं सीखते हैं बल्कि ज्ञान उत्पन्न करना भी सीखते हैं। किसी अनिवार्य फील्ड दौरे का आयोजन फील्ड कार्य और अनुसंधान पद्धति पर प्रयोगात्मक पेपर के आंशिक रूप से पूरा किए जाने के लिए सेमेस्टर-4 के छात्रों के लिए भूगोल विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है।
- **छात्र क्रियाकलाप :** भूगोल पहेली, वाद-विवाद, निबंध-लेखन, पेंटिंग आदि जैसे अनेक क्रियाकलाप आयोजित करके इस विषय की समझबूझ और जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभाग द्वारा एक अंतर-कॉलेज भूगोल-फेस्ट 'भू-चेतना' (भूगोल जागरूकता) आयोजित किया जाता है। हर वर्ष सर्वोत्तम वाद-विवाद करने वाले दल को एक अंतर-कॉलेज ट्रॉफी 'आर्यभट्ट' प्रदान की जाती है।

तीन वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार आबंटन

पेपर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपर (सेमेस्टर-2) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
पर्यावरणीय विज्ञान	एईसीसी-1, अनिवार्य	अंग्रेजी/हिंदी भाषा	एईसीसी-2, अनिवार्य
भू-आकृति-विज्ञान	सी-1, प्रमुख विधा	मानव भूगोल	सी-3, प्रमुख विधा
मानचित्रकला की तकनीकें	सी-2, प्रमुख विधा	विषयक मानचित्रकला (प्रयोगात्मक)	सी-4, प्रमुख विधा
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी-1, जेनरिक एच्डि(क	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी-2, जेनरिक एच्डि(क
पेपर (सेमेस्टर-।।।) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-IV) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
जलवायु विज्ञान	सी-5, प्रमुख विधा	आर्थिक भूगोल	सी-8, प्रमुख विधा
भूगोल में सांख्यिकीय पद्धतियां	सी-6, प्रमुख विधा	पर्यावरणीय भूगोल	सी-9, प्रमुख विधा
भारत में भूगोल	सी-7, प्रमुख विधा	फील्ड कार्य और अनुसंधान पद्धतियां (प्रयोगात्मक)	सी-10, प्रमुख विधा
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी-3, जेनरिक ऐच्छिक	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल/ अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जी-4, जेनरिक ऐच्छिक
कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) की सूची में से कोई एक (क) दूरस्थ संवेदीकरण	एसईसी-।, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) की सूची में से कोई एक (ग) भौगोलिक सूचना	एसईसी-।।, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम

(प्रयोगात्मक) **(ख)** उन्नत आकाशीय तकनीकें		प्रणाली (प्रयोगात्मक) **(घ)** अनुसंधान पद्धतियां (प्रयोगात्मक)	
पेपर (सेमेस्टर-V) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-VI) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
क्षेत्रीय प्लानिंग और विकास	सी-11, प्रमुख विधा	भौगोलिक विचारों की उत्पत्ति	सी-13, प्रमुख विधा
दूरस्थ संवेदीकरण और जीआईएस (प्रयोगात्मक)	जी-12, प्रमुख विधा	परियोजना कार्य पर आधारित आपदा प्रबंधन (प्रयोगात्मक)	सी-14, प्रमुख विधा
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-I	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में से कोई एक	डीएसई, ऐच्छिक-III*
विधाओं में से कोई एक **(क)** जनसंख्या भूगोल **(ख)** संसाधन भूगोल	डीएसई, ऐच्छिक-I	विधाओं में कोई एक **(क)** स्वास्थ्य एवं कल्याण का भूगोल **(ख)** राजनीतिक भूगोल	
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक **(क)** शहरी भूगोल **(ख)** कृषीय भूगोल	डीएसई, ऐच्छिक-II	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक **(क)** जल विज्ञान और समुद्र-विज्ञान **(ख)** सामाजिक भूगोल	डीएसई, ऐच्छिक-IV*

* **विधा ऐच्छिक पेपर (सेमेस्टर-6) में से एक के बदले परियोजना कार्य/शोध-निबंध**

टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।

संकाय सदस्य :

1.	डॉ. रामाश्रय प्रसाद	5.	डॉ. मोनिका एहलावत
2.	डॉ. आर.एन. दूबे	6.	डॉ. (श्रीमती) तुलिका शनाध्य
3.	डॉ. जितेंद्र सरोहा	7.	डॉ. रियाजुद्दीन खान (शिक्षक प्रभारी)

4.	डॉ. एन.एस. कादियान	8.	श्रीमती कणिका

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र **डॉ. नरेंद्र ठाकुर (शिक्षक प्रभारी)**

स्नातक डिग्री में पढ़ने वाले छात्रों के लिए अर्थशास्त्र, पाठ्यक्रम की एक अत्यंत पसंद रही है और बनी हुई है। अर्थशास्त्र इस बात का अध्ययन है कि सोसाइटियों, सरकारों, व्यवसाय घरानों, परिवारों और व्यक्तियों द्वारा स्थायी मानव विकास के परिदृश्य में असीमित आवश्यकताएं पूरी करने के लिए आर्थिक क्रियाकलापों की व्यवस्था उनके सीमित संसाधन आबंटित करके कैसे की जा सकती है। अर्थशास्त्री केंद्रीय बैंक के लिए नीतियां निर्धारित करके और वित्तीय तथा कल्याण के मोर्चे पर आर्थिक मुद्दों पर सरकार को सलाह देने के लिए जाने जाते हैं। यह विषय एक ऐसा साधन भी प्रदान करता है जिसके साथ किसी विशेष वित्तीय निवेश के अवसर की वांछनीयता, वैकल्पिक पसंदों के लाभों और लागतों तथा लोक नीतियों के संभावित प्रभावों के बारे में प्रश्नों को हल किया जाता है।

इकोनोमीट्रिक्स का अनुपूरक अध्ययन, इस विधा में इस्तेमाल की जाने वाली प्राथमिक मात्रात्मक पद्धति छात्रों को इस बात में समर्थ बनाती है कि वे सांख्यिकी के जरिए परिवर्तन में असमर्थ निष्क्रिय प्राप्तकर्ताओं की बजाय अनेक पब्लिक और प्राइवेट मुद्दों के बारे में सांख्यिकीय आधारित तर्कों का महत्वपूर्ण उपभोक्ता बन जाएं। इस प्रकार की जानकारी उन्हें इस बात में समर्थ बनाती है कि वे यह पूछ सकें कि क्या किसी विशेष नीति की वांछनीयता पर साक्ष्य, अर्थव्यवस्था के संभावित भावी मार्ग के बारे में दावे या अन्य मुद्दे वास्तव में बाध्य करने वाले हैं या क्या यह केवल देखने में अच्छा लगता है, परंतु निकट से निरीक्षण करने पर भिन्न प्रतीत होता है।

इस विधा में छात्र नीति और बाज़ार की स्थितियों में परिवर्तन के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए व्यवहार के अवधारणात्मक और परिधीय मॉडल सीखते हैं तथा

यह सीखते हैं कि इन परिवर्तनों की जांच-पड़ताल करने के लिए सांख्यिकी तथा गणितीय विश्लेषण का इस्तेमाल कैसे किया जाए।

बी.ए. (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र) के लिए पाठ्यक्रम संरचना

पेपर (सेमेस्टर-I) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-II) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
अंग्रेजी/ हिंदी भाषा	योग्यता वर्धन अनिवार्य, पाठ्यक्रम (एईसीसी-I)	पर्यावरणीय विज्ञान	योग्यता वर्धन अनिवार्य, पाठ्यक्रम (एईसीसी-II)
प्रारंभिक सूक्ष्म अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र, प्रमुख पाठ्यक्रम 1	प्रारंभिक मैक्रो अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 3
अर्थशास्त्र-1 के लिए गणितीय पद्धतियां	अर्थशास्त्र, प्रमुख पाठ्यक्रम 2	अर्थशास्त्र-II के लिए गणितीय पद्धतियां	अर्थशास्त्र, प्रमुख पाठ्यक्रम 4
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा, अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जेनरिक ऐच्छिक 1	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा, अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	जेनरिक ऐच्छिक 2
पेपर (सेमेस्टर-III) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-IV) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
माध्यमिक माइक्रो अर्थशास्त्र-I	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 5	माध्यमिक माइक्रो अर्थशास्त्र-II	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 8
माध्यमिक माइक्रो अर्थशास्त्र-I	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 6	माध्यमिक मैक्रो अर्थशास्त्र-II	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 9
अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी पद्धतियां	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 7	प्रारंभिक इकोनोमीट्रिक्स	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 10
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)-I	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)-II
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा, अन्य पाठ्यक्रमों से	जेनरिक ऐच्छिक (जीई) पाठ्यक्रम-III	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा, अन्य पाठ्यक्रमों से	जेनरिक ऐच्छिक (जीई) पाठ्यक्रम-IV

जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक		जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक	
पेपर (सेमेस्टर-V) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-VI) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
भारतीय अर्थव्यवस्था-।	अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 11	भारतीय अर्थव्यवस्था-।।	अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 13
विकास अर्थशास्त्र-1	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 12	विकास अर्थशास्त्र-2	अर्थशास्त्र प्रमुख पाठ्यक्रम 14
विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम-। (समूह । की सूची से)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम-।।। (समूह ।। की सूची से)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम
विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम-।। (समूह । की सूची से)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम-IV (समूह II की सूची से)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)
समूह-। [विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई पाठ्यक्रम)]		समूह-।। [विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम]	
(i) स्वास्थ्य और शिक्षा का अर्थशास्त्र (ii) अनुप्रयुक्त इकोनोमीट्रिक्स (iii) भारत का आर्थिक इतिहास (1857-1947) (iv) माइक्रो अर्थशास्त्र-। में विषय (v) राजनीतिक अर्थव्यवस्था-। (vi) धन और वित्तीय बाज़ार (vii) लोक अर्थशास्त्र		(viii) राजनीतिक अर्थव्यवस्था-।। (ix) तुलनात्मक आर्थिक विकास (1850-1950) (x) वित्तीय अर्थव्यवस्थाएं (xi) माइक्रो अर्थशास्त्र-।। में विषय (xii) पर्यावरणीय अर्थशास्त्र (xiii) अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र (xiv) शोध-निबंध/परियोजना	
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।			

संकाय सदस्य :

1.	डॉ. (श्रीमती) सोनिया अग्रवाल	3.	श्री नरेंद्र ठाकुर (शिक्षक प्रभारी)
2.	डॉ. (श्रीमती) हरीश		

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास **डॉ. जया वर्मा (शिक्षक प्रभारी)**

स्नातक डिग्री में पढ़ने की योजना बनाने वाले छात्रों के बीच इतिहास एक अत्यधिक लोकप्रिय पसंद रही है और बनी हुई है। शैक्षिक स्तर पर यह विधा अपने पूर्वकाल, पूरे विश्व में मानव समाजों के विकास के पथों की जड़ में जाने की हमारी इच्छा को संतुष्ट करती है और साथ ही साथ, हमारी समसामयिक समस्याओं में से अनेक समस्याओं के लिए मूल कारण और उत्पत्ति का व्यवस्थित ढंग से विश्लेषण करने तथा उन्हें खोजने में हमारी सहायता करती है। इतिहास अनेक सामाजिक विज्ञान की विधाओं के साथ इसके सीवनविहीन संशक्तीकरण के होते हुए अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हमेशा एक बहुत लोकप्रिय विषय रहा है। पिछले 50 वर्षों में हिस्टोरियल ग्राफिकल सरोकारों में हुए महत्वपूर्ण बदलाव में भारतीय इतिहास में शासन करने वाले वंशों की कहानियों का दस्तावेज़ीकरण करने से और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में ऐतिहासिक बदलावों का पता लगाने के अधिक जटिल आयामों के ऐतिहासिक संदर्भ से अनुसंधान तथा डिस्कोर्स के फोकस में परिवर्तन आया है। इसने ऐतिहासिक जांच को अंतर-विधा पद्धति के जरिए ऐतिहासिक प्रश्नों का विश्लेषण करने में एक समृद्धशाली कार्य बना दिया है। उदाहरण के लिए, पर्यावरणीय इतिहास और ऐतिहासिक भूगोल, इतिहास और भूगोल की विधाओं, राजनीतिक प्रणालियों के विश्लेषण को एकसाथ लाते हैं और पूर्वकाल में राज्य संरचनाओं तथा राजनीतिक विज्ञान और ऐतिहासिक संधियों को सामाजिक मुद्दों के साथ लाता है जैसे जाति, जेंडर, शिक्षा और इस प्रकार समाजशास्त्र तथा सामाजिक सिद्धांत के कुछ ज्ञान को आवश्यक बनाता है। इतिहास पुरातत्व-विज्ञान, संग्रहालय विज्ञान, धरोहर और स्मारकों और कलाकृतियों सहित ऐतिहासिक सामग्रियों के संरक्षण से संबंधित अधिक विशेषज्ञता वाले कॅरियर-उन्मुखी पाठ्यक्रमों के लिए एक नींव के पत्थर के रूप में उभर कर आया है। कॅरियर जैसेकि यह चुनौतीपूर्ण है, परंतु फिर भी इस प्रतियोगी और वैश्वीकृत विश्व में अपार अवसर प्रदान करता है।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली की योजना

तीन वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार आबंटन

पेपर (सेमेस्टर-I) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-II) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
पर्यावरणीय विज्ञान	एईसीसी-1, अनिवार्य	अंग्रेजी/हिंदी भाषा	एईसीसी-2, अनिवार्य
पेपर-I : भारत का इतिहास-I	सी-1, प्रमुख विधा	पेपर-III : भारत का इतिहास-II	सी-3, प्रमुख विधा
पेपर II : प्राचीन विश्व की सामाजिक बनावट और सांस्कृतिक पैटर्न	सी-2, प्रमुख विधा	पेपर IV : प्राचीन और मध्य विश्व की सामाजिक बनावट और सांस्कृतिक पैटर्न	सी-4, प्रमुख विधा
जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर-विधा ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-1, जेनरिक ऐच्छिक	जेनरिक ऐच्छिक/ अंतर-विधा ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-2, जेनरिक ऐच्छिक
पेपर (सेमेस्टर-III) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-IV) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
पेपर-V : भारत का इतिहास-III (750-1200 ईसवी)	सी-5, प्रमुख विधा	पेपर-VIII : आधुनिक पश्चिम का उत्थान-II	सी-8, प्रमुख विधा
पेपर-VI : आधुनिक पश्चिम का उत्थान-I	सी-6, प्रमुख विधा	पेपर-Ix : आधुनिक पश्चिम का उत्थान-V (1500-1600 ईसवी)	सी-9, प्रमुख विधा
पेपर-VII : भारत का इतिहास-IV (1200-1500 ईसवी)	सी-7, प्रमुख विधा	पेपर-X : भारत का इतिहास-VI (1750-1857 ईसवी)	सी-10, प्रमुख विधा
जेनरिक एचिछक/ अंतर-विधा ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-3, जेनरिक ऐच्छिक	जेनरिक एचिछक/ अंतर-विधा ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	जी-4, जेनरिक ऐच्छिक
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में	एसईसी-I, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में	एसईसी-II, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम

से कोई एक		से कोई एक	
पेपर (सेमेस्टर-V) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-VI) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
पेपर-XI : आधुनिक यूरोप का इतिहास-I	सी-11, प्रमुख विधा	पेपर-XIII : भारत इतिहास-VIII (1857-1950 ईसवी)	सी-13, प्रमुख विधा
पेपर-XIV : भारत का इतिहास-VII (1600-1750 ईसवी)	सी-12, प्रमुख विधा	पेपर-XIV : आधुनिक यूरोप का इतिहास-II	सी-14, प्रमुख विधा
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई-I	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई-III
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई-ii	विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची में से कोई एक	डीएसई-Iv
* **विधा ऐच्छिक पेपर-III में से एक के बदले परियोजना कार्य/शोध-निबंध**			
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची (कोई दो पेपर)			
विधा विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (डीएसई) I		**कौशल वर्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) II**	
पेपर I (धरोहर की समझबूझ) या पेपर II : अभिलेखागार और संग्रहालय		पेपर III : भारतीय कला और आर्चिटेक्चर या पेपर IV : लोकप्रिय संस्कृति की समझबूझ	
विधा विशिष्ट वैकल्पिक पाठ्यक्रमों (डीएसई) की सूची			
कोई छात्र कोई चार पेपर चुनने के लिए स्वतंत्र होगा			
विधा विशिष्ट पाठ्यक्रम : डीएसई I		**विधा विशिष्ट पाठ्यक्रम : डीएसई III**	
पेपर-1, यूएसए का इतिहास : स्वतंत्रता से गृह युद्ध तक या पेपर-2 : यूएसएसआर का इतिहास : क्रांति से विश्व युद्ध II तक (1917-1943) या पेपर-3 : अफ्रीका का इतिहास, 1500-1660 ईसवी या		पेपर 8 : यूएसए का इतिहास : पुनर्निर्माण से नए युग की राजनीति तक पेपर 9 : यूएसएसआर का इतिहास : सोवियत अनुभव (1945-1991) या पेपर 10 : लैटिन अमरीका का इतिहास, 1500 शताब्दी - 1960 की शताब्दी या पेपर 11 : भारतीय इतिहास में जेंडर, 1500	

पेपर-4 : 1500 ईसवी तक भारतीय इतिहास में जेंडर **विधा विशिष्ट पाठ्यक्रम : डीएसई-।। :** पेपर 5 : आधुनिक चीन का इतिहास (1840-1960) या पेपर 6 : 16वीं शताब्दी तक दक्षिण पूर्व एशिया का इतिहास या पेपर 7 : वैश्विक वातावरणीय परिदृश्य	शताब्दी-1950 शताब्दी या पेपर 12 : आधुनिक चीन का इतिहास (1840-1960) या पेपर 13 : दक्षिण-पूर्व एशिया का इतिहास (16वीं शताब्दी तक) या पेपर 14 : वैश्विक पर्यावरणीय परिदृश्य **विधा विशिष्ठ पाठ्यक्रम : डीएसई IV** पेपर 15 : आधुनिक जापान और कोरिया का इतिहास (1868-1950) या पेपर 16 : आधुनिक दक्षिण-पूर्व एशिया (17वीं शताब्दी से 20वीं शताब्दी तक) या पेपर 17 : समसामयिक भारत का निर्माण (1950-1990)
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।	

संकाय सदस्य

1.	डॉ. एस.एस. चावला	3.	श्री संजय शर्मा
2.	डॉ. (श्रीमती) जया वर्मा (शिक्षक प्रभारी)		

3. वाणिज्य आधारित पाठ्यक्रम

1. बी.कॉम (ऑनर्स) डॉ. पूनम मित्तल (शिक्षक प्रभारी)

वर्तमान नौकरी के बाज़ार में बदलती आवश्यकताओं की दृष्टि से कौशल विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, कॉमर्स विभाग दो पाठ्यक्रमों - बी.कॉम (ऑनर्स) और

बी. कॉम (कार्यक्रम) में दाखिला प्रदान करता है। दोनों पाठ्यक्रम 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई गई सीबीसीएस योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं। पाठ्यक्रमों का निर्माण ऐसे तरीके से किया जाता है कि छात्र इस विषय की सैद्धांतिक समझबूझ के साथ-साथ अपेक्षित कौशलों में प्रशिक्षित किए जा सकें।

वाणिज्य में स्नातक डिग्री कॅरियर में विकल्पों की एक व्यापक रेंज का दरवाजा खोलती है क्योंकि वाणिज्य के छात्र प्रबंधन, लेखांकन, कराधान, अर्थशास्त्र आदि के मूलभूत सिद्धांतों से लैस होते हैं।

टिप्पणी : कक्षा XII में गणित के साथ बिना उत्तीर्ण अंक वाले आवेदकों पर बी.कॉम (ऑनर्स) पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

बी.कॉम (ऑनर्स)

तीन वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना एवं सेमेस्टर-वार आबंटन

पेपर (सेमेस्टर-I) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-II) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
पर्यावरणीय विज्ञान	योग्यता वर्धन, अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)-1	अंग्रेजी/हिंदी भाषा	योग्यता वर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी-2)
वित्तीय लेखांकन	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-1)	कॉरपोरेट लेखांकन	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-3)
व्यवसाय कानून	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-2)	कॉरपोरेट कानून	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-4)
जेनरिक ऐच्छिक (जीई-1) (बी.कॉम - ऑनर्स/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक)	जेनरिक ऐच्छिक(जीई-1)	जेनरिक ऐच्छिक(जीई-2) (बी.कॉम - ऑनर्स/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक)	जेनरिक ऐच्छिक(जीई-2)
पेपर (सेमेस्टर-III) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-IV) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
मानव संसाधन प्रबंधन	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-5)	लागत लेखांकन	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-8)

आय कर कानून और पद्धति	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-6)	व्यवसाय गणित	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-9)
प्रबंधन सिद्धांत और अनुप्रयोग	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-7)	व्यवसाय में कंप्यूटर अनुप्रयोग	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-10)
जेनरिक ऐच्छिक (जीई-3) (बी.कॉम - ऑनर्स/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक)	जेनरिक ऐच्छिक(जीई-3)	जेनरिक ऐच्छिक(जीई-4) (बी.कॉम - ऑनर्स/अंतर-विधा पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक)	जेनरिक ऐच्छिक(जीई-4)
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक (निम्नलिखित में से कोई एक) **(क)** ई-वाणिज्य **(ख)** प्रशिक्षण और विकास **(ग)** ई-विपणन **(घ)** व्यक्तिगत कर प्लानिंग	एसईसी-1 कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक (निम्नलिखित में से कोई एक) **(क)** उद्यमिता **(ख)** सामूहिक मोल-तोल और वार्ता कौशल **(ग)** विवरणियों की ई-फाइलिंग **(घ)** साइबर अपराध और कानून	एसईसी-2 कौशल वर्धन पाठ्यक्रम
पेपर (सेमेस्टर-V) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-VI) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
विपणन के सिद्धांत	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-11)	लेखापरीक्षा करना और निगमित अभिशासन	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-13)
वित्तीय प्रबंधन के मौलिक सिद्धांत	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-12)	वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और सीमाशुल्क कानून	प्रमुख पाठ्यक्रम (सी-14)
विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-1) निम्नलिखित में से कोई एक:	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-1)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-3) निम्नलिखित में से कोई एक:	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-3)*

(क) प्रबंधन लेखांकन (ख) संगठनात्मक व्यवहार (ग) बैंकिंग और बीमा (घ) कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली		(क) निवेश के मौलिक सिद्धांत (ख) प्रतिपूर्ति प्रबंधन (ग) व्यवसाय कर प्रक्रिया और प्रबंधन (घ) नए उद्यम की प्लानिंग (ङ) उपभोक्ता मामले और ग्राहक देखभाल	
विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-2) निम्नलिखित में से कोई एक: (क) निगमित कर प्लानिंग (ख) औद्योगिक कानून (ग) वित्तीय बाज़ार, संस्थान और वित्तीय सेवाएं (घ) विज्ञापन	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-2)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-4) निम्नलिखित में से कोई एक: (क) वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (ख) व्यवसाय अनुसंधान पद्धतियां और परियोजना कार्य (ग) अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय (घ) औद्योगिक संबंध और श्रम कानून	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई-4)*
* **विधा ऐच्छिक पेपर (सेमेस्टर VI) में से एक के बदले परियोजना कार्य/शोध-निबंध**			
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।			

II. बी.कॉम (कार्यक्रम)

3 वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार आबंटन

पेपर (सेमेस्टर-I) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपर (सेमेस्टर-II) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
पर्यावरणीय विज्ञान	एईसीसी-I, अनिवार्य	अंग्रेजी/हिंदी भाषा	एईसीसी-2, अनिवार्य
वित्तीय लेखांकन	प्रमुख विधा (डीएससी-	व्यवसाय कानून	प्रमुख विधा (डीएससी-

	1)		3)
व्यवसाय संगठन और प्रबंधन	प्रमुख विधा (डीएससी-2)	व्यवसाय गणित और सांख्यिकी	प्रमुखा विधा (डीएससी-4)
अंग्रेजी भाषा	भाषा-1	हिंदी/एमआईएल	भाषा-2
पेपर (सेमेस्टर-III) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-IV) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
कंपनी कानून	प्रमुख विधा (डीएससी-5)	व्यवसाय संसूचन (अंग्रेजी/हिंदी)	भाषा-4
आय कर कानून और पद्धति	प्रमुख विधा (डीएससी-6)	कॉरपोरेट लेखांकन	प्रमुख विधा (डीएससी-7)
हिंदी/एनआईएल	भाषा-3	लागत लेखांकन	प्रमुखा विधा(डीएससी-8)
कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक (निम्नलिखित में से कोई एक: **(क)** व्यवसाय में कंप्यूटर अनुप्रसयोग **(ख)** साइबर अपराध और कानून	एसईसी-1, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) की सूची में से कोई एक (निम्नलिखित में से कोई एक: **(क)** ई-वाणिज्य **(ख)** स्टॉक बाज़ार में निवेश	एसईसी-2, कौशल वर्धन पाठ्यकम
पेपर (सेमेस्टर-V) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-VI) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
विधा विशिष्ट ऐच्छिक (निम्नलिखित में से कोई एक): **(क)** मानव संसाधन प्रबंधन **(ख)** विपणन के सिद्धांत **(ग)** लेखापरीक्षा और निगमित अभिशासन **(घ)** वित्तीय रिपोर्टिंग	विधा विशिष्ट एच्डिछक (डीएसई-1)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (निम्नलिखित में से कोई एक): **(क)** निगमित कर प्लानिंग **(ख)** बैंकिंग और बीमा **(ग)** प्रबंधन लेखांकन **(घ)** कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली **(ङ)** वित्तीय बाज़ार	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएससी-3)

और विश्लेषण		और संस्थान	
विधा विशिष्ट ऐच्छिक (निम्नलिखित में से कोई एक): **(क)** वित्तीय प्रबंधन के मूलभूत सिद्धांत **(ख)** वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एवं सीमाशुल्क कानून **(ग)** प्रशिक्षा और विकास **(घ)** औद्योगिक कानून	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएससी-2)	विधा विशिष्ट ऐच्छिक (निम्नलिखित में से कोई एक): **(क)** अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय **(ख)** कार्यालय प्रबंधन और सचिवालयीय पद्धति **(ग)** निवेश के मूलभूत सिद्धांत **(घ)** उपभोक्ता संरक्षण **(ङ)** संगठनात्मक व्यवहार	विधा विशिष्ट एच्छिडक (डीएससी-4)
कौशल वर्धन पाठ्यकमों (एसईसी) की सूची में से कोई एक (निम्नलिखित में से कोई एक): **(क)** उद्यमिता **(ख)** विज्ञापन	एसईसी-3, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम	कौशल वर्धन पाठ्यकमों (एसईसी) की सूची में से कोई एक (निम्नलिखित में से कोई एक): **(क)** व्यक्तिगत सेलिंग और सेल्समैनशिप **(ख)** सामूहिक मोल-तोल और मोल-तोल के कौशल	एसईसी-4, कौशल वर्धन पाठ्यक्रम
जेनरिक ऐच्छिक (बी.कॉम/अंतर-विधा पाठ्यकमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक)	जेनरिक ऐच्छिक (जीई-1)	जेनरिक ऐच्छिक (बी.कॉम/अंतर-विधा पाठ्यकमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की जेनरिक ऐच्छिक की सूची में से कोई एक)	जेनरिक ऐच्छिक (जीई-2)
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।			

बी.ए. कार्यक्रम में वाणिज्य आधारित विषय

सीबीसीएस, वाणिज्य विभाग द्वारा विनिर्धारित चुनिंदा पाठ्यक्रमों (8) से पाठ्यक्रम/ पेपर चुनने के लिए बी.ए. कार्यक्रम के छात्रों को एक अवसर प्रदान करता है। यदि कोई छात्र इन 8 पाठ्यक्रमों में से कोई एक चुनता है तो उसे सभी 6 सेमेस्टरों के लिए उसी पाठ्यक्रम में अध्ययन करना होगा (बी.ए. कार्यक्रम के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम के लिए छात्रों को नीचे दी गई पाठ्यक्रम की सूची के अनुसार पाठ्यक्रम दिए गए हैं)। पिछले वर्ष (2016-17) कॉलेज में क्रम संख्या 4 (मानव संसाधन और प्रबंधन) और क्रम संख्या 8 (कार्यालय प्रबंधन एवं सचिवालयीय पद्धति) में बी.ए. कार्यक्रम में छात्रों को यह पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया था। पिछले वर्ष नामांकित उन छात्रों जिन्होंने मानव संसाधन एवं प्रबंधन का विकल्प चुना था, को सभी 6 सेमेस्टरों में पेपर-4 (क) से 4(च) तक का अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार, जिन छात्रों ने क्रम संख्या 8 का विकल्प चुना था, उन्हें सभी 6 सेमेस्टरों में पेपर 8(क) से 8(च) का अध्ययन करना होगा (इन पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक के पेपरों के ब्योरों के लिए नीचे देखें)। ये आठ पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं:

बी.ए. कार्यकम के लिए पेपरों की सूची

किसी छात्र को निम्नलिखित में से कोई एक चुनना होगा:			
1.	उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय	5.	व्यवसाय कानून
2.	कर प्रक्रियाएं और पद्धतियां	6.	लेखांकन और वित्त
3.	बीमा	7.	बिक्री संवर्धन का विज्ञापन देना और बिक्री प्रबंधन
4.	मानव संसाधन और प्रबंधन	8.	कार्यालय प्रबंधन और सचिवालयीय पद्धति

बी.ए. कार्यकम में वाणिज्य आधारित पेपरों का वितरण	
पेपर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	**पेपर (सेमेस्टर-2) (सीबीसीएस)**
4(क) मानव संसाधन प्रबंधन	4(ख) औद्योगिक संबंध

8(क) व्यवसाय संसूचन	8(ख) कार्यालय प्रबंधन एवं सचिवालयीय पद्धति
पेपर (सेमेस्टर-3) (सीबीसीएस)	**पेपर (सेमेस्टर-4) (सीबीसीएस)**
4(ग) सहभागिता प्रबंधन	4(घ) औद्योगिक एवं श्रम विनियम
8(ग) कंप्यूटर अनुप्रयोग	8(घ) आशुलिपि - अंग्रेजी
पेपर (सेमेस्टर-5) (सीबीसीएस)	**पेपर (सेमेस्टर-6) (सीबीसीएस)**
4(ङ) संगठनात्मक व्यवहार	4(च) नेतृत्व एवं अभिप्रेरण
8(ङ) उन्नत आशुलिपि	8(च) कंप्यूटर अनुप्रयोग और आशुलिपि - प्रयोगात्मक
टिप्पणी : कॉलेज संभवत: ऊपर सूचीबद्ध 8 पाठ्यक्रमों में से सभी प्रदान करने में समर्थ न हों। यह संकाय सदस्यों की उपालब्धता, छात्रों की संख्या, उस समय पर अवसंरचना तथा अन्य प्रचलित कारकों पर निर्भर करते हुए इनमें से कुछ पाठ्यक्रमों तक अपने आपको सीमित रख सकता है।	

संकाय सदस्य

1.	डॉ. (श्रीमती) नीलम गुप्ता	10.	सुश्री दिलजीत कौर
2.	डॉ. (श्रीमती) संगीता शर्मा	11.	श्रीमती सीमा सोढ़ी
3.	डॉ. (श्रीमती) ममता	12.	डॉ. महादेव प्रसाद मीणा
4.	डॉ. (श्रीमती) पूनम मित्तल (शिक्षक प्रभारी(	13.	डॉ. आरती धींगड़ा
5.	डॉ. श्रीमती निशी शर्मा	14.	श्री पुरुषोत्तम
6.	डॉ. सुरजीत कुमार	15.	डॉ. अनीश गुप्ता
7.	डॉ. के.एम. बंसल	16.	डॉ. मोहनिश कुमार
8.	डॉ. डी.के. पांडया	17.	श्रीमती संगीता वर्मा (ओएमएसपी अनुदेशक)
9.	डॉ. (श्रीमती) दीपाली जैन		

बी.ए. (कार्यक्रम) और बी.कॉम (कार्यक्रम) के लिए जेनरिक ऐच्छिक पेपरों की सूची			
क्रम सं.	**विषय**	**सेमेस्टर 5**	**सेमेस्टर 6**
1.	राजनीति विज्ञान	गांधी को पढ़ना	मानव अधिकार : जेंडर एवं वातावरण
2.	इतिहास	भारत की सांस्कृतिक विविधता	युगों के जरिए दिल्ली
3.	अर्थशास्त्र	माइक्रोइकोनोमिक्स के सिद्धांत	मैक्रोइकोनॉमिक्स के सिद्धांत
4.	अंग्रेजी	समसामयिक भारत: महिला और सशक्तीकरण	
5.	हिंदी	अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत/ जनपदीय साहित्य	अस्मितामूलक अध्ययन और हिंदी साहित्य/हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
6.	मनोविज्ञान	जीवन जीने के लिए मनोविज्ञान	स्व और व्यक्तिगत विकास
7.	व्यवसाय अर्थग्शास्त्र	विपणन प्रबंधन का परिचय	वित्त के मूलभूत सिद्धांत और इसका अनुप्रयोग
8.	कार्यात्मक हिंदी	**1.** कंप्यूटर और हिंदी अथवा **2.** विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी	**(क)**हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक, बाल कथाएं अथवा **(ख)**जन माध्यम और हिंदी
9.	बी.कॉम (पास)	माइक्रोइकोनॉमिक्स के सिद्धांत	भारतीय अर्थव्यवस्था
10.	भूगोल	आपदा जोखिम अल्पीकरण	स्थायित्व और विकास

सीबीसीएस प्रथम वर्ष ऑनर्स के छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे निम्नलिखित सारणी के अनुसार कॉलेज के भिन्न-भिन्न विभागों द्वारा प्रदान किए जाने वाले सेमेस्टर-1 में एक जेनरिक ऐच्छिक पेपर लें:

क्रम सं.	**विषय**	**सेमेस्टर-1**	**सेमेस्टर-2**	**सेमेस्टर-3**	**सेमेस्टर-4**
1.	व्यवसाय अर्थशास्त्र	माइक्रोअर्थशास्त्र	मैक्रोअर्थशास्त्र	वित्त के मूलभूत सिद्धांत और इनका अनुप्रयोग	विपणन प्रबंधन का परिचय
2.	वाणिज्य	माइक्रोअर्थशास्त्र	मैक्रोअर्थशास्त्र	व्यवसाय सांख्यिकी	भारतीय अर्थव्यवस्था
3.	अर्थशास्त्र	माइक्रोअर्थशास्त्र का परिचय	~~मैक्रोअर्थशास्त्र~~ का परिचय	• भारतीय अर्थव्यवस्था-1 • धन और बैंकिंग • पर्यावरणीय	• भारतीय अर्थव्यवस्था-2 • लोक वित्त

				अर्थशास्त्र	
4.	अंग्रेजी	मीडिया और संसूचन कौशल		अकादमिक लेखन और कम्पोजिशन	
5.	भूगोल	आपदा प्रबंधन	क्षेत्रीय विकास	ग्रामीण विकास	औद्योगिक भूगोल
6.	हिंदी	लोकप्रिय साहित्य अथवा हिंदी सिनेमा और उसका ध्ययन	रचनात्मक लेखन अथवा पटकथा तथा संवाद लेखन	हिंदी में व्यावहारिक व्यावहारिक अनुवाद अथवा भाषा तथा समाज	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य अथवा भाषा शिक्षण
7.	हिंदी पत्रकारिता	**(क)** संस्कृति, साहित्य और मीडिया अथवा **(ख)** फोटो पत्रकारिता	**(क)** फिल्म अध्ययन अथवा **(ख)** सोशल मीडिया	**3.** राजनीति, विचारधारा और हिंदी मीडिया अथवा **(ख)** मीडिया प्रॉडक्शन	(क) पटकथा लेखन अथवा (ख) संचार क्रांति, वैश्विक परिदृश्य और हिंदी मीडिया
8.	इतिहास	युगों के जरिए दिल्ली	समसामयिक विश्व में मुद्दे, 1945-2000	समसामयिक भारत का निर्माण	असमानता और अंतर
9.	गणित	कैलकुलस	बीज गणित	लाइनियर कार्यक्रम बनाना	विश्लेषण के कारक
10.	राजनीति विज्ञान	भारत में राष्ट्रवाद	गांधी और समसामयिक विश्व	अम्बेडकर को समझना	वैश्वीकरण की राजनीति
11.	मनोविज्ञान	जीवन जीने के लिए मनोविज्ञान	पर्यावरणीय मनोविज्ञान	नैदानिक मनोविज्ञान	कम्युनिटी मनोविज्ञान
12.	संस्कृत	भारतीय औषधीय प्रणाली (आयुर्वेद) के मूलभूत सिद्धांत	राष्ट्रवाद और भारतीय साहित्य		
13.	सामाजिक कार्य	युवाओं के साथ सामाजिक कार्य	आपराधिक न्याय और सामाजिक कार्य	सामाजिक कार्य पद्धति में एकीकृत पद्धतियां	अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य
छात्र उनके स्वयं के विभाग द्वारा प्रस्तावित कोई जेनरिक ऐच्छिक पेपर नहीं ले सकते।					
टिप्पणी : सीबीसीएस समिति को यह अधिकार प्राप्त है कि वह प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर सके। जेनरिक ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के संबंध में कोई समस्या होने की स्थिति में छात्र (क) संबंधित विभाग के शिक्षक प्रभारी या (ख) संचालक, सीबीसीएस समिति, डॉ. सरला भारद्वाज से संपर्क कर सकते हैं।					

4. बी.ए. कार्यक्रम डॉ. एम.एस. वत्स, संचालक, बी.ए.(कार्यक्रम) समिति

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने बी.ए. कार्यक्रम पाठ्यक्रम की पुन:संरचना एक सामान्य समझबूझ और मानविकियों में फाउंडेशन उपलब्ध कराने की दृष्टि से की है। कार्यक्रम की विषय-वस्तु इसे सुनम्य विकल्पों के साथ एक एकीकृत और अंतर-विधा पाठ्यक्रम बनाती है।

बी.ए. कार्यक्रम में, प्रत्येक सेमेस्टर के लिए चार पेपरों के साथ 6 सेमेस्टरों की अवधि में फैले निम्नलिखित रूप में वर्णित 24 पेपर हैं। इस पाठ्यक्रम में चार खंड हैं: विधा, भाषा, एईसी और एसईसी। कॉलेज द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पेपरों का वितरण निम्नलिखित है:

तीन वर्षीय (6 सेमेस्टर) सीबीसीएस कार्यक्रम : पाठ्यक्रम संरचना और सेमेस्टर-वार आबंटन		
सेमेस्टर-1	**सेमेस्टर-2**	**सेमेस्टर-3**
• हिंदी • अंग्रेजी/हिंदी भाषा • विधा पाठ्यक्रम-1क • विधा पाठयक्रम-2क	• अंग्रेजी • पर्यावरणीय विज्ञान • विधा पाठयक्रम-1ख • विधा पाठयक्रम 2-ख	• अंग्रेजी • विधा पाठयक्रम-1ग • विधा पाठयक्रम-2ग • कौशल वर्धन पाठयक्रम (एसईसी)-1
सेमेस्टर-4	**सेमेस्टर-5**	**सेमेस्टर-6**
• हिंदी • विधा पाठ्यक्रम-1घ • विधा पाठ्यक्रम-2घ • कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)-2	• कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)-3 • विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)-1क • विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)-2क • जेनरिक ऐच्छिक (जीई)-1	• कौशल वर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)-4 • विधा विशिष्ट एचिछक (डीएसई) 1ख • विधा विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) 2ख • जेनरिक ऐच्छिक (जीई) 2
टिप्पणी : सभी पेपरों के 100-100 अंक हैं (सिद्धांत : 75, आंतरिक मूल्यांकन : 25)		

छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नीचे दी गई सारणी से हॉरिजेंटली दो विधा पाठ्यक्रमों का विकल्प चुनेंगे। वे सभी आगामी सेमेस्टरों में उसी विधा का अध्ययन करेंगे।

कॉलेज द्वारा प्रस्तावित विधा पाठ्यक्रम					
क्रम सं.	**प्रथम विकल्प**	**द्वितीय विकल्प**	**क्रम सं.**	**प्रथम विकल्प**	**द्वितीय विकल्प**
1.	अर्थशास्त्र	भूगोल	10.	राजनीति विज्ञान	कार्यात्मक हिंदी
2.	अर्थशास्त्र	एचआरएम	11.	राजनीति विज्ञान	हिंदी विधा
3.	अर्थशास्त्र	गणित	12.	मनोविज्ञान	अंग्रेजी विधा
4.	अर्थशास्त्र	ओएमएसपी	13.	मनोविज्ञान	एचआरएम
5.	भूगोल	मनोविज्ञान	14.	संस्कृत	ओएमएसपी
6.	इतिहास	अंग्रेजी विधा	15.	संस्कृत	राजनीति विज्ञान
7.	इतिहास	हिंदी विधा	16.	उर्दू	इतिहास
8.	इतिहास	राजनीति विज्ञान	17.	उर्दू	राजनीति विज्ञान
9.	गणित	एचआरएम			
टिप्पणी *: उपर्युक्त विकल्पों, संयोजनों और प्रत्येक विकल्प के अंतर्गत सीटों की उपलब्धता के संबंध में अधिक जानकारी के लिए छात्र, बी.ए. (कार्यक्रम) समिति संचालक, डॉ. एम.एस. वत्स से संपर्क कर सकते हैं।					

भाषा पाठ्यक्रमों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी

- ऐसे छात्र जो 10+2 स्तर पर अंग्रेजी/हिंदी विषय के साथ उत्तीर्ण हुए हैं, वे क्रमश: अंग्रेजी/हिंदी स्ट्रीम क चुनेंगे।
- जो कक्षा X में अंग्रेजी/हिंदी के साथ उत्तीर्ण हुए हैं, वे क्रमश/ अंग्रेजी/हिंदी स्ट्रीम ख चुनेंगे।
- जो कक्षा VIII में अंग्रेजी/हिंदी के साथ उत्तीर्ण हुए हैं, वे क्रमश अंग्रेजी/हिंदी स्ट्रीम ग चुनेंगे।
- जिन्होंने कक्षा VIII तक हिंदी पढ़ी है, वे सीबीसीएस समिति से संपर्क कर सकते हैं।

टिप्पणी : छात्र को दाखिले के समय विकल्पों का उल्लेख करना चाहिए। दाखिले को अंतिम रूप दे दिए जाने पर विषय/पाठ्यक्रम के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता, इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या 10 से कम होने और समय-समय पर उभर कर आने वाली अन्य संबंधित बातों पर निर्भर करते हुए ऊपर उल्लिखित विकल्पों में से किसी या सभी में परिवर्तन कर सके।

बी.ए. कार्यक्रम : व्यावसायिक पाठ्यक्रम

यह कॉलेज, नियमित बी.ए. (कार्यक्रम् के अंतर्गत व्यावसायिक विषय के रूप में कार्यात्मक हिंदी का प्रस्ताव देता है। छात्रों को आवश्यक कौशल और विश्वास प्रदान करने के लिए व्यावहारिक अनुभव के साथ जुड़े विस्तृत कक्षा कार्य सिलेबस पर उचित ध्यान और महत्व दिया गया है।

1. कार्यात्मक हिंदी (एफएच)

प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रयोजनमूलक हिंदी, एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। इसके माध्यम से कार्यालयों में हिंदी माध्यम में काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकारी कार्यालयों में हिंदी माध्यम में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व्यक्तियों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है।

रोज़गार की संभावनाएं : हिंदी अनुवादक/अनुवाचक, हिंदी अधिकारी, वेब पत्रकारिता, रेडियो, दूरदर्शन, समाचारपत्र-पत्रिकाओं और विज्ञापन एजेंसी में रोज़गार की व्यापक संभावनाएं हैं।

पेपर (सेमेस्टर-1) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार	पेपर (सेमेस्टर-2) (सीबीसीएस)	पाठ्यक्रम का प्रकार
हिंदी भाषा : अनुप्रयोग के क्षेत्र	(प्रमुख विधा-1)	हिंदी भाषा : कार्यालयी लेखन	(प्रमुख विधा-2)

हिंदी भाषा योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम	(भाषा - हिंदी/अंग्रेजी संप्रेषण, एईसीसी)	पर्यावरणीय विज्ञान	(एईसीसी)
पेपर (सेमेस्टर-3) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-4) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद और अनुवाचन	(प्रमुख विधा-3)	हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण	(प्रमुख विधा-4)
कौशल संवर्धक पाठ्यक्रम (क) लेखन कौशल: विस्तार एवं संभावनाएं अथवा (ख) वेब पत्रकारित	(कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, कोई एक)	आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी गद्य: उद्भव और विकास - क/ख/ग	(भाषा एमआईएल/ अंग्रेजी-2)
		कौशल संवर्धक पाठ्यक्रम (क) हिंदी-शिक्षण अथवा (ख) पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान	
पेपर (सेमेस्टर-5) (सीबीसीएस)	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पेपर (सेमेस्टर-6) (सीबीसीएस)**	**पाठ्यक्रम का प्रकार**
विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (क) मनोरंजन - उद्योग और हिंदी अथवा (ख) हिंदी के विविध रूप	(विधा विशिष्ट एच्छिक-1, कोई एक)	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (क) सृजनात्मक लेखन: सिद्धांत और व्यवहार अथवा (ख) विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी और हिंदी	(विधा विशिष्ट ऐच्छिक-2, कोई एक)
सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (क) कंप्यूटर और हिंदी अथवा	(जेनरिक ऐच्छिक-1, कोई एक)	सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (क) हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल	(विधा विशिष्ट ऐच्छिक-2, कोई एक)

(ख) विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी		कथाएं अथवा (ख) जन माध्यम और हिंदी	
टिप्पणी : कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकाय सदस्यों की उपलब्धता और इसके प्रोफाइल, छात्रों की संख्या, उस समय प्रचलित संरचना और अन्य कारकों पर निर्भर करते हुए विकल्पों में परिवर्तन कर सके। यह बात अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी सत्य होगी।			

VI. शुल्कों और देय राशियों की अनुसूची

दाखिले के अनुमोदन के पश्चात, अभ्यर्थी को, ऑनलाइन दाखिला शुल्क का भुगतान करने के लिए स्नातक-पूर्व दाखिला पोर्टल पर लॉग ऑन करना होगा। यह, उस कट ऑफ के अंतिम दिन के दोपहर 12.00 बजे तक किया जा सकता है, जिस कट ऑफ में आवेदक दाखिला ले रहा है। अधिक जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय के दिशानिर्देश देखें।

कॉलेज की शुल्क संरचना निम्नलिखित है:

आंकड़े रुपए में

क्रम सं.	**शीर्ष**	**बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र**	**बी.ए. (ऑनर्स) एमजेएमसी**	**बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी**	**बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास**	**बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र**	**बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य**
	सरकारी शुल्क	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1.	दाखिला शुल्क	5	5	5	5	5	5
2.	शिक्षण शुल्क (मई से अप्रैल)	180	180	180	180	180	180
3.	पुस्तकालय एवं वाचनालय शुल्क	550	550	550	550	550	550
4.	पहचान पत्र शुल्क	50	50	50	50	50	50

5.	गार्डन एवं खेल का मैदान/विकास शुल्क	330	330	330	330	330	330
6.	विद्युत एवं जल प्रभार	700	700	700	700	700	700
7.	प्रयोगशाला प्रयोगात्मक शुल्क, भूगोल						0
8.	प्रयोगशाला प्रयोगात्मक शुल्क, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान/बीए मनोविज्ञान						0
9	**जोड़ (क)**	**1815**	**1815**	**1815**	**1815**	**1815**	**1815**
	कॉलेज शुल्क						
1.	पत्रिका शुल्क	120	120	120	120	120	120
2.	चिकित्सा शुल्क/ परामर्श शुल्क	150	150	150	150	150	150
3.	विकास शुल्क (कॉलेज)	720	720	720	720	720	720
4.	प्रतिभूति जमा (वापसीयोग्य)	1000	1000	1000	1000	1000	1000
	जोड़ (ख)	**1990**	**1990**	**1990**	**1990**	**1990**	**1990**
	विश्वविद्यालय शुल्क						
1.	विश्वविद्यालय विकास शुल्क	600	600	600	600	600	600
2.	एनएसएस निधि (दिल्ली विश्वविद्यालय)	20	20	20	20	20	20
3.	विश्वविद्यालय खेलकूद शुल्क	200	200	200	200	200	200
4.	विश्वविद्यालय खेलकूद शुल्क	50	50	50	50	50	50
5.	विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद् शुल्क	5	5	5	5	5	5
6.	विश्व विद्यालय सेवा शुल्क	5	5	5	5	5	5
	जोड़ (ग)	**880**	**880**	**880**	**880**	**880**	**880**
	जोड़ (क+ख+ग)	**4685**	**4685**	**4685**	**4685**	**4685**	**4685**
	छात्र शुल्क						
1.	खेल एवं खेलकूद शुल्क (कॉलेज)	500	500	500	500	500	500
2.	खुली व्यायामशाला का रखरखाव	30	30	30	30	30	30
3.	छात्र सोसाइटीज शुल्क	440	440	440	440	440	440

4.	छात्र सांस्कृतिक कार्य शुल्क	425	425	425	425	425	425
5.	छात्र सहायता निधि शुल्क	130	130	130	130	130	130
6.	कॉलेज वार्षिक दिवस शुल्क	220	220	220	220	220	220
7.	एनएसएस शुल्क (कॉलेज)	60	60	60	60	60	60
8.	एनसीसी शुल्क	110	110	110	110	110	110
9.	इको क्लब शुल्क (हर्बल/ गुलाब/वातावरण जागरूकता)	50	50	50	50	50	50
10.	कैंटीन शुल्क	90	90	90	90	90	90
11.	छात्र परिषद् शुल्क (कॉलेज)	200	200	200	200	200	200
12.	कॉलेज जर्नल शुल्क	125	125	125	125	125	125
13.	पूर्व छात्र संघ शुल्क	230	230	230	230	230	230
14.	विभाग एसोसिएशन शुल्क	200	200	200	200	200	200
15.	महिला सशक्तीकरण शुल्क	90	90	90	90	90	90
16.	हाउस कीपिंग शुल्क	800	800	800	800	800	800
17.	कंप्यूटर प्रयोगशाला/ सॉफ्टवेयर विकास शुल्क	1400	1400	1400	1400	1400	1400
18.	फील्ड/हैंड्स ऑन प्रशिक्षण शुल्क	900	1850				1400
19.	प्लेसमेंट शुल्क	650	0	0	0	0	700
20.	पाठ्यक्रम ट्रिप/सामग्री/ प्रशिक्षण/व्याख्याता शुल्क	330	220	220	220	220	360
21.	संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान शुल्क	650	650				570
22.	कार्यशाला शुल्क	0	0	0	0	0	0
23.	संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान	0	0	0	0	0	0
24.	संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान तथा पाठ्यक्रम कॅरीकुलम	0	0	0	0	0	0
25.	फील्ड प्रशिक्षण	0	0	0	0	0	0
26.	फील्ड प्रशिक्षण/प्रयोगशाला विकास	0	0	0	0	0	0
27.	व्यावसायिक शुल्क	12000	0	0	0	0	0
28.	योग/आयुष कार्य शुल्क	40	40	40	40	40	40
29.	छात्र विधिक जागरूकता शुल्क	30	30	30	30	30	30
30.	छात्र क्रियाकलाप शुल्क	50	50	50	50	50	50

31.	छात्र विकास एवं कल्याण शुल्क	100	100	100	100	100	100
32.	तंबाकू प्रतिरोधी/लत मुक्ति शुल्क	40	40	40	40	40	40
33.	पाठ्यक्रम हेरिटेज संबंधी दौरे शुल्क	0			100		0
	जोड़	**19890**	**8080**	**5580**	**5680**	**5580**	**8390**
	पाठ्यक्रम	**बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र**	**बी.ए. (ऑनर्स) एमजेएमसी**	**बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी**	**बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास**	**बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र**	**बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य**
	शुल्क का सकल जोड़	**24575**	**12765**	**10625**	**10365**	**10265**	**13075**

क्रम सं.	**पाठ्यक्रम**	**बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल**	**बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान**	**बी. कॉम (ऑनर्स)**	**बी.ए. (कार्यक्रम)**	**बी.कॉम**
		7	**8**	**9**	**10**	**11**
	सरकारी शुल्क					
1.	दाखिला शुल्क	5	5	5	5	5
2.	शिक्षण शुल्क (मई से अप्रैल)	180	180	180	180	180
3.	पुस्तकालय एवं वाचनालय शुल्क	550	550	550	550	550
4.	पहचान पत्र शुल्क	50	50	50	50	50
5.	गार्डन एवं खेल का मैदान/विकास शुल्क	330	330	330	330	330
6.	विद्युत एवं जल प्रभार	700	700	700	700	700
7.	प्रयोगशाला प्रयोगात्मक शुल्क, भूगोल	350			0	0
8.	प्रयोगशाला प्रयोगात्मक शुल्क		**1100**			
	जोड़ (क)	**2165**	**2915**	**1815**	**1815**	**1815**
	कॉलेज शुल्क					
1.	पत्रिका शुल्क	120	120	120	120	120
2.	चिकित्सा शुल्क/ परामर्श शुल्क	150	150	150	150	150
3.	विकास शुल्क (कॉलेज)	720	720	720	720	720
4.	प्रतिभूति जमा (वापसीयोग्य)	1000	1000	1000	1000	1000

	जोड़ (ख)	**1990**	**1990**	**1990**	**1990**	**1990**
	विश्वविद्यालय शुल्क					
1.	विश्वविद्यालय विकास शुल्क	600	600	600	600	600
2.	एनएसएस निधि (दिल्ली विश्वविद्यालय)	20	20	20	20	20
3.	विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क	200	200	200	200	200
4.	विश्वविद्यालय खेलकूद शुल्क	50	50	50	50	50
5.	विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद् शुल्क	5	5	5	5	5
6.	विश्व विश्वविद्यालय सेवा शुल्क	5	5	5	5	5
	जोड़ (ग)	**880**	**880**	**880**	**880**	**880**
	जोड़ (क+ख+ग)	**5035**	**5785**	**4685**	**4685**	**4685**
	छात्र शुल्क					
1.	खेल एवं खेलकूद शुल्क (कॉलेज)	500	500	500	500	500
2.	खुली व्यायामशाला का रखरखाव	30	30	30	30	30
3.	छात्र सोसाइटीज शुल्क	440	440	440	440	440
4.	छात्र सांस्कृतिक कार्य शुल्क	425	425	425	425	425
5.	छात्र सहायता निधि शुल्क	130	130	130	130	130
6.	कॉलेज वार्षिक दिवस शुल्क	220	220	220	220	220
7.	एनएसएस शुल्क (कॉलेज)	60	60	60	60	60
8.	एनसीसी शुल्क	110	110	110	110	110
9.	इको क्लब शुल्क (हर्बल/ गुलाब/वातावरण जागरूकता)	50	50	50	50	50
10.	कैंटीन शुल्क	90	90	90	90	90
11.	छात्र परिषद् शुल्क (कॉलेज)	200	200	200	200	200
12.	कॉलेज जर्नल शुल्क	125	125	125	125	125
13.	पूर्व छात्र संघ शुल्क	230	230	230	230	230
14.	विभाग एसोसिएशन शुल्क	200	200	200	200	200
15.	महिला सशक्तीकरण शुल्क	90	90	90	90	90
16.	हाउस कीपिंग शुल्क	800	800	800	800	800
17.	कंप्यूटर प्रयोगशाला/ सॉफ्टवेयर विकास शुल्क	1400	1400	1400	1400	1400
18.	फील्ड/हैंड्स ऑन प्रशिक्षण शुल्क	0	0	0	0	100

19.	प्लेसमेंट शुल्क			220	0	0
20.	पाठ्यक्रम ट्रिप/सामग्री/ प्रशिक्षण/व्याख्याता शुल्क	0	0	0	220	220
21.	संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान शुल्क	500		500	0	0
22.	कार्यशाला शुल्क	0	650	650	0	0
23.	संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान	0	500	500	0	0
24.	संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान तथा पाठ्यक्रम कॅरीकुलम	0	0	0	450	450
25.	फील्ड प्रशिक्षण	350	0	0	0	0
26.	फील्ड प्रशिक्षण/प्रयोगशाला विकास	0	650	0	0	0
27.	व्यावसायिक शुल्क	0	0	0	0	0
28.	योग/आयुष कार्य शुल्क	40	40	40	40	40
29.	छात्र विधिक जागरूकता शुल्क	30	30	30	30	30
30.	छात्र क्रियाकलाप शुल्क	50	50	50	50	50
31.	छात्र विकास एवं कल्याण शुल्क	100	100	100	100	100
32.	तंबाकू प्रतिरोधी/लत मुक्ति शुल्क	40	40	40	40	40
33.	पाठ्यक्रम हेरिटेज संबंधी दौरे शुल्क	0	0	0	0	0
	जोड़	**6210**	**7110**	**7230**	**6030**	**6130**
	पाठ्यक्रम	**बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल**	**बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान**	**बी. कॉम (ऑनर्स)**	**बी.ए. (कार्यक्रम)**	**बी.कॉम**
	शुल्क का सकल जोड़	**11245**	**12895**	**11915**	**10715**	**10815**
टिप्पणी : (1) डुप्लिकेट पहचानपत्र शुल्क 50/- रुपए, (2) मनोविज्ञान का विकल्प चुनने वाले बी.ए.(पास) छात्र को 300/- रुपए के अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना होगा, (3) विकलांग व्यक्ति शुल्क 55/- रुपए						

विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क

विश्वविद्यालय परीक्षा की बाबत शुल्क, नोटिस बोर्ड पर अधिसूचित तारीखों को वसूल किया जाएगा। यथा अधिसूचित अंतिम तारीख तक विश्वविद्यालय/कॉलेज की देय राशियों का भुगतान करने में विफल रहने वाले छात्रों के नाम, कॉलेज की नामावली में से काट दिए जाएंगे। तथापि, ऐसे छात्र, प्रत्येक मामले में यथा अपेक्षित पुन: दाखिला शुल्क के साथ एक लिखित अनुरोध पर प्राचार्य के विवेकाधिकार पर पुन: दाखिल किए जा सकते हैं।

दाखिला वापस लेने/निरस्तीकरण या अंतरण पर शुल्क की वापसी

कॉलेज से अपना नाम वापस लेने के इच्छुक किसी छात्र को उचित प्रक्रिया के अनुसार ऐसा करना चाहिए। वह उसका नाम औपचारिक रूप से वापस लेने तक सभी शुल्क और अन्य देय राशियों का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा/होगी। कॉलेज से नाम वापस लेने के समय पहचानपत्र और पुस्तकालय टिकट अभ्यर्पित किए जाने चाहिए और अन्य देय राशियों का निपटान किया जाना चाहिए, ऐसा करने में विफल रहने पर कॉलेज द्वारा तय की गई शास्ति प्रभारित की जाएगी।

यदि कोई छात्र, किसी भी चरण में दाखिला वापस लेने के लिए आवेदन करता है तो विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार शुल्क लौटा दिया जाएगा।

छात्र सहायता निधि

अपना शिक्षण शुल्क पूरा करने के लिए या पुस्तकों आदि की खरीद के लिए योग्य छात्र सीमित सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत एक पाठ्यपुस्तक पुस्तकालय भी चलाया जाता है जो उधार आधार पर पुस्तकें उपलब्ध कराता है।

शुल्क रियायत/छूट

1. योग्य छात्र, शुल्क रियायत के लिए कॉलेज में भी आवेदन कर सकते हैं।

2. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों से संबंधित और विकलांग छात्रों को भारत सरकार और केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। ऐसे छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे सचिव, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग बोर्ड, भारत सरकार को या अन्य ऐसे निकायों को कॉलेज में कार्य आरंभ करने के तुरंत बाद विनिर्धारित फार्म पर आवेदन करें।

3. कॉलेज में किसी पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले विकलांग छात्र, दाखिला शुल्क और पहचानपत्र शुल्क के सिवाय परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित शुल्कों के भुगतान से छूट प्राप्त हैं।

4. मारे गए या विकलांग हो गए सेना के अधिकारियों/जवानों के बच्चे भी, विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार शुल्क रियायत के हकदार हैं।

टिप्पणी : अधिक विवरण/जानकारी के लिए, विश्वविद्यालय बुलेटिन 2019-20/कॉलेज की वेबसाइट देखें।

पुरस्कार, छात्रवृत्तियां और पदक

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित छात्रों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, मेरिट छात्रवृत्ति।

2. दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर-अध्यापन कर्मचारियों के योग्य और जरूरतमंद आश्रितों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और कॉलेज कर्मचारी छात्रवृत्ति।

3. भारतीय सेना के जवानों की पुत्रियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ छात्रवृत्तियां।

4. निर्धन/योग्य और विकलांग छात्रों के लिए कुलपति छात्र निधि।

5. दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रेणी III, IV कर्मचारियों के परिवारों से आने वाले छात्रों के लिए वी.के. राव धर्मादा छात्रवृत्ति।

6. नेत्रहीन छात्रों को प्रदान की जाने वाली विजेंद्र शर्मिला चोपड़ा मेमोरियल छात्रवृत्तियां।

7. नेत्रहीन छात्रों के लिए श्री मोती लाल कौल ऐमा मेमोरियल छात्रवृत्ति।

8. ऐसे छात्रों, जिनके माता/पिता की प्रति वर्ष आय 25000/- रुपए से कम है, के लिए मनमोहन नाथ धर धर्मादा छात्रवृत्ति।

9. ऐसे छात्रों, जिनके माता/पिता की प्रति वर्ष आय 25000/- रुपए से कम है, के लिए अग्रेसेन मेमोरियल धर्मादा छात्रवृत्ति।

10. छात्रों को पुरस्कार, विश्वविद्यालय परीक्षा में शैक्षिक श्रेष्ठता के लिए, वाद-विवादों/चर्चाओं, सांस्कृतिक क्रियाकलापों और खेलकूद में विशिष्ट कार्य-निष्पादन के लिए दिए जाते हैं। अंतर-कॉलेज कार्यक्रमों में श्रेष्ठता जीतने वाले खिलाड़ियों को कॉलेज 'कलर्स' प्रदान किए जाते हैं।

11. शैक्षिक, खेलकूद और पाठ्येत्तर विशिष्टताओं के लिए छात्रों को 'वर्ष का सर्वोत्तम छात्र ट्रॉफी' और अनेक पुरस्कार।

12. हिंदी पत्रकारिता एवं जन-संचार के सर्वोत्तम छात्र के लिए मॉ लक्ष्मी देवी मेमोरियल स्वर्ण पदक।

13. कॉलेज के व्यवसाय अर्थशास्त्र में सर्वोत्तम छात्र के लिए संस्थापित योगेश वार्ष्णेय मेमोरियल स्वर्ण पदक।

14. सामाजिक सेवा में उत्कृष्टता के लिए बाबू पी.एन. सिंह पदक।

15. पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए शीतल प्रसाद सिंह पदक।

16. बी.कॉम (ऑनर्स) ।। वर्ष में 70 प्रतिशत और इससे अंक के साथ दूसरा उच्चतम प्रतिशत प्राप्त करने वाले छात्र के लिए सुल्तान चंद मेमोरियल पदक।

17. बी.ए. (कार्यक्रम) ।।। वर्ष (श्रेणी विशिष्ट) के लिए बी.पी. मौर्य मेमोरियल मेरिटोरियस अवार्ड।

18. बी.ए. (कार्यक्रम) ।।। वर्ष (श्रेणी विशिष्ट) के लिए बी.पी. मौय मेमोरियल मेरिटोरियस अवार्ड।

19. बी.कॉम (ऑनर्स) ।। वर्ष में दूसरे उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए बी.कॉम (ऑनर्स) ।।। वर्ष के लिए सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति 2011

20. दोनों सेमेस्टरों में कुल मिलाकर संस्कृत विषय में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले । वर्ष में छात्र के लिए जयंत श्रीमति कमलावती स्त्री अवार्ड।

21. दोनों सेमेस्टरों में कुल मिलाकर संस्कृत विषय में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले ।। वर्ष में छात्र के लिए जयंत पंडित विमल देव स्त्री अवार्ड।

22. विकलांग श्रेणी के अंतर्गत । वर्ष में सर्वोत्तम छात्र के लिए जयंत मेमोरियल अवार्ड।

23. जम्मू एवं कश्मीर छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।

24. कॉलेज विश्वविद्यालय छात्रों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल, मैट्रिकोत्तर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक/ विकलांगता, केंद्रीय सेक्टर योजना।

25. अखिल भारतीय छात्रवृत्ति (दिल्ली विश्वविद्यालय) : यह विश्वविद्यालय अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्तियां प्रदान करने के लिए हर वर्ष अक्तूबर महीने में दिल्ली में एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है जिनकी संख्या, इस विश्वविद्यालय में ऑनर्स डिग्री के लिए अध्ययन के पाठ्यक्रम में पढ़ने के लिए तीन वर्ष के लिए धार्य 250/- रुपए (दो सौ पचास रुपए केवल) के मूल्य की पचास छात्रवृत्तियां होंगी। यह प्रतियोगिता, उन छात्रों के लिए खुली होगी, जिन्होंने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सीनियर स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (शिक्षा के 10+2 पैटर्न के अंतर्गत) या उसके समकक्ष कोई

परीक्षा, उस वर्ष में जब अखिल भारतीय छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई हो, 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इच्छुक छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे 01 अगस्त के पश्चात पूर्वाह्न 09.30 बजे से अपराह्न 12.30 बजे के बीच किसी भी कार्य दिवस को परीक्षा शाखा VII (i) मुख्य विश्वविद्यालय परिसर, कमरा नंबर 61 से और कॉलेज प्रशासन से भी अन्य ब्योरे प्राप्त करें।

VII. कॉलेज की अवसंरचना

कंप्यूटर प्रयोगशाला

फोटो

यह कॉलेज सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं से पूरी तरह लैस है, जिनमें चार कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, इंटरनेट एक्सेस और मल्टी मीडिया प्रोजेक्टर शामिल हैं। कॉलेज में 100 एमबीपीज फाइबर ऑप्टिक्स की उच्च गति इंटरनेट संयोजनीयता और ब्रॉडबैंड कनेक्शन हैं। कंप्यूटर प्रयोगशाला, पावर बैक अप के लिए दो 10 केवीए और छह 5 केवीए ऑनलाइन यूपीएस से लैस है। कॉलेज ने, इंटरनेट सुरक्षा और अधिप्रमाणन के उद्देश्य के लिए हार्डवेयर फायरवेल संस्थापित किया है। **पूरा कॉलेज परिसर वाई-फाई समर्थकारी है।**

कॉलेज ने, 80 कंप्यूटरों और अद्यतन आकृति वाले दो सर्वरों सहित एक सूचना प्रौद्योगिकी हब स्थापित किया है। कॉलेज ने विश्वविद्यालय से 833 लैपटॉप प्राप्त किए हैं। इन्हें प्रथम वर्ष छात्रों और संकाय सदस्यों को वितरित किया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना और अध्यापन पद्धति में सुधार करने की दृष्टि से छात्रों को पढ़ाने के लिए 20 लैपटॉप के साथ क्लास रूम में, विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए 27 मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर संस्थापित किए गए हैं। कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, प्रोजेक्टरों और पारस्परिक प्रभाव वाले बोर्डों सहित हैं।

महत्वपूर्ण स्थानों पर संस्थापित सीसीटीवी कैमरों से सुरक्षा व्यवस्था अद्यतन हुई है और रैगिंग पर रोक लगी है। कॉलेज की एक वेबसाइट www.drambedkarcollege.ac.in है, जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। महत्वपूर्ण नोटिसों और कॉलेज के क्रियाकलापों के बारे में स्वयं को अद्यतन बनाए रखने के लिए छात्रों को नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट देखनी चाहिए।

कंप्यूटर प्रयोगशाला, केवल अध्यापन ज्ञानार्जन, प्रैक्टिस और प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिए ही है (लेखन-सामग्रियों और पत्रिकाओं के मुद्रण के लिए नहीं)।

पुस्तकालय

फोटो

कॉलेज का पुस्तकालय एक अलग भवन में स्थित है और इसमें लगभग 40,582 पुस्तकें (01.06.2019 को यथास्थिति) हैं और ऑनलाइन सुविधाओं के साथ पूरी तरह कंप्यूटरीकृत है। कॉलेज वर्तमान में लगभग 54 पत्रिकाएं पूर्व-क्रय करता है (मानार्थ पत्रिकाओं को छोड़कर) और अध्यापकों की अनुशंसा पर इस सूची में पत्रिकाएं जोड़ी जा सकती हैं। छात्र सहायता निधि (एसएएफ) के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। पुस्तकालय ने 100 पाठकों के लिए स्थान और अध्यापकों के लिए अलग वातानुकूलित स्थान सृजित किया है। पुस्तकालय में वाई-फाई समर्थकारी वातानुकूलित केबिन्स, डिजिटल पॉकेट प्लेयर और 'टेक्स्ट टू स्पीच कन्वर्टर' तथा ईओसी छात्रों के लाभ के लिए ब्रेल पुस्तकें हैं। पुस्तकालय में इनफलिबनेट के जरिए ओपीएसी, एन-लिस्ट (ई-जर्नल) जैसी ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध हैं। अम्बेडकर, गांधी, नेहरू और अन्य ऐसे व्यक्तियों पर एक अलग भाग है। विकलांग व्यक्तियों के अनन्य उपयोग हेतु एक केबिन भी उपलब्ध कराया गया है। 'दिव्यांगजन' के लिए 'सुगम्य पुस्तकालय' सुविधा आरंभ की गई है। यह पुस्तकालय ऑनलाइन है और कॉलेज की वेबसाइट पर एक लिंक उपलब्ध कराया गया है। वर्ष 2005 से यह पुस्तकालय पूरी तरह कंप्यूटरीकृत है और

पुस्तकों की प्राप्ति, कैटलॉगिंग तथा परिचालन के लिए लिबसिस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाता है। साहित्यिक चोरी जांच सुविधा भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय छात्रों के लिए एक बहुत प्रिय स्थान होता है। यह सभी कार्य दिवसों पर कॉलेज के सभी छात्रों के लिए खुला है। छात्र, उचित प्रक्रिया का पालन करके और अपने नाम में पुस्तकालय कार्ड जारी कराकर नि:शुल्क सदस्य बन सकते हैं। छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे, कॉलेज की पुस्तकालय सुविधा का इस्तेमाल करते समय निम्नलिखित नियमों और विनियमों का पालन करेंगे:

- पुस्तकालय में पूरी तरह मौन रहना चाहिए। पुस्तकालय में रहते समय सभी सैल फोन स्विच ऑफ कर दिए जाने चाहिए।
- कोई भी पाठक किसी पाठ्य सामग्री पर नहीं लिखेगा, उसे क्षतिग्रस्त नहीं करेगा या उस पर कोई निशान नहीं लगाएगा।
- पाठक, पुस्तक या पुस्तकालय की अन्य संपत्ति को कोई क्षति पहुंचाने के लिए जिम्मेदार होगा। उसके लिए यह आवश्यक होगा कि वह ऐसी पुस्तक या क्षतिग्रस्त संपत्ति प्रतिस्थापित करे या उसके मूल्य का भुगतान करे।
- संपत्ति पटल पर नैत्यक व्यक्तिगत सामान जमा करने की सुविधा, केवल उन्हीं पाठकों को प्रदान की जाती है जो वास्तव में पुस्तकालय में मौजूद हैं।
- पाठकों को ऐसे बैग संपत्ति पटल पर जमा नहीं करने चाहिए, जिनमें नकदी/अन्य बहुमूल्य वस्तुएं हों जैसे मोबाइल, जेवरात आदि। कॉलेज ऐसी किसी हानि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
- पुस्तकालय की सदस्यता, विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने के लिए उसके द्वारा रोल नंबर प्राप्त करने तक ही वैध होगी।
- पुस्तक जारी करने का पटल छोड़ने से पहले, पाठक स्वयं को इस बात से संतुष्ट करेगा कि क्या पुस्तक सुदृढ़ भौतिक स्थिति में है, अन्यथा वह पुस्तक

को होने वाली किसी क्षति के लिए और अद्यतन संस्करण की एक सुदृढ़ प्रति द्वारा इसके प्रतिस्थापन के लिए जिम्मेदार होगा।

टिप्पणी : छात्रों को सलाह दी जाती है और प्रोत्साहित किया जाता है कि वे, हमारे कॉलेज में उपलब्ध एन-लिस्ट - एक सुविधा के अंतर्गत ई-संसाधनों की एक्सेसिंग के लिए अपना ई-मेल आईडी दें।

सभागार

इस कॉलेज में, लगभग 250 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला एक पूरी तरह वातानुकूलित सभागार है। यह सभागार, फ्लोर माइकों, एक कंप्यूटर, एक स्क्रीन और एक प्रोजेक्टर जैसी दृश्य-श्रव्य सुविधाओं से लैस है। इसका इस्तेमाल, छात्रों और संकाय सदस्यों के लाभ के लिए संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, व्याख्यान, वाद-विवाद आयोजित करने के लिए किया जाता है।

कैंटीन

कैंटीन, छात्रों के लिए बैठने, एक अनौपचारिक तरीके से एक-दूसरे के साथ विचार-विमर्श करने और चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कॉलेज की कैंटीन छात्रों को अनेक प्रकार की खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराती है। इसमें, स्टाफ के लिए बैठने के एक अलग स्थान के साथ लगभग 10 व्यक्तियों के बैठने का पर्याप्त स्थान है। कॉलेज इस बात का हर प्रयास करता है कि छात्रों को किफायती मूल्य पर अच्छी किस्म का खाना उपलब्ध कराया जाए।

पावर बैक अप : कॉलेज में 125 केवीए और 62 केवीए के दो जेनरेटर सेटों के जरिए पूरा पावर बैक अप है।

VIII. आंतरिक जनोपयोगी सेवाएं

फोटोस्टेट : कॉलेज में लेखन-सामग्री व फोटोस्टेट दूकान उपलब्ध है और यह छात्रों को उचित दरों पर जीरॉक्सिंग सुविधा उपलब्ध कराती है।

बैंक : कॉलेज के परिसर में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स स्थित है। यह एक पूरी तरह कंप्यूटरीकृत शाखा है और कॉलेज के अध्यापन और गैर-अध्यापन स्टाफ, छात्रों तथा इस क्षेत्र के निवासियों को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इस बैंक की एटीएम सुविधाभी परिसर में ही उपलब्ध है।

चिकित्सा सुविधा : अध्यापकों, स्टाफ और छात्रों की चिकित्सा आवश्यकताएं पूरी करने के लिए कॉलेज के आवासीय परिसर में दिल्ली विश्वविद्यालय (पूर्वी परिसर) का डब्ल्यूयूएस केंद्र स्थित है। हालांकि कॉलेज को प्रथमोपचार सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है, परंतु छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज के माध्यम से 150/- रुपए के बहुत ही कम एकबारगी वार्षिक शुल्क के भुगतान पर प्रदान की जाने वाली इसकी सदस्यता स्वीकार करके विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त करें।

खुली व्यायामशाला, योग, ध्यान कुटीर एवं एक्यूप्रेशर पार्क : छात्रों के हॉलिस्टिक विकास को बढ़ावा देने और उन्हें तनावमुक्त करने के लिए एक वातावरण सृजित करने के साथ-साथ उनमें प्रकृति प्रेम की भावना भरने की दृष्टि से कॉलेज ने, 1800 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले, 17 व्यायाम मशीनों वाली खुली व्यायामशाला, योग, ध्यान कुटीर एवं एक्यूप्रेशर पार्क सृजित किए हैं। योग एवं ध्यान कुटीर, बांस की बनी है और लगभग 100 मीटर लंबा एक्यूप्रेशरपथ, अंतर्मुखी विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित है। यह व्यायामशाला बहुत सफल रही है और आशा है कि यह कॉलेज समुदाय के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का वर्धन करने में सहायक होगी।

छात्रा चिकित्सा एवं परामर्श कक्ष : उनके कल्याण के शारीरिक और मनावैज्ञानिक पहलुओं को बढ़ावा देने की दृष्टि से कॉलेज ने अपने अध्यापन ब्लॉक-। में छात्राओं के लिए चिकित्सा एवं परामर्श कक्ष सृजित किया है। उनकी शारीरिक/मानसिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रखने के लिए नियमित आधार पर चिकित्सा/परामर्श उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने के प्रयास किए जाएंगे।

छात्र अनुकूल ई-सुविधाएं : ऑनलाइन शुल्क प्रस्तुतीकरण सुविधा, कॉलेज पोर्टल पर उपलब्ध है। समाज के कमजोर वर्ग के सशक्तीकरण के लिए कॉलेज, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए छात्रवृत्तियां, पुस्तक बैंक सुविधा, पढ़ते हुए अर्जन के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराता है।

IX. क्लास रूम से परे ज्ञानार्जन : एक हॉलिस्टिक विकास की ओर

हालांकि क्लास रूम ज्ञानार्जन, छात्रों के जीवन का एक महत्वपूर्ण संघटक है, परंतु कॉलेज ने अपने मिशन के रूप में युवा मस्तिष्क के समग्र विकास को चुना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए विभिन्न विभाग, अंतर-कॉलेज स्तर पर पहेली, वाद-विवाद, प्रस्तुतीकरण, लेखन प्रतियोगिताएं आदि जैसे शैक्षिक और पाठ्येत्तर क्रियाकलाप आयोजित करते हैं। अंग्रेजी और हिंदी दोनों विभागों ने अंतर-कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के लिए अलग से एक-एक रनिंग ट्रॉफी संस्थापित की है। अर्थशास्त्र विभाग, अपनी रनिंग ट्रॉफी 'कौटिल्य' के लिए एक वार्षिक अंतर-कॉलेज पहेली प्रतियोगिता 'जिज्ञासा' आयोजित करता है।

विभाग, प्रतिष्ठित विद्वानों और विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श करने में छात्रों को समर्थ बनाने और उस कार्य/व्यावसायिक सेक्टर, जिसके लिए वे स्वयं को तैयार कर रहे हैं, की अच्छी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की दृष्टि से भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध विद्वानों और विशेषज्ञों को आमंत्रित करके विभिन्न संगोष्ठियां, कार्यशालाएं और व्याख्यान भी आयोजित करते हैं। बौद्धिक उत्तेजन के अलावा, छात्रों की रचनात्मक और भौतिक प्रतिभा तथा संभाव्यता को चैनेलाइज करने के लिए अंतर-विधा सांस्कृतिक एवं खेलकूद क्रियाकलाप आदि शैक्षिक पाठ्यचर्या के साथ आपस में जुड़े हुए हैं। अंतर-कॉलेज, अंत:कॉलेज और राष्ट्रीय स्तरों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए उनके पास अपार अवसर हैं।

(i) **सांस्कृतिक क्रियाकलाप :** सांस्कृतिक सोसाइटी, सबसे अधिक सक्रिय और गतिशील सोसाइटियों में से एक है। यह सांस्कृतिक उत्कृष्टता का निष्कर्ष

प्राप्त करने के विज़न के साथ काम करती है, अपने छात्रों को नृत्य, संगीत और नाट्य सहित विभिन्न कला रूपों में मार्गदर्शित अनुभव प्रदान करती है। छात्र अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, अत: अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतते हैं। पूरे वर्ष हमारे छात्र अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए और अंतर तथा अंत: कॉलेज प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतने के लिए कार्य करते हैं। सांस्कृतिक सोसायटी नृत्य, नाट्य, संगीत, रचनात्मक और फैशन सोसायटियां जैसी उप-सोसायटी के जरिए कार्य करती है। ये सोसायटियां छात्रों के बीच प्रतिभा का पता लगाने के सामान्य लक्ष्य के साथ तालमेल बैठाकर कार्य करती हैं। हमारा वार्षिक सांस्कृतिक पर्व एक ऐसा कार्यक्रम है जो ऐसी छिपी प्रतिभाओं को कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष हमारे सांस्कृतिक पर्व **चेतना राजमाताज 2019** में लगभग 1000 ऑनलाइन पंजीकरणों और भिन्न-भिन्न 20 कार्यक्रमों में सहभागिता के साथ 28 से अधिक कॉलेजों की सहभागिता देखी गई। भिन्न-भिन्न सोसायटियों में हमारे छात्रों की उपलब्धियों में से कुछ उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

शास्त्रीय नृत्य सोसायटी : उड़ान पर्व 2018 (1500 रुपए का पुरस्कार जीता), जे पी सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (5000 रुपए का प्रथम पुरस्कार जीता), टेकनिया संस्थान (वर्चस्व 2018) (तृतीय पुरस्कार)।

अस्तित्व-नाट्कीय सोसायटी उपलब्धियां : जेआईआईएमएस, रोहिणी में तृतीय पुरस्कार, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, जो नाटक के लिए सबसे प्रतिष्ठित संस्थान है, से 5000 रुपए का नकद पुरस्कार (**डॉ. तुलिका सनाध्य, संचालक)।**

(ii) खेल और खेलकूद : कोई क्रियाकलाप जो अनुशासन, शारीरिक शक्ति और दक्षता की भावना मन में बैठाती है, स्पष्ट रूप से युवा प्रगतिशील मस्तिष्कों के लिए महत्वपूर्ण है। खेलकूद क्रियाकलापों और खेलों को जीवन पद्धति

बनाना, बौद्धिक परिणाम में पर्याप्त वृद्धि करेगा और व्यक्ति को, दबाव में भी अच्छी तरह काम करने के लिए तैयार करेगा। कॉलेज को उसके पास लम्बा-चौड़ा खेल का मैदान होने का गर्व है और हमारे छात्र, विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और लगातार पहला और दूसरा स्थान जीत रहे हैं । इन क्रियाकलापों में क्रॉस कंटी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, सॉफ्ट बॉल, तैराकी, वॉली बाल, बेसबाल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबाल, खो-खो आदि शामिल हैं। कॉलेज ने अपनी बास्केट बाल, फुटबाल तथा नेट बाल फील्ड तैयार कर ली है। कॉलेज के अंदर एक नया इनडोर स्टेडियम निर्मित किए जाने का प्रस्ताव है **(डॉ. के.के. शर्मा, संचालक)**।

(iii) शैक्षिक/ सांस्कृतिक क्रियाकलाप : यह कॉलेज, अंतर्ध्वनि-15, जो दिल्ली विश्वविद्यालय का एक शैक्षिक और सांस्कृतिक समारोह है, में 2015 से सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे श्री श्री रवि शंकर जी से अच्छी प्रैक्टिस पर अपने स्टोल के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया। कॉलेज ने फरवरी 2016 में 'अभिव्यक्ति' का आयोजन किया, जिसमें भिन्न-भिन्न विभागों ने अपने शैक्षिक क्रियाकलाप और उपलब्धियां प्रस्तुत की। इसने छात्रों को अपना शैक्षिक कौशल प्रदर्शित करने का एक मंच उपलब्ध कराया। कॉलेज ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जन्म वर्षगांठ भी मनाई, जिसके द्वारा छात्रों को विशेष व्याख्यानों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और निबंध प्रतियोगिता के जरिए दूरदर्शी विचारों के संपर्क में आने के लिए प्रेरित किया गया।

(iv) आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति (आईक्यूएसी) : एनएएसी ने यह प्रस्ताव दिया है कि प्रत्येक मान्यताप्राप्त संस्थान को एक गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय के रूप में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) स्थापित करना चाहिए। इसलिए यह आईक्यूएसी कॉलेज प्रणाली का एक अभिन्न अंग बन गया है और गुणवत्ता वृद्धि तथा उसे बनाए रखने के लक्ष्य प्राप्त करने

के प्रति यह कार्य कर रहा है। आईक्यूएसी का प्राथमिक कार्य कॉलेज के समग्र कार्य-निष्पादन में सजग, सतत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली तैयार करना है। इसके लिए प्रत्यायन उत्तर अवधि के दौरान इस कॉलेज को समकक्ष समिति की अनुशंसाओं सहित हॉलिस्टिक शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति अपने प्रयास और उपाय चैनेलाइज करने की आवश्यकता है। आईक्यूएसी का कार्य गुणवत्ता वर्धन पहलों के आंतरिकीकरण और उसे संस्थागत करने के प्रति पहला कदम है। इसकी सफलता कॉलेज के सभी संघटकों में अपनेपन और सहभागिता की भावना पर निर्भर करती है। यह कॉलेज में एक अन्य रिकार्ड रखरखाव कार्य है। वास्तव में, यह कॉलेज का एक सुविधा प्रदायक और सहभागिता प्रणाली, इकाई और अंग है। यह आईक्यूएसी कॉलेज के गुणवत्ता वर्धन क्रियाकलापों में सभी वर्गों की सहभागिता से छात्र लाभग्राहियों सहित सभी स्टेकहोल्डरों को लाभ प्रदान करती है (**डॉ. अतुल प्रताप सिंह, संचालक**)।

(v) एनसीसी (बालक और बालिकाएं, सेना और नौसेना विंग) : समर्पित अध्यापकों, एनओज और प्रभारी के मार्गदर्शन और अभिप्रेरण में, एनसीसी का विकल्प चुनने वाले छात्र, घुड़सवारी, चट्टान आरोहण, पर्वतारोहण, पारासेलिंग, राफ्टिंग आदि सहित विभिन्न खेलकूद शिविरों में भाग ले रहे हैं। इस प्रयास के पीछे मूल उद्देश्य, एनसीसी कैडेटों के एक स्वस्थ, अनुशासित और समर्पित दल का निर्माण करना है। प्रधान मंत्री की रैली और गणतंत्र दिवस परेड तथा अनेक शिविरों में हमारे कैडेटों की जबरदस्त सहभागिता को एनसीसी इकाई कार्यालय द्वारा स्वीकार किया गया है। एनसीसी के संकाय प्रभारी का दल, 'लक्ष्य' शीर्षक वाली एक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करने के अलावा हर वर्ष इसी नाम से वार्षिक एनसीसी समारोह आयोजित करता है। अपने कैडेटों को योग का प्रशिक्षणदेना और गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना, कॉलेज के एनसीसी पाठ्यचर्या की महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं **[लेफ्टिनेंट (डॉ) राजबीर वत्स, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, सुश्री कनिका,**

केयरटेकर और सब-लेफ्टिनेंट (डॉ.) अरविंद कुमार यादव, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी]।

(vi) **छात्रों के लिए शैक्षिक विकास सोसाइटी :** शैक्षिक सत्र 2015-16 के लिए इस सोसाइटी के क्रियाकलापों में, 'दिल्ली विश्वविद्यालय नेतृत्व' : 'उभरते अवसर और चुनौतियां' शीर्षक वाली एक अंतर-कॉलेज संगोष्ठी 'खब्बे व्यक्तियों द्वारा धारित विशेष गुण' विषय पर एक विशेष वार्ता आयोजित करना शामिल था। इस सोसाइटी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दो सप्ताह का एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किया, जिसमें छात्रों को अपने स्वयं के व्यवसाय उद्यम स्थापित करने के तरीके पर प्रशिक्षित किया गया **(डॉ. संजय शर्मा, संचालक)**।

(vii) **कॉलेज पत्रिका** : यह कॉलेज, लेखन और साहित्यिक रुचि सृजित करने में छात्रों की सहायता करने और रचनात्मक संधियोजन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उनसे मुद्दों की एक व्यापक रेंज पर लेख आमंत्रित करके अपनी पत्रिका 'चेतना' प्रकाशित करता है। यह पत्रिका, एक ऐसा मंच उपलब्ध कराती है, जिसमें वे रुचि के अपने-अपने क्षेत्रों में अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। पूरे विश्व के प्रति संधियोजन करके और प्रतिक्रिया देकर युवा भावना स्वयं का अन्वेषण करती है और परिभाषित करती है **(संचालक : डॉ. आर.पी. द्विवेदी, संचालक)**।

(viii) **अनुसंधान संवर्धन** : कॉलेज ने, सामाजिक विज्ञान, मानविकियों और भाषाओं में एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-विधायी छमाही पत्रिका 'एकेडेमिया' का शुभारंभ किया है। इस पत्रिका का आईएसएसएन नंबर है और कॉलेज के रजत जयंती वर्ष के दौरान इसे ऐतिहासिक माना जा सकता है। यह, कॉलेज के अध्यापन स्टाफ के सहयोगात्मक प्रयासों का एक परिणाम है। इस पत्रिका के प्रति योगदान करने वालों में संकाय सदस्य, अग्रणी अनुसंधाता और छात्र भी शामिल हैं। इस कॉलेज का द्वितीय अंक प्रकाशित कर दिया गया है और कॉलेज के वार्षिक

दिवस समारोह के दौरान रिलीज कर दिया गया है। हाल ही में कॉलेज ने दो मोनोग्राफ भी निकाले हैं। संकाय सदस्यों ने अनुसंधान के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में अभिनव परियोजनाएं भी पूरी की हैं। हाल ही में दो संकाय सदस्य प्रतिष्ठित 'आईसीएसएसआर इम्प्रेस प्रोजेक्ट' पर भी कार्य कर रहे हैं **(संचालक: डॉ. बिष्णु मोहन दाश, संचालक)**।

(ix) **एनएसएस :** राष्ट्रीय सेवा योजना (एमएसएस) का उद्देश्य, निरंतर सामुदायिक विचार-विमर्श और विकास के जरिए छात्रों और अध्यापकों के बीच स्वैच्छिक कार्य की भावना मन में बैठाना है। यह शैक्षिक विशिष्ट वर्ग को समाज के निकट लाती है। वर्तमान में, कॉलेज की एनएसएस इकाई में 250 स्वयंसेवक हैं। एनएसएस के लक्ष्यों और उद्देश्यों और स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में एनएसएस स्वयंसेवकों को जागरूक बनाने के लिए 27 अगस्त, 2018 को एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कॉलेज परिसर में 16 अगस्त, 2018 को पर्यावरणीय जागरूकता के लिए एक वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया था। सड़क सुरक्षा और यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने की दृष्टि से वाहन चालन एवं यातायात अनुसंधान संस्थान, आईडीटीआर, वजीराबाद रोड, दिल्ली-110094 के सहयोग से एनएसएस इकाई द्वारा आधे दिन की एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। एनएसएस इकाई ने 15 सितंबर से 30 सितंबर, 2018 तक स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया। एनएसएस का स्थापना दिवस 24 सितंबर, 20198 को मनाया गया। 'लिवर केयर फाउंडेशन' नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने कॉलेज के परिसर में मंडप लगाया था। इस अवसर पर एनएसएस के कॉलेज दल द्वारा पोस्टर बनाने और वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता का विषय था "स्वच्छता ही सेवा"। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने केरल के प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री एकत्र की और 28 अगस्त, 2018 को केरला हाऊस को यह राहत सामग्री सौंपी **(डॉ. अवतार सिंह, संचालक)**।

(x) **जेंडर संवेदीकरण समिति** ने अपना कार्यक्रम/कार्यशाला 'जेंडर बेंडर' आयोजित की। इसमें पोस्टर बनाने और नारे लिखने की प्रतियोगिता भी आयोजित की। निम्नलिखित वार्ताएं आयोजित की गई: (i) गैर-संक्रामक रोगों का प्रभाव (ii) जेंडर संवेदीकरण (iii) महिला सशक्तीकरण और सुरक्षा **(डॉ. मोनिका एहलावत, संचालक)**।

(xi) **प्लेसमेंट सेल** : प्लेसमेंट समिति ने, हमारे परिसर में प्रतिष्ठित कंपनियों का प्लेसमेंट अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया। कुल मिलाकर, 14 कंपनियों ने कॉलेज का दौरा किया और 61 छात्रों को नौकरी प्रदान की गई। परिसर का दौरा करने वाली कुछ कंपनियां बजाज कैपिटल, ब्रिटिश टेलकॉम, यूनिवर्सल डाटा साल्यूशन आदि जैसी कंपनियां थीं। इसने छात्रों के लाभ के लिए "व्यावसायिक सीवी लिखना" और "समूह चर्चा तथा साक्षात्कार के लिए तैयारी कैसे की जाए" विषय पर वार्ता भी आयोजित की **(डॉ. ललित कुमार, संचालक)**।

(xii) **समर्थकारी समान अवसर सेल :** दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, विकलांग श्रेणी के छात्रों को, कॉलेज द्वारा चलाए जाने वाले भिन्न-भिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला किया जाता है। यह कॉलेज यह सुनिश्चित करने का हर प्रयास करता है कि विकलांग छात्रों की कक्षाएं पहुंचयोग्य बनाई जाएं ताकि ऐसे छात्रों को कम से कम असुविधा हो। सभी विकलांग छात्रों को, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए दिशानिर्देशों के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। 'सहयोग' नामक एक सोसाइटी गठित की गई है, जिसमें विकलांग छात्रों के बेहतर शैक्षिक और सह-पाठ्चर्या कार्य-निष्पादन के लिए उनका मार्गदर्शन, सहायता और सहयोग करने के उद्देश्य से कॉलेज के इच्छुक छात्रों को सदस्य के रूप में नामांकित किया जाता है। 'विकलांग' विषय पर एक नारे और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें, 50 छात्रों ने भाग लिया **(डॉ. नीरव अदलजा, संचालक)**।

(xiii) कॅरियर मार्गदर्शन और सक्षमता निर्माण : ऐसे छात्रों, जो विभिन्न क्षेत्रों में अपना कॅरियर बनाना चहते हैं और स्नातक के पश्चात प्रतियोगी परीक्षाओं में भी भाग लेना चाहते हैं, को अवसर उपलब्ध कराने के लिए कॅरियर मार्गदर्शन और सक्षमता निर्माण समिति जिम्मेदार है **(डॉ. नवीन कुमार, संचालक)**।

(xiv) उद्यान/इको क्लब : कॉलेज का उद्यान/इको क्लब, ग्रीन कवर में वृद्धि करने और छात्रों को हमारे वातावरण को संरक्षित करने तथा बढ़ावा देने की आवश्यकता के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए कार्य करता है। क्लब के क्रियाकलापों में, पर्यावरण से संबंधित कार्यशालाएं, वाद-विवाद, नाट्यकला और अन्य विचार-विमर्शी कार्यक्रम शामिल हैं, जिनमें छात्र उत्साह और रुचि के साथ भाग लेते हैं। इस इको क्लब के तत्वावधान में पिछले तीन वर्षों के दौरान विकसित हर्बल और रोज गार्डन, विश्वविद्यालय में सर्वोत्तम जाने जाते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर टेलीविज़न पर दिखाए जाते हैं। कॉलेज ने परिसर में सौर पैनल और पेपर रिसाइक्लिंग इकाई भी संस्थापित की है **(डॉ. राजबीर वत्स, संयोजक, इको क्लब और; डॉ. ललित कुमार, संयोजक, बागबानी समिति)**।

(xv) हरित कैडेट : हरित कैडेट एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसके जरिए कॉलेज का उद्देश्य छात्रों के ऐसे दल का निर्माण करना है, जिन्हें जागरूकता फैलाने, प्रकृति के लिए प्रेम को बढ़ावा देने और वातावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों के दक्ष प्रबंधन और कॉलेज के अंदर तथा बाहर उनके स्थायित्व के लिए प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने के लिए सामाजिक रूप से समर्पित कार्योन्मुखी विद्वान व्यक्तियों के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। ग्रीन कैडेटों के प्रशिक्षण मॉड्यूल में, जागरूकता सत्र, कौशल निर्माण कार्यशालाएं, चलचित्र स्क्रीनिंग और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। इस कार्य की देखरेख **डॉ. राजबीर वत्स** द्वारा की जाती है।

(xvi) कॉलेज परामर्श केंद्र : परामर्श पर जनवरी 2020 में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। समिति के सदस्यों द्वारा छात्रों को नियमित काउंसलिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। बाह्य विद्वान व्यक्तियों द्वारा काउंसलिंग के भिन्न-भिन्न स्कंधों पर कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं **(डॉ. ऋचा चौधरी, संचालक)**।

(xvii) पूर्वोत्तर सैल/विदेशी छात्र सलाहकार : इस सैल का उद्देश्य, पूर्वोत्तर के और विदेशी छात्रों को अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। यह, विविध संस्कृतियों की समझबूझ में वृद्धि करने और जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास करता है। यह, यदि अपेक्षित हो, व्यक्तिगत परामर्श भी प्रदान करता है ताकि प्रभावी और दक्ष व्यक्ति बनने में स्वयं की सहायता करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित और प्रेरित किया जा सके **(संचालक : सुश्री ए. विक्टोरिया चानु)**।

(xviii) रेड रिबन क्लब : रेड रिबल क्लब स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी विषयों पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। रक्तदान कैंप, एचआईवी/एड्स जागरूकता पर सत्र और परस्पर विचार-विमर्शी व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे **(डॉ. ऋचा चौधरी, संचालक)**।

(xix) पूर्व-छात्र क्लब : कॉलेज का पूर्व-छात्र क्लब एक बहुत गतिशील निकाय है। यह, बड़ी संख्या में हमारे छात्रों को शामिल करते हुए सभी पूर्व-छात्र क्रियाकलाप आयोजित और समन्वित करता है। यह कॉलेज, फरवरी के पहले सप्ताह में हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले पूर्व-छात्र समारोह में उन्हें सम्मानित करके अपने पूर्व-छात्र के प्रयासों, प्रतिभाओं और उपलब्धियों को मान्यता देता रहा है। यह कॉलेज, पूर्व-छात्रों की एक अद्यतनीकृत डायरेक्टरी भी प्रकाशित करता है **(डॉ. राजबीर वत्स, संयोजक)।**

सामाजिक विकास

(xx) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों सहित कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए जीवन कौशल निर्माण कार्यशाला/क्रियाकलाप : यह कॉलेज, उनके शैक्षिक

समृद्धिकरण, जीवन कौशल निर्माण और आत्मसम्मान की भावना से उन्हें सशक्त बनाने में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की सहायता करने के लिए विशेष कार्यशालाएं/कार्यक्रम आयोजित करता है। इस कॉलेज को, नि:शुल्क कोचिंग और उपचारात्मक कक्षाएं उपलब्ध कराने तथा उन्हें प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पहले अनुदान प्रदान किया गया है।

(xxi) योग कक्ष : कॉलेज के कार्यचालन के एक गुंजायमान भाग के रूप में योग समिति पूरे वर्ष अनेक क्रियाकलाप आयोजित करती है। अपना प्रमुख कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आरंभ करते हुए, हर वर्ष यह समिति कॉलेज के छात्रों के नैतिक कार्य में योग और ध्यान छात्रों के मन में बैठाना चाहती है। यह उद्देश्य प्राप्त करने के लिए प्रात: 7.45 बजे से 8.45 बजे तक प्रति दिन कॉलेज के छात्रों को विशेष योग सत्र प्रदान किए जाते हैं। ये सत्र नि:शुल्क हैं और इनका पर्यवेक्षण भारतीय योग संस्थान के प्रशिक्षुकों के विशेषज्ञताप्राप्त मार्गदर्शन में किया जाता है। योग समिति नियमित आधार पर अनेक संवर्धनात्मक कार्यक्रम भी आयोजित करती है, जिनमें योग सम्मेलन, व्याख्यान और वार्ताएं शामिल हैं। योग सोसायटी में सभी छात्रों के लिए पंजीकरण खुला है **(डॉ. संगीता शर्मा, संचालक)**।

(xxii) सामाजिक विकास के साधन के रूप में कॉलेज : यह कॉलेज, जेंडर न्याय और आर्थिक सशक्तीकरण के जरिए महिला विकास के लिए कुछ कार्य कर रहा है। पूर्व में, जन शिक्षा संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एनएसएस इकाई, आस-पास के क्षेत्रों की कमजोर वर्ग की लगभग 100 महिलाओं को, पोशाक बनाने (80 दिन), कसीदाकारी - हाथ और मशीन से (100 दिन) और ब्यूटी कल्चर एवं स्वास्थ्य सुरक्षा (60 दिन) में बिल्कुल ही नि:शुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के काम में लगा रहा।

(xxiii) डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन : राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन) का उद्देश्य, सभी कॉलेजों में वालंटियर छात्रों को प्रशिक्षित और नियुक्त करना है **(समन्वयक, डॉ. सरला देवी भारद्वाज)।**

(xxiv) तंबाकू प्रतिरोधी अभियान : दिल्ली विश्वविद्यालय और विश्व फेफडा फाउंडेशन - दक्षिण एशिया (डब्ल्यूएलएफ-एसए) संयुक्त के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पूरा कॉलेज एक "धूम्रपान निषिद्ध क्षेत्र" है। कॉलेज ने, तंबाकूमुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के बीच एक तंबाकू प्रतिरोधी दस्ता गठित किया है। आरंभिक चरण में प्राथमिक फोकस, शैक्षिक व अभिप्रेरणात्मक अभियानों, जागरूकता सृजन शिविरों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं, पोस्टर और नारे प्रतियोगिताओ, रैलियों, नुक्कड़ नाटकों, आदि तथा मौजूदा तंबाकू प्रतिरोधी कानूनों के प्रवर्तन पर है **(डॉ. अरविंद यादव, संचालक)**।

(xxv) स्वच्छता अभियान सैल : स्वच्छता अभियान सैल/समिति ने दो प्रमुख स्वच्छता अभियान चलाए - एक विशेष सप्ताह लंबा अभियान और दूसरा एक दिवसीय अभियान, दोनों ही इस वर्ष अपेक्षाकृत अधिक उत्साह के साथ चलाए गए। इसने छात्रों और इस कॉलेज से संबद्ध सभी के बीच जागरूकता फैलाई और इस अभियान को सफल बनाया **(डॉ. आर.पी. द्विवेदी, संयोजक)।**

(xxvi) इस कॉलेज को, नकदी रहित अर्थव्यवस्था को सुसाध्य बनाने और पारदर्शी खरीद पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए जीईएम के साथ पंजीकृत भी किया गया है।

(xxvii) निधि प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कॉलेज पीएफएमएस के साथ पंजीकृत है।

(xxviii) गांधी अध्ययन सर्कल : गांधी अध्ययन सर्कल का संचालन डॉ. वी.के. सिंह, जो सामाजिक कार्य के एसोसिएट प्रोफेसर हैं, द्वारा किया जाता है। यह

गांधी अध्ययन सर्कल यात्रा, पहेली, चरखा प्रतियोगिता, वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान, फिल्म शो और महात्मा गांधी से संबंधित महत्वपूर्ण स्थानों के दौरे आयोजित करके 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। महात्मा गांधी पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। स्वयंसेवक छात्र महात्मा गांधी के जीवन और उनके संदेश से लाभान्वित होंगे **(डॉ. वी.पी. सिंह, संचालक)**।

X. परिसर जीवन : सूचना और दिशानिर्देश

शैक्षिक सत्र : छात्रों कोसलाह दी जाती है कि वे प्राचार्य के स्वागत संबोधन के लिए 19 जुलाई, 2019 को प्रात: 10.00 बजे और अभिमुखीकरण कार्यक्रम के लिए प्रात: 11.30 बजे अध्यापन ब्लॉक में एकत्र होंगे। शैक्षिक सत्र बृहस्पतिवाद, 20 जुलाई, 2019 को प्रात: 8.30 बजे आरंभ होगा।

पहचान पत्र : अपने पहचान पत्र के लिए प्रत्येक छात्र को अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) से संपर्क करना चाहिए। उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह कॉलेज में रहते हुए हर समय इसे अपने पास रखे और कॉलेज के प्राधिकृत स्टाफ सदस्यों द्वारा जब कभी इसे प्रस्तुत करने को कहा जाए, उसे यह प्रस्तुत करना होगा।

उपस्थिति : प्रत्येक छात्रको, शैक्षिक सत्र के दौरान आयोजित किए गए कुल व्याख्यानों/ ट्यूटोरियलों/ आदेशात्मक ट्यूटोरियलों की कुल संख्या के कम से कम **दो-तिहाई** में और प्रयोगात्मक के कम से कम तीन-चौथाई में भाग लेना होगा। कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में फील्ड प्रशिक्षण भी अनिवार्य है। छात्रों को पूरे वर्ष नियमित रहने की सलाह दी जाती है। बीमार हो जाने की स्थिति में छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे ठीक होने के पश्चात कार्य ग्रहण करने पर तुरंत कॉलेज कार्यालय में अपने चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें, ऐसा करने में विफल रहने पर किसी भी आधार पर किसी चिकित्सा प्रमणपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। आमतौर पर

किसी छात्र को उपस्थिति में कोई छूट नहीं दी जाती। प्रवेश पत्र, कॉलेज के निर्णय के अनुसार जारी किया जा सकता है। कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह संकटकालीन न्यूनतम उपस्थिति प्रतिशत की शर्त लगा सके और विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों का पालन करे। उपस्थिति की कमी के मामले में, छात्रों को विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार माना जाएगा।

परीक्षा अनुसूची : यह कॉलेज, अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं क्रमश: नवंबर/ दिसंबर और अप्रैल/ मई के महीनों में (विश्वविद्यालय की अनुसूची/दिशानिर्देशों के अनुसार) आयोजित करेगा। कॉलेज को यह अधिकार प्राप्त है कि वह किसी छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने की अनुमति न दे यदि वह विश्वविद्यालय या कॉलेज की देय धनराशियों का निपटान नहीं करता या निपटान करने में विफल रहता है। ऐसा कोई छात्र, प्राचार्य की ट्रॉफी या सर्वोत्तम छात्र का पुरस्कार आदि के लिए स्वत: ही अनर्हक हो जाएगा।

आंतरिक मूल्यांकन (अध्यादेश VIII-ई) : प्रत्येक पेपर (सिद्धांत और प्रयोगात्मक) में, निरंतर आधार पर आंतरिक मूल्यांकन के लिए अधिकतम 25% अंक और बाकी 75% अंक वार्षिक/सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए निश्चित किए जाएंगे। ऐसा मूल्यांकन, आंतरिक परीक्षा या क्लास टेस्ट (टेस्टों)/प्रश्नोत्तरी (प्रश्नोत्तरियों), असाइनमेंट/ ट्यूटोरियलों/ संगोष्ठियों/ टेस्टों और उपस्थिति पर निम्नलिखित रूप में आधारित होगा:

1. आंतरिक मूल्यांकन के लिए 25% अंकों में से 10% भारांश, सभी पाठ्यक्रमों के सभी पेपरों के लिए कॉलेज द्वारा आयोजित की जाने वाली आंतरिक परीक्षाओं (वार्षिक परीक्षा योजना के लिए) और क्लास टेस्ट (टेस्टों)/ प्रश्नोत्तरी (प्रश्नोत्तरियों) (सेमेस्टर परीक्षा योजना के लिए) दिया जाता है।
2. प्रत्येक छात्र का मूल्यांकन, लिखित असाइनमेंट/ ट्यूटोरियलों/ परियोजना रिपोर्टों/ आवधिक पेपरों/ संगोष्ठियों के आधार पर किया जाएगा और इसका 10% भारांश होगा।

3. उपस्थिति का भारांश निम्निलखित है: (i) आयोजित किए गए कुल व्याख्यानों का 67% या इससे अधिक परंतु 70% से कम - 1 अंक; (ii) 70% या इससे अधिक परंतु 75% से कम - 2 अंक; (iii) 75% या इससे अधिक परंतु 80% से कम - 3 अंक; (iv) 80% या इससे अधिक परंतु 85% से कम - 4 अंक; और (v) 85% और इससे अधिक - 5 अंक।

कॉलेज छात्र परिषद्

इस कॉलेज में, स्वयं छात्रों द्वारा निर्वाचित एक बहुत ही गतिशील और सक्रिय छात्र परिषद है। संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में यह कॉलेज के विभिन्न क्रियाकलाप आयोजित करती है। स्टाफ परिषद् की समितियां, सांस्कृतिक और खेलकूद सचिव नामांकित करती हैं। चार पदों - अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव में से एक पद, छात्रा के लिए आरक्षित है। सभी पदाधिकारी सामान्य तौर पर शैक्षिक सत्र के अंतिम दिन तक पद पर रहते हैं बशर्ते कि उन्हें उनके पद के कार्यकाल के दौरान किसी अनर्हकता द्वारा दंड न दिया गया हो।

कॉलेज छात्र परिषद में निर्वाचन के सामान्य नियम

माननीय उच्चतम न्यायालय ने डीयूएसयू और कॉलेज की छात्र परिषद् के निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता के संबंध में पहले ही दिशानिर्देश दे दिए हैं। छात्र परिषद् का चुनाव कराने के लिए कॉलेज इन दिशानिर्देशों का पालन करेगा, जो निम्नलिखित हैं:

निर्वाचन के इच्छुक के लिए पात्रता संबंधी मापदंड

1. अभ्यर्थी, कॉलेज के किसी नियमित, पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में नामांकित होना चाहिए।
2. निर्वाचन की तारीख को यथास्थिति 17 और 22 वर्ष की आयु के बीच/विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार का स्नातक-पूर्व छात्र चुनाव लड़ सकता है।

3. अभ्यर्थी का किसी भी स्थिति में, चुनाव लड़ने के वर्ष में कोई शैक्षिक बकाया नहीं होना चाहिए।
4. अभ्यर्थी को न्यूनतम 75% उपस्थिति प्राप्त करनी चाहिए।
5. अभ्यर्थी, नामांकन फार्मों की संवीक्षा की तारीख तक कॉलेज के प्रति सभी देय धनराशियों का भुगतान करन देने वाला होना चाहिए।
6. पदाधिकारी के पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए कुल मिलाकर अभ्यर्थी को केवल एक अवसर प्रापत होगा।
7. अभ्यर्थी का न तो कोई पूर्व आपराधिक रिकार्ड होना चाहिए और न ही कॉलेज/विश्वविद्यालय प्राधिकारियों द्वारा उसके विरुद्ध कोई अनुशासनिक कार्यवाही/कार्रवाई की गई होनी चाहिए।
8. अभ्यर्थी के पास कोई अन्य ऐसा आधार नहीं होना चाहिए जिसे कॉलेज और विश्वविद्यालय की आदर्श आचार संहिता द्वारा अनर्हक के रूप में माना जा सकता है।
9. अंतरण वाले/पुन: दाखिल किए गए छात्रों को, विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार चुनाव लड़ने की अनुमति दी जाएगी।

निर्वाचन संबंधी खर्च

1. किसी अभ्यर्थी के लिए खर्च की अधिकतम अनुमत सीमा 5000/- होगी।
2. प्रत्येक अभ्यर्थी, परिणामों की घोषणा के दो सप्ताह के अंदर कॉलेज प्राधिकारियों के पास पूरे लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत करेगा। कॉलेज, एक उचित माध्यम के जरिए, इन लेखाओं के प्रस्तुतीकरण के दो दिन के अंदर सभी लेखापरीक्षित लेखे प्रकाशित करेगा ताकि छात्र संकाय का प्रत्येक सदस्य स्वतंत्रतापूर्वक इनकी जांच कर सके।
3. अभ्यर्थियों पर, छात्र निकाय से स्वैच्छिक अंशदान के अलावा किसी अन्य स्रोत से निधियों का उपयोग करने से विशेष रूप से प्रतिबंध है।

4. कोई अनुपालन न करने की स्थिति में या कोई अधिक खर्च हो जाने की स्थिति में अभ्यर्थी का चुनाव रद्द हो जाएगा।

निधियों के संग्रहण और प्रायोजन प्राप्त करने पर प्रतिबंध

खिलाड़ियों, छात्र परिषद और शैक्षिक सोसाइटियों के पदाधिकारियों सहित कॉलेज के छात्र, कॉलेज की ओर से किसी भी तरीके से किसी कंपनी या जनता से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से किसी कंपनी या जनता से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई धनराशि संगृहीत करने या प्रायोजन प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत नहीं हैं। किसी छात्र द्वारा इस नियम के किसी उल्लंघन को अनुशासन भंग के रूप में माना जाएगा और कठोर दंड दिया जाएगा, जिसमें निर्वाचित पद से हटायाजाना और/या कॉलेज से निष्कासन और/या विश्वविद्यालय परीक्षा से वंचित करना शामिल है। अधिक परिवर्तनों और स्पष्टीकरणों के लिए कृपया विश्वविद्यालय के दिशानिर्देश देखें।

XI. अनुशासन

अनुशासनहीनता, रैगिंग और यौन उत्पीड़न के मुद्दों के संबंध में कॉलेज, विश्वविद्यालय के अध्यादेशों का अक्षरश: पालन करेगा। इन अध्यादेशों का संक्षिप्त सारांश नीचे दिया गया है:

(क) यह कॉलेज अनुशासन बनाए रखने के लि प्रसिद्ध है, जिसकी सराहना छात्राओं के माता-पिता द्वारा विशेष रूप से की जाती है। प्रोक्टोरियल बोर्ड/संयुक्त परामर्श समिति कॉलेज में मुख्यत: एक स्वस्थ और शांत वातावरण को बढ़ावा देने के लिए कार्य करती है। **छात्रों को यह नोट करना चाहिए कि आचरण के निम्नलिखित पहलुओं को अनुशासन भंग और कॉलेज के सामान्य कार्यचालन में हस्तक्षेप माना जाएगा और इसके लिए समुचित कार्रवाई की जा सकेगी:**

- सौंपे गए कार्यों और कक्षा कार्य के प्रति लापरवाही;

- किसी कक्षा में व्यवधान पहुंचाना या जोर-जोर से संगीत सुनना या क्लास रूम के बाहर चिल्लाना और कॉलेज परिसर में मटरगश्ती करना;
- अध्यापकों या कॉलेज के किसी प्राधिकारी की आज्ञा का उल्लंघन करना या कोई उत्पाति व्यवहार करना;
- क्लास रूम में दुर्व्यवहार, फर्नीचर या उपकरण या कॉलेज की किसी अन्य संपत्ति को क्षति पहुंचाना;
- परेशानी उत्पन्न करने, चिढ़ाने, अवज्ञा की भाषा का इस्तेमाल करने के लिए अन्यों को उकसाना;
- कॉलेज परिसर में धूम्रपान करना;
- किसी भी रूप में रैगिंग करना;
- प्राचार्य की अनुमति के बिना कोई सोसाइटी बनाना और सहपाठियों से धन एकत्र करना;
- अध्यापन ब्लॉक/क्लास रूम/प्राचार्य के कार्यालय के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना और जोर-जोर से संगीत सुनना और अनुमति के बिना कॉलेज परिसर में रिकार्डिंग के लिए फोटो लेना;
- समय-समय पर अनुशासन समिति/ प्रोक्टोरियल बोर्ड/प्राचार्य द्वारा सूची में शामिल किया गया कोई अन्य कृत्य;
- किसी छात्र, अध्यापन और गैर-अध्यापन स्टाफ के प्रति शारीरिक प्रहार या शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल करने की धमकी देना;
- किसी भी तरीके से रिश्वत देना या भ्रष्टाचार का प्रयास करना;
- कॉलेज की संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना;
- धार्मिक या सामुदायिक आधार पर दुर्भावना या असहनशीलता उत्पन्न करना;
- कॉलेज के शैक्षिक कार्यचालन में किसी तरीके से व्यवधान उत्पन्न करना;

- छात्रों को, सामाजिक मीडिया का दुरुपयोग न करने की सलाह दी जाती है।

इसके अलावा, कॉलेज, छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना सुनिश्चित करेगा जैसाकि अध्यादेश XVख के अंतर्गत अपेक्षित है।

- कॉलेज के प्राचार्य को यह प्राधिकार प्राप्त होगा कि वह कॉलेज में छात्रों पर उन सभी अनुशासनिक शक्तियों का इस्तेमाल करे जो संस्थान को उचित ढंग से चलाने के लिए आवश्यक हैं। वह, कॉलेज में कुछ अध्यापकों के माध्यमसे अपने प्राधिकार का इस्तेमाल कर सकता है या उन्हें प्राधिकार प्रत्यायोजित कर सकता है, जो वह इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से उल्लेख करे।
- दाखिले के समय पर,प्रत्येक छात्र के लिए यह आवश्यक होगा कि वह एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करे कि दाखिल किए जाने पर वह स्वयं को कॉलेज के प्राधिकारी के अनुशासनिक क्षेत्राधिकार में लाता/लाती है।

टिप्पणी : होली के नाम पर उत्पीड़न करने से विश्वविद्यालय अध्यादेश XV-ख, रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम, 2013 तथा XV-ङ के अंतर्गत अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

यदि कोई छात्र किसी नियम का उल्लंघन करता है और अनुशासन भंग करता है तो की जाने वाली कार्रवाई में चेतावनी और/या जुर्मानाऔर/या कक्षाओं या पुस्तकालय से निलंबन या यहां तक कि परीक्षा से विवर्जन या विश्वविद्यालय अध्यादेशों में यथाविनिर्धारित या अध्यादेश XV (ख) और विश्वविद्यालय के नियमों के रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम, 2013 के आलोक में प्रोक्टोरियल बोर्ड/ प्राचार्य/ विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार कार्रवाई शामिल हो सकती है।

(ख) रैगिंग : माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निषिद्ध

भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने दिनांक 26/02/2009 के निर्णय सं. 370/04/XI-क के अंतर्गत व्यवस्था दी है कि "किसी भी रूप में रैगिंग, मानवाधिकार का उल्लंघन है।" विभिन्न रूपों, जिन्हें रैगिंग माना जा सकता है, में निम्नलिखित को मुख्य रूप से नोट किया जाए:

1. रैगिंग में, परिचय, चिढ़ाना, आतंकित करना, उत्पीड़न, क्रूरता, डर और शारीरिक तथा मानसिक कष्ट या शोरशराबे वाला, अव्यवस्थित आचरण दर्शाना या कनिष्ठ छात्रों पर क्रियात्मक चुटकुले छोड़ना जैसे क्रियाकलाप शामिल हैं, चाहे वे बोले गए या लिखित शब्दों द्वारा हों या किसी कृत्या द्वारा जिसमें चिढ़ाने का प्रभाव हो।
2. इसका अर्थ ऐसे उपद्रवी या अनुशासित गतिविधि में शामिल होना भी है, जो किसी फ्रेशर या जूनियर छात्र के लिए चिढ़न, कठिनाइयां या मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचाती हो या डर उत्पन्न करती हो या ऐसा करने की संभावना हो।
3. रैगिंग में, किसी जूनियर छात्र को कोई ऐसा कृत्य या कार्य करने को कहना भी शामिल है जो वह छात्र सामान्य रूप से नहीं करेगा और जिसमें शर्म या परेशान होने की भावना उत्पन्न होने का प्रभाव हो ताकि किसी फ्रेशर या जूनियर छात्र के शरीर या मन को प्रतिकूलत: प्रभावित करे।

माननीय न्यायालय के निर्णयों के अनुसार रैगिंग के दोषी पाए गए किसी छात्र को तुरंत कॉलेज से निष्कासित कर दिया जाएगा। इसके अलावा, पुलिस को सूचित किया जाएगा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त निर्देशों के अनुसार भारी दंड के अलावा अपराधकर्ता के विरुद्ध आपराधिक कानून के अंतर्गत मुकदमा चलाया जाएगा।

रैगिंग : अध्यादेश XV-ग के अंतर्गत निषिद्ध और दंडनीय

यह कॉलेज अपनी रैगिंग प्रतिरोधी समिति के जरिए अक्षरश: ऊपर उल्लिखित अध्यादेश का कठोरता से पालन करता है। किसी रूप में किसी भी प्रकार के रैगिंग का सामना करने वाले किसी छात्र को तुरंत रैगिंग प्रतिरोधी समिति के किसी सदस्य या प्राचार्य के कार्यालय से संपर्क करना चाहिए या वह निम्नलिखित रूप में भी संपर्क कर सकता है:

- 100 डायल कर सकता है या निकटतम पीसीआर वैन को सूचित करता है।
- 1091 पर कॉल कर सकता है।
- पोस्ट बॉक्स नंबर 5353, नई दिल्ली-110021 पर शिकायत लिख सकता है।

(ग) यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत निषेध और दंड

यह कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश का अक्षरश: कठोरता से पालन करता है। यह, छात्रों, शिक्षकों और दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर-अध्यापन स्टाफ के लिए यौन उत्पीड़न मुक्त शैक्षिक और कार्य वातावरण बनाए रखने और उत्पन्न करने का प्रयत्न करता है। अध्यादेश, इसमें विनिर्दिष्ट नियमों और प्रक्रियाओं की सीमा तक दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों और निवासियों पर भी लागू होता है। कॉलेज द्वारा प्राप्त ऐसी शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की गई है। अधिक जानकारी के लिए आप कॉलेज की वेबसाइट और अन्य संबंधित वेबसाइट देख सकते हैं।

http://indiacode.nic.in/acts-in-pdf/142013.pdf

महिला सुरक्षा : महिला सुरक्षा के लिए कॉलेज द्वारा समुचित उपाय किए जाते हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम

- सूचना प्राप्त करने के लिए आवेदनपत्र, प्राचार्य, डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज को भुगतानयोग्य 10/- रुपए के विनिर्धारित शुल्क का भुगतान करके दिया जा सकता है। प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (प्राचार्य) के समक्ष अपील भी प्रस्तुत की जा सकती है।
- सुसंगत धाराओं के अंतर्गत तैयार किए गए मैनुअल कॉलेज की वेबसाइट www.drambedkarcollege.ac.in पर उपलब्ध हैं।
- कॉलेज का लोक सूचना अधिकारी : डॉ. एम.एस. वत्स (9868726525); सहायक लोक सूचना अधिकारी : डॉ. रविंद्र सिंह (9999570108); श्रीमती रामा सोइन (9868133503) और अपीलीय प्राधिकारी / प्राचार्य।

XII. शैक्षिक और खेलकूद में प्रमुख उपलब्धियां

हमारे अनेक छात्र, विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में और अंतर-कॉलेज, अंतर-विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर उत्कृष्टता प्राप्त करने हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है:

1. शैक्षिक		
शैक्षिक क्षेत्रों में विश्वविद्यालय स्थान धारक		
2012	**2013**	**2014**
प्रथम स्थान एकता सिंह, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (तीसरा वर्ष) विपिन खरकवाल, बी.ए. (ऑनर्स) एचजेएंडएमसी (दूसरा वर्ष) **दूसरा स्थान** सुदिती झा, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (दूसरा वर्ष)	**प्रथम स्थान** सुदिती झा, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (तीसरा वर्ष) विपिन खरकवाल, बी.ए. (ऑनर्स) एचजेएंडएमसी (तीसरा वर्ष) ज्योति, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (दूसरा वर्ष) **दूसरा स्थान**	**प्रथम स्थान** ज्योति, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (तीसरा वर्ष) **दूसरा स्थान** अपर्णा शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (तीसरा वर्ष) **तीसरा स्थान** अंकित भदौरिया, सामाजिक

तीसरा स्थान पौरुष, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (दूसरा वर्ष) अनुराग मित्तल, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (तीसरा वर्ष)	अपर्णा शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य (दूसरा वर्ष)	कार्य (तीसरा वर्ष)

2.1 खेलकूद

खेलकूद में छात्रों की उपलब्धियां (2018-19)

खेलकूद	प्रतियोगिता का प्रकार	स्थान	व्यक्ति/विजेता टीम का नाम
शूटिंग	इंडियन स्क्वायड	-	आरजू
क्रिकेट	कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19	सहभागिता	शिवेंद्र कुमार शर्मा
वालीवाल	अंतर-कॉलेज बिट्स-पिलानी पीजीडीएवी एआरएसडी (ओपन टूर्नामेंट) सीनियर नेशनल	दूसरा स्थान प्रथम स्थान प्रथम स्थान प्रथम स्थान सहभागिता	कर्मवीर, अनुराग, विनय, अनिल, आकाश, राहुल, कपिल, शुभम राठी, शुभम, अभीर, अमित, आशुतोष, अनुराग
पीजपोलो (महिला)	जूनियर नेशनल	द्वितीय स्थान	दीक्षा, हर्शिका, अंजलि, वर्षा, सपना, सोनिया, तर्रनम
सॉफटबाल	अंतर-विश्विद्यालय कैम्प (चयनित)	भाग लिया	शिवम, कुलदीप, जतिल, शिलेंद्र, अमरजीत, दीप, अरशद, चंदन
फुटबाल	अंतर-विश्वविद्यालय कैम्प	चयनित	अर्जुन
बास्केट बाल	आईआईटी, कानपुर	चतुर्थ स्थान	रोहन, कनिष्क, रितिक, मयंक, प्रेय, राज, तुषार, अरिहंत, हर्पित, अभिजीत, टिशाया, शिवम
बेसबाल	अंतर-कॉलेज	द्वितीय स्थान	नवीन, शकील, उजेर खान, अभिनव कुमार, शाहिल, शिवम, कुलदीप, जतिल, शिलेंद्र, अमरजीत, दीप, अरशद, चंदन

शूटिंग	एआईयू (चयनित)	चयनित	आरजू, प्रतीक, रितेश तंवर
	अंतर-कॉलेज	द्वितीय स्थान	आरजू
	सीनियर नेशनल	चतुर्थ स्थान	प्रतीक, मनीष राणा, सृजन
	दिल्ली राज्य	प्रथम स्थान	रितेश तंवर

फुटबाल	अंतर-विश्वविद्यालय	वैभव त्यागी
क्रिकेट	अंतर-विश्वविद्यालय	संदीप सैनी, अंकुर तेवतिया
हैंडबाल	राज्य	सचिन
नेटबाल	राज्य	जसविंदर, राज, तुषार, सुमित

XIII. प्रत्येक पाठ्यक्रम का वर्ष-वार विवरण

शैक्षिक सत्र		2014			2015			2016			2017			2018		
पाठ्यक्रम का नाम	वर्ष	शामिल हुए छात्रों की सं.	प्रतिशतता		शामिल हुए छात्रों की सं.	प्रतिशतता		शामिल हुए छात्रों की सं.	प्रतिशतता		शामिल हुए छात्रों की सं.	प्रतिशतता		शामिल हुए छात्रों की सं.	प्रतिशतता	
			पास	प्रथम डिवीजन		पास	प्रथम डिवीजन		पास	प्रथम डिवीजन		पास	प्रथम डिवीजन		पास	प्रथम डिवीजन
बी.ए. (कार्यक्रम)	I	-	-	-	237	223	111	312	98.7	65.7	233	95.49	43.84	366	97.27	45.62
बी.ए. (कार्यक्रम)	II	260	98	49				231	94.3	72.2	293	97.99	55.85	309	99.67	67.96
बी.ए. (कार्यक्रम)	III	215	83	59	235	179	129	-	-		215	93.88	74.23	290	90	51.38
बी. कॉम	I	-	-	-	159	159	94	176	100	51.13	196	95	76	159	100	62
बी. कॉम	II	154	142	64	149	87	79	147	100	73	173	97	91.03	189	142	75
बी. कॉम	III	119	98	91	-	-	-	-	-	-	108	73	83.33	158	95	31
बी. कॉम (ऑनर्स)	I	227	219	155	103	103	41	120	100	60	136	100	45.58	112	98.21	66.07
बी. कॉम (ऑनर्स)	II	108	99	58	210	210	150	98	100	68.3	119	100	69.74	136	97.79	61.76
बी. कॉम (ऑनर्स)	III	105	80	73	109	74	69	209	98	81.3	93	94	74.74	119	93.27	69.74
बी.ए.(ऑनर्स) एच.जे.एम.सी.	I	28	100	57	58	58	37	68	100	86.76	58	95.08	50.81	62	98.39	45.16
बी.ए.(ऑनर्स) एच.जे.एम.सी.	II	25	100	48	28	28	08	58	98.2	70.6	69	100	60	58	100	50
बी.ए.(ऑनर्स) एच.जे.एम.सी.	III	32	81	63	25	25	17	28	100	57.10	56	96.55	74.13	68	98.53	63.24
बी.ए.(ऑनर्स) सामाजिक कार्य	I	63	96	59	49	94	39	59	98.3	54.23	62	86,8	38.7	54	54.44	50
बी.ए.(ऑनर्स) सामाजिक कार्य	II	56	100	39	63	90	37	47	85.74	53.19	54	100	64.8	63	100	46
बी.ए.(ऑनर्स) सामाजिक कार्य	III	52	59	35	54	76	54	59	94.91	54.23	46	97.87	56.52	53	94.33	74

बी.ए.(ऑनर्स) भू.	I	52	98	77	57	57	40	58	96.55	82.75	67	100	80	66	98.48	58
बी.ए.(ऑनर्स) भू.	II	52	51	77	87	87	76	54	98	90.74	56	100	69.64	63	100	45
बी.ए.(ऑनर्स) भू.	III	62	49	36	50	47	40	86	98.8	93	53	98.1	94.33	56	100	78.5
बी.ए.(ऑनर्स) बीई	I	58	58	88	47	47	14	58	100	56	44	95.6	27	60	96.6	39.6
बी.ए.(ऑनर्स) बीई	II	55	55	24	54	32	30	46	95	52	54	100	37	38	100	42.1
बी.ए.(ऑनर्स) बीई	III	33	26	25	58	58	39	58	100	86	41	89	56	55	80	50
बी.ए.(ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनो.	I	63	78	52	31	31	19	42	88	50	52	100	51.92	47	89.36	48.93
बी.ए.(ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनो.	II	26	26	08	46	46	45	29		79.3	34	100	76.47	52	96.15	67.30
बी.ए.(ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनो.	III	21	21	15	26	19	12	46		84	29	100	75.86	34	100	70.58
बी.ए.(ऑनर्स) इतिहास	I	-	-	-	-	-	-	-	-	-	53	100	50.94	44	97.7	51.1
बी.ए.(ऑनर्स) इतिहास	II	-	-	-	-	-	-	-	-	-	53	100	50.94	52	96.15	38
बी.ए.(ऑनर्स) अर्थशास्त्र	I	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	40	97.5	46.15
बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी	I	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	44	90.9	47.5

XIV. कॉलेज प्रशासन

प्रधानाचार्य: डॉ. जी.के. अरोड़ा, **बुरसर**: डॉ.एम.एस. वत्स (9868726525); **प्राचार्य के वरिष्ठ निजी सहायक**: श्री राम कुमार (9810485929); **परामर्शदाता**: श्री वीर सिंह (9891339820); **अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)**: सुश्री रमा सोइन (9868183503); **अनुभाग अधिकारी (लेखा):** श्री जोगेंद्र सिंह (9999598337); **रोकडिया**: श्री राजीव सक्सेना (9873104077)/ श्री अनिल कुमार (9013057477)

संयोजक, रैगिंग प्रतिरोधी: डॉ. संजय शर्मा (9810575333); **एनसीसी अधिकारी:** केयरटेकर, सेना विंग: डॉ. राजबीर वत्स (9968141409); केयरटेकर, सेना विंग (छात्राएं): सुश्री कणिका (9873645895); एएनओ, नेवल विंग: डॉ. अरविंद यादव (9810714856); **एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. अवतार सिंह (9650733567); **समन्वयक, समान अवसर सैल:** डॉ. नीरव अदलजा (9968008007); **ओबीसी संपर्क अधिकारी:** डॉ. रविंद्र सिंह (9999570108); **अ.जा./अ.ज.जा. संपर्क अधिकारी:** श्री पुरुषोत्तम (9910056690); **नोडल अधिकारी, तंबाकू-प्रतिरोधी दल:** डॉ. अनविंद यादव (9810714856); **नोडल लोक शिकायत अधिकारी:** सुश्री सुनिता चाकी (9810446649); **संयोजक, रेड रिबन क्लब:** डॉ. ऋचा चौधरी (9868819799); **पूर्वोत्तर/ विदेशी छात्रों के लिए परामर्शी समिति एवं कल्याण कक्ष:** सुश्री एन. विक्टोरिया चानु (9891979365); **ईडब्ल्यूएस संपर्क अधिकारी:** डॉ. सरला भारद्वाज (9810428322); **नोडल अधिकारी, स्वच्छता अभियान :** डॉ. आर.पी. द्विवेदी (9868068787); **आईक्यूएसी समन्वयकर्ता:** डॉ. अतुल प्रताप सिंह (9868981107); **नोडल अधिकारी विकलांग व्यक्ति:** डॉ. नीरव अदलजा (9968008007)

XV. 2019-20 के लिए कॉलेज समितियां

स्टाफ परिषद सचिव : डॉ. आर.पी. द्विवेदी (8588922995)		
समितियां	**संयोजक**	**सह-संयोजक**
समय-सारणी	डॉ. सरला भारद्वाज (9810428322)	डॉ. प्रतिभा वर्मा (9871102001)
सांस्कृतिक	डॉ. तुलिका सनाध्य (9891013364)	डॉ. के.एन. बंसल (9810117278)
खेलकूद	डॉ. के.के. शर्मा (9718964963)	डॉ. ललित कुमार (9811197931)
विचार-विमर्श	डॉ. दिलजीत कौर (9811592966)	डॉ. अरविंद यादव (9810714856)
पत्रिका	डॉ. आर.पी. द्विवेदी (8588922995)	डॉ. मंजू एलावादी (9213434752)
एनएसएस	डॉ. अवतार सिंह (9650733567)	डॉ. इंदिवर मिश्रा (9811387420)
पुस्तकालय	डॉ. वी.पी. सिंह (9868031260)	डॉ. राजेंद्र प्रसाद (9968044903)
दाखिला	डॉ. नलिन कुमार (9891463008)	डॉ. नरेंद्र ठाकुर (9013715891)
कार्य भार	डॉ. तमाल दासगुप्ता (9999292586)	डॉ. बी.के. पांडे (9811949193)
छात्र कल्याण/ शुल्क रियायत	डॉ. मंजू ऐलावादी (9223434752)	डॉ. पुरुषोत्तम (9910056690)
छात्र अनुशासन	डॉ. अरविंद यादव (9810714856)	डॉ. प्रतिभा वर्मा (9871102001)
छात्र परिषद परामर्शी	डॉ. चित्रा रानी (9818880325)	डॉ. डी.के. पांडे (9811949193)
संगोष्ठी/सेमिनार सहभागिता	डॉ. जितेंद्र सरोहा (9899050870)	डॉ. आर.पी. द्विवेदी (8588922995)
दाखिला शिकायत	डॉ. सुदीप कुमार (8804063375)	डॉ. आर.पी. द्विवेदी (8588922995)

अन्य कॉलेज समितियां

समितियां	**संयोजक**	**सह-संयोजक**
कैंटीन	डॉ. सरला भारद्वाज (9810428322)	डॉ. वी.पी. सिंह (9868031260)
सत्यापन	डॉ. राजेश उपाध्याय (9811949193)	डॉ. आर.पी. द्विवेदी (8588922995)
बागबानी	डॉ. ललित कुमार (9811197931)	डॉ. के.के. शर्मा (9718964963)
प्लेसमेंट	डॉ. ललित कुमार (9811197931)	डॉ. तुष्टि भारद्वाज (9711474047)
पूर्व-छात्र क्लब	डॉ. राजबीर वत्स (9968141409)	डॉ. तुष्टि भारद्वाज (9711474047)
कंप्यूटर	श्री पुरुषोत्तम (9910056690)	डॉ. बी.एम. दाश (9910718789)

प्रयोगशाला विकास		
रेड रिबन क्लब	डॉ. ऋचा चौधरी (9868819799)	डॉ. ओम मिश्रा (8800470471)
तंबाकू-प्रतिरोधी	डॉ. अरविंद यादव (9810714856)	डॉ. ललित कुमार (9811197931)
समान अवसर सैल	डॉ. नीरव अदलजा (9968008007)	डॉ. ओम मिश्रा (8800470471)
केंद्रीय क्रय	श्री पुरुषोत्तम (9910056690)	डॉ. मोनिका अहलावत (9811588626)
विशेष श्रेणी दाखिला समर्थन	डॉ. धनंजय (अ.जा./अ.ज.जा., 9968456688); डॉ. रविंद्र सिंह (अ.पि.वर्ग, 9999570108); डॉ. ओम मिश्रा (ईओसी, 8800270471); डॉ. एन. विक्टोरिया चानु (पूर्वोत्तर/विदेशी, 9891979365); डॉ. सरला भारद्वाज (9810428322) (ईडब्ल्यूएस)	
जेंडर संवेदीकरण एवं महिला विकास	डॉ. मोनिका अहलावत (9811588626)	डॉ. जया वर्मा (9953210963)
पूर्वोत्तर सैल/विदेशी छात्र	डॉ. एन. विक्टोरिया चानु (9891979365)	डॉ. प्रतिभा वर्मा (9871102001)
विवरणिका	डॉ. इंदिवर मिश्रा (9811387420)	डॉ. सुनिता मलिक (9873015929)
परामर्श	डॉ. ऋचा चौधरी (9868819799)	डॉ. प्रतिभा वर्मा (9871102001)

अस्वीकरण

यह विवरणिका, संचालक (डॉ. इंदिवर मिश्रा), विवरणिका के माध्यम से, इसमें अंदर यथाउल्लिखित, भिन्न-भिन्न प्रशासनिक अनुभागों, कॉलेज समिति संचालकों और शिक्षक प्रभारियों से प्राप्त और संगृहीत इनपुटों/सामग्रियों का एक संकलन है। समिति की सहायता, गैर-अध्यापन स्टाफ से श्री कनिष्क नौटियाल द्वारा भी की गई। विश्वविद्यालय के स्रोतों से ली गई अन्य विषय-वस्तु, नियमों और उपबंधों, जो समय-समय पर परिवर्तन की शर्त के अधीन हैं, का पुन: प्रस्तुतीकरण और सूचना का संपादन करते समय उचित सतर्कता बरती गई है। यहां प्रस्तुत की गई सूचना केवल एक मोटी रूपरेखा है और निदर्शनात्मक है। इसका इस्तेमाल कानूनी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता और न ही इसे सूचना की परिशुद्धता की वारंटी के रूप में माना जाना चाहिए। हालांकि प्रामाणिक सूचना उपलब्ध कराने के लिए हर सतर्कता बरती गई है, परंतु अनजाने में हुई किसी गलती और मुद्रण त्रुटियों के कारण पहुंची किसी हानि या क्षति के लिए कॉलेज जिम्मेदार नहीं होगा। इस विवरणिका के मुद्रित अंग्रेजी और हिंदी रूपांतर के बीच किसी विसंगति की स्थिति में अंग्रेजी रूपांतर को सही माना जाएगा और यही लागू होगा।

विवरणिका का हिंदी संस्करण कॉलेज की वेबसाइट drambedkarcollege.ac.in पर उपलब्ध है।

चित्र

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1991	2019
पाठ्यक्रमों की संख्या - 3	पाठ्यक्रमों की संख्या - 11
छात्रों की संख्या - 150	छात्रों की संख्या - 3100
संकाय सदस्यों की संख्या - 10	संकाय सदस्यों की संख्या - 123